नाइलिट 2014-15

20वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

20वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

विषय–सूची

संदेश | 04

परिषदें | 08

परिदृश्य | 14

परियोजना | 19

पहल एवं उपलब्धियाँ | 23

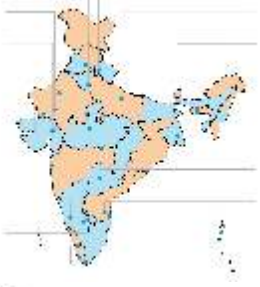

केन्द्र | 28

लेखा परीक्षक | 66

लेखें | 70

संक्षिप्ताक्षर | 110

रवि शंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

सत्यमेव जयते

मंत्री
संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार
MINISTER
COMMUNICATIONS & IT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) का 20वाँ वार्षिक प्रतिवेदन तथा वर्ष 2014–15 की लेखाओं का सम्परीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

प्रौद्योगिकी ने अत्यधिक प्रगति प्राप्त की है और भारत डिजिटल क्रांति के शिखर पर बैठा हुआ है, जो देश के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य को बदलने जा रहा है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित कम्पनियों ने विश्वभर में सेवाओं तथा नव परिवर्तन की दृष्टि से उल्लेखनीय रूप में उत्तम कार्य किया है।

सरकार ने अपने महत्वकांक्षी ''डिजिटल भारत'' कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जो तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है– प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगिता के रूप में डिजिटल अवसंरचना, माँग पर शासन और सेवाएं तथा नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण, का सृजन करना है।

डिजिटल सशक्तिकरण, डिजिटल साक्षरता के अभिप्राय से संदर्भित है कि, जो जनसाधारण साक्षर नहीं है उन्हें डिजिटल उपकरणों के उपयोग में प्रशिक्षित करना है, ताकि, ई–गवर्नेंस एवं डिजिटल सेवाओं तथा अपने जीवन में सार्थक परिवर्तन का लाभ लें सकें। इस संदर्भ में, नाइलिट की महत्वपूर्ण भूमिका है। पीपीपी फ्रेमवर्क में निजी प्रशिक्षण भागीदारी के साथ–साथ अपने केंद्रों के बढ़ते हुए नेटवर्क के साथ नाइलिट राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन ('दिशा' के रूप में विदित) को आगे ले जाने की ओर उपयुक्त रूप से अग्रसर है जिसका लक्ष्य डिजिटल विभाजन को दूर करना है।

'मेक इन इंडिया' के शुभारंभ के साथ, इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता का सुनिश्चय करना आवश्यक हो गया है। डीईआईटीवाई की ईएसडीएम कौशल विकास योजना, जिसमें चार वर्षों की अवधि में चार लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रदान करने का लक्ष्य है, के क्रम में नाइलिट द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई। मुझे बताते हुए हर्ष भी है कि नाइलिट ने छोटे तथा मध्यम विक्रेताओं जैसे कारीगरों एवं बुनकरों के लिए डिजिटल विपणन पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया है, जिससे उन्हें अपने उत्पादों को विपणन एवं विक्रय करने में ई–वाणिज्य के उपयोग द्वारा सुक्षमताओं का ज्ञान प्राप्त करके अपनी व्यवसायिकी संभावनाओं में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी।

दोनों ही औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, नाइलिट ने सरकारी विभागों की ओर से प्रायोजित परियोजनाएं तथा परामर्श–सेवाओं का शुभारंभ किया है और मैं विशेष रूप से मुफ़िसस्ल तथा सुदूर क्षेत्रों के युवाओं व महिलाओं को प्रशिक्षित करने में, नाइलिट के प्रयासों की सराहना करता हूँ।

मैं नाइलिट के चहुँमुखी विकास के लिए बधाई देता हूँ और अपने सभी प्रयासों में संगठन की और अधिक सफलता की कामना करता हूँ।

(रवि शंकर प्रसाद)

कमरा नं. 105, संचार भवन, 20 अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001
फोन : 91–11–23739191, 23372177 फैक्स : 91–11–23723330

जे.एस. दीपक
सचिव
J.S. Deepak
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
विभाग (डीईआईटीवाई)

Government of India
Ministry of Communications &
Information Technology
Department of Electronics &
Information Technology (DeitY)

संदेश

भारत सरकार ने कई उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। डिजिटल भारत कार्यक्रम सुशासन के प्रयासों को दोनों शाब्दिक व आत्मिक रूप से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल भारत नागरिकों को सुशासन प्रदान करने की दृष्टि से समूची सरकार के समकालिक एवं समन्वित योगदान का एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीइआईटीवाई) ने बहुत सी नई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसेकि माई–गोव, आधार समर्थित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, जीवन–प्रमाण, ई–शुभेच्छा, ई–सम्पर्क, राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन, ई–शासन क्षमता फ्रेमवर्क, डिजिटल–लॉकर आदि, जो डिजिटल भारत कार्यक्रम को प्रेरणा प्रदान करेंगे।

ऐसी योजनाओं तथा नीतियों का तेजी से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, सरकारी कार्मिकों को भी अपनी आईसीटी कुशलताओं को नियमित आधार पर अद्यतन करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, मुझे यह नोट करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाइलिट समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से ग्रामीण जनता के लिए सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार प्रौद्योगिकीयों (आईईसीटी) के क्षेत्रों में क्षमता–निर्माण तथा कौशल विकास की दिशा में सशक्त प्रयास कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी को ई–शासन तथा नागरिक–केन्द्रित सेवाओं पर ध्यान आकृष्ट करते हुए अत्यधिक महत्व प्राप्त हुआ है। इस प्रकार, हम क्षमता–निर्माण और अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण भारत और डिजिटल भारत के सम्मुख चुनौती के साथ दृढ़ हैं। यह भारत को आने वाले वर्षों में एक प्रमुख शक्ति के रूप में विकसित करने हेतु सभी हितधारकों की ओर से सक्रियता से प्रयासरत है।

हाल ही में, नाइलिट ने अपने लक्ष्यों को बल प्रदान करते हुए तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में विविधताएं दर्ज की हैं। आईईसीटी के क्षेत्र में क्षमता–निर्माण व कौशल वृद्धि के लिए विविध कदम उठाए गए हैं। जो डीईआईटीवाई की दृढ़ व विश्वसनीय भुजाओं में से है। मैं नाइलिट को इसके संपूर्ण राष्ट्र में आईटी साक्षरता व शिक्षा के विस्तार हेतु शुभकामनाएं देना चाहता हूँ। नाइलिट ने अपने प्रयासों से अपने परिचालन व लाभ को स्कैलिंग करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है, जो सराहनीय है।

मैं नाइलिट द्वारा अत्यधिक प्रगति दर्ज कराने के लिए उनका अभिनन्दन करना चाहता हूँ और मैं नाइलिट की इसके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 8 दिसम्बर, 2015

(जे.एस. दीपक)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan,6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel. : 011-24364041 • Fax : 24363134 • email : secretary@mit.gov.in

डॉ० अश्विनी कुमार शर्मा
Dr. Ashwini Kumar Sharma
महानिदेशक
Director General

संदेश

देश की शिक्षा प्रणाली में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के प्रयोजन से अमूलचुल परिवर्तन हो रहा है। भारत सरकार द्वारा डिजिटल भारत पहल का शुभारंभ किए जाने से कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण अत्यधिक महत्वपूर्ण हुआ है। यह अभियान तीन मूल स्तम्भों पर आधारित है जिसमें– प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगिता के रूप में डिजिटल अवसंरचना, माँग पर शासन व सेवाएं तथा नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण का सृजन करना है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) एक निकाय है जिसे आज देश के सभी क्षेत्रों तथा समाज के सभी खण्डों तक पहुँच की दृष्टि से अद्वितीय स्थान प्राप्त है। नाइलिट, भारत में एक प्रोफेशनल परीक्षा निकाय भी है, जो विशेष रूप में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रत्यायित करता है। यह सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी, संचार प्रौद्योगिकियों, हार्डवेयर, साइबर कानून, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीआईएस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ईएसडीएम, ई–शासन तथा संबद्ध विषयों पर अर्हता प्राप्त मानव संसाधन के विकास में सक्रियता से शामिल है। यह संस्थान भारत में कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के परिदृश्य से एक अद्वितीय पहचान एवं विशिष्टता प्रदान करता है। कई सरकारी विभागों ने नाइलिट को तृतीय–पक्ष एजेंसी के रूप में तकनीकी जनशक्ति की भर्ती का दायित्व सौंपा है जो न केवल पारदर्शिता का सुनिश्चय करता है बल्कि, नाइलिट में उपलब्ध तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग भी अन्य संगठनो के साथ सहक्रिया तैयार करने में की जा रही है।

नाइलिट ने आईईसीटी के क्षेत्रों में मानक स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए हैं और सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार उभरते क्षेत्रों में बाजार उन्मुखी पाठ्यक्रमों का विकास किया है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों के लिए क्षमता–निर्माण के लिए प्रधान एजेंसी भी है।

तत्कालीन, सीईडीटीआई (आइज़ोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, जम्मू/श्रीनगर तथा गुवाहाटी/तेजपुर स्थित) तथा आरसीसी (चण्डीगढ़ तथा कोलकाता) का विलय डीओईएसीसी के साथ होने के परिणामस्वरूप इस बृहत् संस्थान का नाम अक्तूबर, 2011 में बदलकर नाइलिट किया गया। इस विलय के कारण प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी तथा मानकीकरण के प्रयास आवश्यक हुए जिससे विभिन्न इकाइयों का विलीन किया जा सके तथा एक विलयित संसक्तिशील इकाई के रूप में भारतीय आधार पर सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को बढ़ावा दिया जा सके।

ऑनलाइन उपस्थिति पर बल देते हुए, नाइलिट ने हाल के समय में पोर्टलों के माध्यमों से पणधारियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों, को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाया है जो एक छोर से दूसरे छोर तक समाधान उपलब्ध कराता है, जिसमें पाठ्यक्रम में पंजीकरण, ई–अधिगम, ऑनलाइन–परीक्षा, डिजिटल प्रमाण–पत्र शामिल है तथा जिसे स्वतः एसएमएस एवं आधार समर्थित प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) योजनाओं का समर्थन प्राप्त है। इस प्रक्रिया को डिजिटल लॉकर प्रौद्योगिकी से भी प्रबलित किया जा रहा है।

हमारे प्रयासों से प्रौद्योगिकी एवं ऑनलाइन सेवाओं के अधिकाधिक प्रयोग के माध्यम से अधिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने हेतु मुझे विश्वास है कि अपने 31 केन्द्रों, 900+ प्रत्यायित प्रशिक्षण भागीदारों तथा 7000+ सुविधा केन्द्रों की बढ़ती संख्या से हाल के समय में प्राप्त किए गए उच्च विकास के क्रम में आगे अपनी परियोजनाओं में सुधार करेगा। नाइलिट, एक राष्ट्रीय संस्थान के रूप में भारत सरकार के 'स्किल इंडिया' तथा 'डिजिटल इंडिया' के नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को समर्थन देने में सहायक है।

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

नाइलिट, इलेतक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110 003
फोन : 91–11–2436 4870 / फैक्स : 91–11–2436 3335 / Email : dg@nielit.gov.in

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट

वर्ष	नाम
1995-1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996-1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997-1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998-1999	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999-2000	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000-2001	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001-2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002-2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003-2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004-2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005-2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006-2007	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007-2008	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008-2009	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009-2010	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010-2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक)
	श्री कपिल सिब्बल, मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011-2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012-2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013-2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट

वर्ष	नाम
2012-13	**श्री जे. सत्यनारायण,** भाप्रसे, सचिव, डीईआईटीवाई
2013-14	**श्री जे. सत्यनारायण,** भाप्रसे, सचिव, डीईआईटीवाई
2014-15	**श्री आर.एस शर्मा,** भाप्रसे, सचिव, डीईआईटीवाई
2015-16	**श्री जे.एस. दीपक.** भाप्रसे, सचिव, डीईआईटीवाई

प्रबंध बोर्ड की पहली बैठक 18 मई, 2012 को आयोजित की गई

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	-

अधिशासी परिषद

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री जे.एस. दीपक
उपाध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

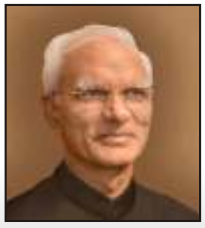

श्री वेद प्रकाश
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय
अनुदान आयोग

श्री विनय शील ओबरॉय
सदस्य
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग,
एमएचआरडी

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी
शिक्षा परिषद

श्री संजीव मित्तल
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना
प्रौद्योगिकी विभाग

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना
प्रौद्योगिकी विभाग

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

श्री राजेश अग्रवाल
सदस्य
संयुक्त सचिव, डीजीटी,
कौशल विकास विभाग

डॉ. स्मृति डागर
सदस्य
प्रेसिडेंट, इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार
इंजीनियरी संस्थान

प्रो. (श्रीमती) गीतिका कपूर
सदस्य
निदेशक, आर.ए. पोद्दार प्रबंध सस्थान,
राजस्थान विश्वविद्यालय

अधिशासी परिषद

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नेसकॉम

श्री राजेन्द्र एस. पवार
सदस्य
अध्यक्ष, एनआईआईटी लि.

श्री हरि ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष. लावा इंटरनेशनल लि.

श्री कुणाल बहल
सदस्य
सीईओ, स्नैपडील

श्री टी.के. कुरियन
सदस्य
सीईओ, विप्रो लि.

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
एमडी. इंटेल

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंध बोर्ड

श्री जे.एस. दीपक
अध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव एवं
वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

श्री संजीव मित्तल
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना
प्रौद्योगिकी विभाग

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी
शिक्षा परिषद

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नैसकॉम

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
या प्रतिनिधि

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव एवं
वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
या प्रतिनिधि

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी),
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

श्री राजीव तलवार
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, नाइलिट

मुख्य सतर्कता अधिकारी/निदेशक/प्रभारी निदेशक/ रजिस्ट्रार/मुख्य वित्त अधिकारी

श्री ए.के. बलानी
मुख्य सतर्कता अधिकारी, नाइलिट
(वरिष्ठ निदेशक, डीईआईटीवाई)

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

श्री ए.एच. मून
श्रीनगर/जम्मू

श्री टी.पी. सिंह
कोलकाता, इम्फाल, कोहिमा

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

डॉ. समशेर
दिल्ली

श्री के. बरुआ
गुवाहाटी

श्री वी.के. जैन
चण्डीगढ

श्री एस.टी. वालूंजकर
औरंगाबाद

मुख्य सतर्कता अधिकारी/निदेशक/प्रभारी निदेशक/ रजिस्ट्रार/मुख्य वित्त अधिकारी

श्री टी.एस. बावा
अजमेर

डॉ. वी. कृष्णमूर्ति
चेन्नै

श्री लालमोहन
श्रीकाकुलम

श्री मानब कालिता
शिलांग

श्री एन. देबचन्द्र सिंह
आइजॉल

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

श्री एम.एस. नन्दी
रांची

श्री जनक राज
रजिस्ट्रार

श्री राजीव तलवार
मुख्य वित्त अधिकारी

परिदृश्य

नाइलिट के बारे में

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक निकाय है और सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी, संचार प्रौद्योगिकियों, हार्डवेयर, साइबर कानून, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीआईएस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ई–शासन तथा संबद्ध विषयों में मानव संसाधन के विकास से सक्रिय रूप से जुड़ा है। नाइलिट कई राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों के कर्मचारियों तथा जनसामान्य के लिए सूचना साक्षरता कार्यक्रम चलाने के लिए एक प्रधान एजेंसी भी है।

विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधनों का सृजन करने के उद्देश्य से, नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य करती है, जिसमें रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़े कम कीमत वाले उत्तम क्वालिटी के शिक्षण/प्रशिक्षण का आयोजन शामिल है। नाइलिट विशेष रूप में देश के ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम भी चलाता है। यह भारत की एक प्रोफेशलन परीक्षा निकाय भी है, जो विशेष रूप में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रत्यायित करती है।

नाइलिट अधिशासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं दिशा–निर्देशों के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री इस परिषद के अध्यक्ष हैं। परिषद के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों/संगठनों के प्रतिनिधि हैं जैसे कि सरकारी विभाग, उद्योग, शैक्षिक संस्थान तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि। संस्थान का एक प्रबंध मण्डल भी है, जिसके अध्यक्ष सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार हैं। मण्डल तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप में करने के लिए प्रत्येक नाइलिट केन्द्र की एक कार्यकारी समिति है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रबंध निदेशक, नाइलिट की अध्यक्षता में वित्त एवं लेखा समिति बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दो/समाधानों की सिफारिश करके अधिशासी परिषद को सहायता प्रदान करती है। इस समिति को संस्थान की सम्परीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी द्वारा पारित किए जाने के प्रयोजन प्रस्तुत करने से पहले उनकी जाँच करने का दायित्व भी दिया गया है। वित्त एवं लेखा समिति विभिन्न वित्तीय मामलों में तथा संस्थान के लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के संबंध में समय–समय पर सलाह भी देती है। नाइलिट के रोजमर्रा के कार्यकलापों का प्रबंध प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है।

नाइलिट के सतर्कता संबंधी कार्यकलापों की अध्यक्षता मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा की जाती है जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारी द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। नाइलिट में सतर्कता संबंधी कामकाज निरोधक उपायों के रूप में हैं जो एक स्वस्थ एवं पारदर्शी वातावरण तैयार करने के लिए आवश्यक हैं। नाइलिट के कामकाज में पारदर्शिता लाने तथा जवाबदेही के लिए संस्था में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। मुख्यालय में लोक सूचना अधिकारी तथा संस्थान के सभी केन्द्रों में सहायक लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.in). पर उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त, सूचना का अधिकार अधिनियम की अपेक्षाओं के अनुसार संगठन में एक पारदर्शिता अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रुप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक लोक शिकायत अधिकारी की भी नियुक्ति की है। हिन्दी के प्रयोग के संबंध में संवैधानिक अनुदेशों का अनुपालन नाइलिट केन्द्रों में क्षेत्रवार प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

क्षमता निर्माण, कौशल विकास तथा पुनः इंजीनियरी प्रक्रिया

कौशल विकास दीर्घकालीन विकास प्रक्रिया को पोषित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह अनौरचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में योगदान दे सकता है। समुचित कार्य करने के सिद्धान्त तथा कौशल विकास के डिजाइन एवं प्रदायगी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और ये सामाजिक रूप में उचित संचरण को कुशल प्रबंध करने के लिए एक प्रभावी मार्ग है। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कुशलता, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम के व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे वे अच्छे रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं : (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले **औपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम जैसे कि **एम.टेक, बी.टेक, एमसीए, बीसीए** कार्यक्रम (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, जैव–सूचना विज्ञान आदि में चार स्तरों पर अर्थात **'ओ'** (आरम्भिक); **'ए'** (उन्नत डिप्लोमा); **'बी'** (एमसीए के समतुल्य) तथा **'सी'** (एम.टेक के समतुल्य) पर **अनौपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम प्रमुख क्षेत्रों में **अल्पावधि पाठ्यक्रम;** तथा देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए **सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम;** और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार **विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम** चलाने के लिए विशेषज्ञता तैयार की है। इसके अलावा, डिजिटल भारत अभियान पर सरकार द्वारा दिए जा रहे महत्व के अनुसरण में, नाइलिट का आगामी 4–5 वर्षों में **रोजगार के प्रयोजन से आईसीटी,** ईएसडीएम तथा डिजिटल विपणन पाठ्यक्रमों में **55 लाख विद्यार्थियों** को प्रशिक्षित करने की एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के अतिरिक्त, अजमेर (केकड़ी), अगरतला, आईजॉल, औरंगाबाद, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, पटना, श्रीनगर, जम्मू, राँची, शिमला, लखनऊ, चुचुयिमलांग, शिलांग, जोरहाट, सिलचर, सेनापति, तेज़पुर, लुंगलेई, लेह चुड़ाचाँदपुर तथा अलावलपुर (नए केन्द्र श्रीकाकुलम तथा रोपड़ में तैयार हो रहे हैं) स्थित **31 अपने केन्द्रों** के नेटवर्क के माध्यम से अपनी सर्व भारतीय उपस्थिति के जरिए नाइलिट ने स्वयं को एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। लगभग **7000+ सुविधा केन्द्रों** के नेटवर्क के अतिरिक्त यह लगभग **900+ प्रत्यायित प्रशिक्षण केन्द्रों** के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। नाइलिट कौशल विकास के माध्यम से डिजिटल विभाजन को दूर करने का प्रयास कर रहा है जिससे विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के युवाओं में रोजगार की क्षमता में वृद्धि हो सके। प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के उद्देश्य से, नाइलिट में कई सांस्थानिक मेकेनिज़्म लागू किए गए हैं। प्रत्यायन तथा पंजीकरण की प्रक्रिया को दस्तावेजों के स्वतः प्रमाणीकरण द्वारा सरल बनाया गया है जिसके कारण संसाधन का समय काफी कम हो गया है, नाइलिट पाठ्यक्रमों के लिए 'डिजिटल भारत' के अन्तर्गत **भारतीय भाषाओं में ई–पाठ सामग्री** उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त, दूर–दराज के स्थानों/ग्रामीण भारत के नागरिकों को ऑनलाइन मूल्यांकन के माध्यम से सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। राज्य सभा के माननीय सदस्यों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों से परिचित करवाने के लिए **एक ई–अधिगम पोर्टल** आरम्भ किया गया है। सरकारी योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षित किए जा रहे विद्यार्थियों/लाभग्राहियों की अनूठी पहचान के लिए आधार भी लागू किया गया है, जिसमें छात्रवृत्ति की राशि को लाभग्राही के खाते में **प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी)** योजना के माध्यम से जमा करने का प्रावधान है। नाइलिट डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों में ई–शासन, साइबर सुरक्षा की अवधारणा, तैयार होने वाली प्रौद्योगिकियों, सॉफ्ट स्किल के माड्यूल जोड़कर इनका विस्तार किया जा रहा है।

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय की राष्ट्रीय आजीविका सेवा योजना के अन्तर्गत केरल में पहला **मॉडल आजीविका केन्द्र** नाइलिट कालीकट में स्थापित किया गया है। यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो समाज के ग्रामीण एवं कमजोर वर्गों के युवाओं को आजीविका संबंधी मार्गदर्शन तथा काउंसलिंग सेवाएँ प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा। राष्ट्रीय आजीविका सेवा योजना के अन्तर्गत इसी प्रकार के केन्द्र दूसरे नाइलिट केन्द्रों में भी स्थापित किए जा रहे हैं। हाल ही में एक आईओटी लैब का उद्घाटन भी नाइलिट कालीकट में किया गया। नाइलिट की क्षमताओं को स्वीकार करते हुए, कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य नाइलिट को सौंप रही हैं। श्रीनगर/जम्मू स्थित नाइलिट केन्द्र जम्मू तथा कश्मीर राज्य के 200 सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित कर रहा है जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के सक्रिय उपयोग के माध्यम से शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना है।

भारत सरकार के डिजिटल भारत पहल के साथ संसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) के अन्तर्गत एक अनूठी पहल के अनुसरण में, श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जी ने बिहार के पटना जिले के फातुहा ब्लॉक के अन्तर्गत उनके द्वारा अपनाए गए गाँव अलावलपुर में 18 मई, 2015 को एक नाइलिट कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र का उद्घाटन किया। कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र की स्थापना अलावलपुर गाँव के सामुदायिक केन्द्र में की गई है और इस केन्द्र में 6 कम्प्यूटर प्रणालियों तथा एक प्रिंटर के साथ एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला, एक क्लासरूम तथा एक व्हाइटबोर्ड हैं।

नाइलिट को आईसीटी में क्षमता निर्माण के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाएँ संचालन का दायित्व सौंपा गया है जिसका उद्देश्य रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़ी अच्छी क्वालिटी एवं कम कीमत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास सहित विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधनों का सृजन करना है और साथ ही विशेष रूप से देश के ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम चलाना है। भारत सरकार के राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन तथा डिजिटल भारत अभियान को सफल बनाने के लिए कौशल विकास पर जोर देते हुए, द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट के मुख्यालय की आधारशिला श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं अध्यक्ष, अधिशासी परिषद, नाइलिट द्वारा रखी गई। इस अवसर पर नाइलिट के विद्यार्थियों के लिए एक **टोल–फ्री हेल्पलाइन** नम्बर 1800–11–65–11 तथा डिजिटल विपणन सूचना पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में नाइलिट की सुदृढ़ उपस्थिति है। नाइलिट, कोहिमा में साइबर अपराध–विज्ञान प्रयोगशाला तथा प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की गई है, जो नागालैण्ड में अपने तरह की एकमात्र सुविधा है, जिसे कम्प्यूटर एवं नेटवर्क अपराध–विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अद्यतन उपकरण तथा प्रौद्योगिकी से सुसज्जित किया गया है। साइबर अपराध–विज्ञान प्रयोगशाला राज्य के कानून प्रवर्तन विभाग को प्रौद्योगिकीय सेवाएँ प्रदान करती है जिससे साइबर से संबंधित अपराधों का समाधान करने एव विश्लेषण करने के माध्यम से सुविधा प्रदान की जा सके।

डिजिटल भारत

सरकार ने ''डिजिटल भारत'' का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आरम्भ किया है, जो तीन मूल स्तम्भों पर आधारित है – भारत के नागरिकों के लिए एक उपयोगिता के रूप में डिजिटल वास्तुकला का सृजन करना, सेवाओं की डिजिटल प्रदायगी का सुनिश्चय करना, तथा भारत के नागरिकों का डिजिटली रूप में सशक्तिकरण प्रदान करना। डिजिटल सशक्तिकरण का तात्पर्य है डिजिटल साक्षरता जिसका अर्थ यह है कि जो लोग साक्षर नहीं हैं उन्हें डिजिटल युक्तियों को चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वे ई–शासन तथा डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें तथा अपनी आजीविका में परिवर्तन ला सकें। देश में डिजिटल क्रांति शुरू हुई है जिसमें नाइलिट पीपीपी फ्रेमवर्क में निजी प्रशिक्षण भागीदार सहित इसके केन्द्रों के बढ़ते नेटवर्क के जरिए नाइलिट राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (जिसे 'दिशा' भी कहा जाता है) को आगे ले जाने के लिए उपयुक्त रूप में तैयार है, जिसका लक्ष्य डिजिटल विभाजन को दूर करना है। कौशल विकास के माध्यम से डिजिटल विभाजन को न्यूनतम करके और एक बटन के क्लिक करने के जरिए मूलभूत डिजिटल साक्षरता प्रदान करने, हेतु नाइलिट विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार का सृजन करने के लिए अधिक उद्योग उन्मुखी पाठ्यक्रम चलाना चाहता है।

नाइलिट ने माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा 1 जुलाई, 2015 को डिजिटल भारत सप्ताह के उद्घाटन के आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। नाइलिट के अपने केन्द्रों, प्रत्यायित संस्थानों तथा सुविधा केन्द्रों के माध्यम सर्व भारत आधार पर पूरे सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें ये शामिल थे : (क) **ई–अपशिष्ट, डिजिटल लॉकर, ई–बस्ता, जीवन प्रमाण, आधार, साइबर सुरक्षा, साइबर हाइजिन, ई–शासन** आदि पर सूचना का प्रचार–प्रसार, (ख) डिजिटल साक्षरता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, (ग) पोस्टर एवं चित्रांकन प्रतियोगिता, (घ) साइबर धमकियों पर प्रौद्योगिकी एवं जागरूकता के माध्यम से महिला अधिकारिता, आदि। एक सप्ताह तक चले समारोह लगभग 89 नाइलिट केन्द्रों/संस्थानों ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और 1.43 लाख से अधिक प्रतिभागी एक जुट हुए।

''ग्रामीण भारत'' का सशक्तीकरण

नाइलिट ने ग्रामीण कारीगरों, बुनकरों, व्यापारियों आदि के लिए डिजिटल विपणन पाठ्यक्रम आरम्भ किए हैं, जिससे वे देश में हो रही ई–वाणिज्य क्रांति के लाभ उठा सकें। डिजिटल विपणन पाठ्यक्रमों से प्रशिक्षार्थियों को डिजिटल विपणन के मूल तत्वों को समझने तथा ऑनलाइन विक्रय चैनल का प्रभावी रूप में प्रयोग करने में सहायता मिलेगी। इसमें वस्तु–सूची तैयार

करने, सूचना प्रौद्योगिकी कौशल तथा ऑनलाइन विक्रय के लिए आवश्यक सामाजिक मीडिया उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल होगा। हाल ही में एक डिजिटल विपणन पाठ्यक्रम तालासारी, महाराष्ट्र के वारली शिल्पियों के लिए शुरू किया गया, जो एक आदिवासी प्रधान क्षेत्र है। वारली पेंटिंग एक आदिवासी कला है जिसे अधिकतर उत्तर सहयाद्री रेंज के आदिवासी तैयार करते हैं, जिनमें महाराष्ट्र के पालघर जिले के अन्तर्गत तालासारी, दहानू, जवाहर, पालघर तथा मोखादा ब्लॉक आते हैं। वारली शिल्पी प्रकृति तथा आनुष्ठानिक कलाकृतियों से प्रभावित होते हैं और विभिन्न तत्वों का रूप देने के लिए मूलभूत ज्यामितीय आकारों जैसे कि वृत्त, त्रिभुज तथा चतुर्भुज का प्रयोग करते हैं। प्रशिक्षण के फलस्वरूप, वारली शिल्पी अपने उत्पादों को लोकप्रिय ई–वाणिज्य पोर्टलों पर अपलोड कर सके और इससे उनकी वारली पेंटिंगों की ऑनलाइन बिक्री हुई। नाइलिट डिजिटल भारत पहल में सार्थक योगदान देने का निरन्तर प्रयास कर रहा है और यह विश्वास करता है कि डिजिटल विपणन पूरे देश के छोटे तथा मध्यम व्यवसायों का सशक्तीकरण करेगा तथा उन्हें बड़े भारतीय ई–वाणिज्य अवसरों का लाभ उठाने में सहायता करेगा।

ज्ञान समाज की ओर अग्रसर होने के कारण, कार्य की परिस्थितियों में परिवर्तन तथा अंकीयकरण का उच्च गति में विकास रोजमर्रा के जीवन में महत्वपूर्ण हो गया है। डिजिटल भारत के मिशन को आगे बढ़ाते हुए, नाइलिट ने साइकिल रैली के माध्यम से डिजिटल साक्षरता के संदेश का प्रसार किया है जिसका उद्देश्य हरिजन बस्ती के निवासियों को 'डिजिटल भारत' के बारे में जागरूक करना था। इस अनूठी पहल के जरिए, हरिजन बस्ती (हासिये पर स्थान) के निवासियों को विभिन्न ई–शासन योजनाओं, डिजिटल साक्षरता, स्वच्छ भारत, मेक–इन–इण्डिया, आदि के लाभों के बारे में बताया गया। यह प्रौद्योगिकी तथा शासन में आसान अभिगम उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार के प्रयासों को प्रदर्शित करने का एक प्रयास भी था, और साथ ही सरकार के इस प्रयास को भी उजागर करना था कि योजनाओं के संबंध में सूचना देश के नागरिकों तक पहुँचने का सुनिश्चय हो।

ई–शासन

ई–शासन में सरकारी विभागों के कम्प्यूटरीकरण की अवधारणा में तेजी से बदलाव आकर शासन के सूक्ष्म तत्व की दिशा में प्रयास शामिल हुए हैं, जैसे कि नागरिक केन्द्रिकता, सेवा अभिमुखता एवं पारदर्शिता। नाइलिट पूरे देश में ई–शासन की दिशा में प्रयासों के सम्पूर्ण परिदृश्य को ध्यान में रखता है और उसे एक सामूहिक विजन में एकीकृत करता है तथा उद्देश्य को साझा करता है। इस विचार से, नाइलिट अपनी मूलसंरचना की पहुँच को आईजॉल के लुंगलेई, अजमेर के केकड़ी, जम्मू तथा कश्मीर के लेह जैसे देश के दूरस्थ गाँव तक विस्तारित कर रहा है। नाइलिट के कार्यालय में बड़ी मात्रा में अभिलेखों का अंकीयकरण आरम्भ किया गया है जिससे आसान, विश्वसनीय अभिगम प्राप्त हो सके और कागज़ों का इस्तेमाल समाप्त किया जा सके। ई–शासन वस्तुतः सरकार के कार्यों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग है जिससे **'आसान, परिमापी योग्य, सही, प्रासंगिक एवं पारदर्शी (स्मार्ट)** शासन का सृजन किया जा सके। इस नए प्रतिमान में कुशलता विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नाइलिट ने ई–शासन प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित तथा आरम्भ किए हैं जिसमें लोक सेवाओं को हमारी जनता के द्वार तक पहुँचाने में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर ध्यान दिया गया है।

राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन

नाइलिट डिजिटल साक्षरता जागरूकता, शिक्षण तथा क्षमता कार्यक्रमों के समर्थन के लिए एक गतिशील एवं एकीकृत प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है जो ग्रामीण समुदायों को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में नेतृत्व देने में सहायता करेगा तथा उन्हें प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने और साथ ही प्रौद्योगिकी की दृष्टि से सशक्त समाज का रूप देने में सहायता करेगा। राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम) राष्ट्रीय आप्टिक फाइबर नेटवर्क (एनओएफएन) योजना का पूरक बनने का एक प्रयास है जिससे प्रत्येक घर के एक सदस्य को डिजिटल रूप में साक्षर बनाया जा सके। एनडीएलएम के अन्तर्गत हम भारत के प्रत्येक 147 मिलियन ग्रामीण **घर से एक वयस्क व्यक्ति को डिजिटल रूप में साक्षर** बनाने के लिए बहु–पणधारकों के साथ मिलकर काम करने का वचन देते हैं। एनडीएलएम डिजिटल साक्षरता जागरूकता, शिक्षण तथा प्रशिक्षण के लिए एक आर्थिक प्रणाली होगी जो भारत को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अगुवाई करने में सहायता करेगा तथा प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने और साथ ही प्रौद्योगिकी की दृष्टि से सशक्त समाज का रूप देने में हमारी सहायता करेगा। एनडीएलएम के अन्तर्गत, नाइलिट **मूल्यांकन एवं प्रमाणन के लिए पैनल** में शामिल एक एजेंसी है।

इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) में क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास के जरिए 'मेक–इन–इण्डिया' का समर्थन

इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग में रोजगार में भारी वृद्धि होने का अनुमान है। इसलिए, 9वीं–10वीं कक्षा से आगे, आईटीआई, डिप्लोमा, गैर–इंजीनियरी स्नातक, आदि के विद्यार्थियों/बेरोजगार युवाओं पर ध्यान देते हुए डीईआईटीवाई ने ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास की एक योजना आरम्भ की है जिसका उद्देश्य अन्य विधाओं के विद्यार्थियों/बेरोजगार युवाओं के लिए सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के माध्यम से कौशल की क्षमताओं में अभिवृद्धि करना है। नाइलिट को इस योजना के कार्यान्वयन के लिए कार्यक्रम प्रबंध एकक (पीएमयू) के रूप में नियुक्त किया गया है।

चरण–I में, अधिकार प्राप्त समिति ने आंध्र प्रदेश (तेलंगाना सहितय लक्ष्य को दोनों में समान रूप में विभाजित किया गया है अर्थात 7,500), जम्मू तथा कश्मीर (लक्ष्यः सभी 5 स्तरों पर 15,000), कर्णाटक (लक्ष्य : सभी 5 स्तरों पर 15,000), केरल (लक्ष्य : 11,250 – केवल स्तर 3,4,5 पाठ्यक्रमों के लिए), पंजाब (लक्ष्य : सभी 5 स्तरों पर 15,000), उत्तराखण्ड (लक्ष्य : 3750 – केवल स्तर 1.2 पाठ्यक्रमों के लिए) तथा उत्तर प्रदेश कर्णाटक (लक्ष्य : सभी 5 स्तरों पर 15,000) राज्यों को चुना है।

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा आरम्भ किए गए 'डिजिटल भारत' कार्यक्रम के तत्वावधान में, डीइआईटीवाई ने 'डिजिटल भारत के लिए ईएसडीएम में कौशल विकास' की योजना के चरण–II को भी 09.12.2014 को अनुमोदित किया है जिसमें देश के सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है ताकि पूरे देश में ईएसडीएम क्षेत्र के विकास के लिए एक आर्थिक प्रणाली तैयार करने की सुविधा प्राप्त हो जिससे **4 वर्षों की अवधि में 411 करोड़ रु. (अनुमानित) के परिव्यय से ईएसडीएम क्षेत्र में 3,28,000 व्यक्तियों** के लिए कौशल विकास की सुविधा प्राप्त हो। यह पहले अनुमोदित ''इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र में कौशल विकास के लिए चुनिन्दा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के लिए वित्तीय सहायता की योजना'' के क्रम में है जिसका कार्यान्वयन 8 राज्यों में किया जा रहा है। दोनों योजनाओं का कार्यान्वयन साथ–साथ किया जा रहा है।

कई नाइलिट केन्द्र भी अद्यतन तकनीकी जानकारी की इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित हैं और **अन्तर्निर्मित प्रणाली, वीएलएसआई, औद्योगिक स्वचालन आदि** जैसे क्षेत्रों में उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम चलाते हैं।

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा नाइलिट राँची की आधारशिला की स्थापना

नाइलिट केन्द्र, राँची की आधारशिला 21 अगस्त, 2014 को **श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री जी** द्वारा रखी गई। इसे झारखण्ड राज्य में तकनीकी शिक्षण एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए झारखण्ड सरकार के साथ मिलकर भारत सरकार के एक प्रमुख कदम के रूप में देखा जा रहा है। झारखण्ड में अद्यतन तकनीकी जानकारी का परिसर 10 एकड़ जमीन पर स्थित होगा। ऐसी सुविधा के कारण विद्यार्थियों के दूसरे राज्यों में जाने की प्रवृत्ति को रोका जा सकेगा। नाइलिट केन्द्र, झारखण्ड में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) तथा उद्योग उन्मुखी अच्छी क्वालिटी के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का लक्ष्य है। इस केन्द्र को उसी दिन से झारखण्ड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए भवन में अस्थायी तौर पर शुरू किया गया है।

श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री 21 अगस्त, 2014 को नाइलिट केन्द्र, राँची की आधारशिला का अनावरण करते हुए। चित्र में उपस्थित (बाएं से दाएं) श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, डॉ. सैयद अहमद, झारखण्ड के माननीय राज्यपाल, श्री हेमन सोरेन, झारखण्ड सरकार के तत्कालीन माननीय मुख्य मंत्री, झारखण्ड सरकार ।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

क्षेत्र	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
सम्पूर्ण भारत	रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत अनुसूचित जाति/जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी में ओ स्तर पाठ्यक्रम (8वाँ बैच) तथा ओ स्तर पाठ्यक्रम हार्डवेयर (4था बैच) में डीजीईएण्डटी प्रशिक्षण	₹ 875.98 लाख
सम्पूर्ण भारत	एससीएसपी/टीएसपी के अन्तर्गत प्रशिक्षण (अनुसूचित जाति उप योजना/जनजाति उप योजना) स्कीम (केवल 2014–15)	₹ 1,891.50 लाख
सम्पूर्ण भारत	सभी राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में कम्प्यूटर शिक्षण पाठ्यक्रम (100000 वीएलई का प्रशिक्षण)	₹ 750.00 लाख
सम्पूर्ण भारत	नाइलिट पाठ्यक्रमों के 81 माड्यूलों के लिए ई–पाठ सामग्री का विकास तथा विद्यार्थियों को ई–पाठ सामग्री उपलब्ध कराने के लिए वेब पोर्टल का विकास। राज्य सभा के माननीय सदस्यों के लिए ई–सामग्री का विकास	₹ 8.71 लाख
सम्पूर्ण भारत (नाइलिट केन्द्र: जम्मू तथा कश्मीर, चण्डीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिज़ोरम, त्रिपुरा, मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु)	दूरदराज के क्षेत्रों में अच्छी क्वालिटी के शिक्षण के लिए स्मार्ट आभासी क्लासरूम की स्थापना	₹ 808.10 लाख
जम्मू तथा कश्मीर, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश	नाइलिट श्रीनगर नाइलिट, कालीकट नाइलिट, इम्फाल नाइलिट, औरंगाबाद नाइलिट गोरखपुर में 5 मॉडल आजीविका केन्द्र की स्थापना, डीजीईटी, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रायोजित	₹ 41.00 लाख (प्रति केन्द्र)
असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, सिक्किम तथा मिज़ोरम	सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में प्रशिक्षण/शिक्षण की क्षमता में अभिवृद्धि करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास	₹ 36,678.00 लाख

क्षेत्र	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
जम्मू तथा कश्मीर, पंजाब, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्णाटक, केरल, तेलंगाना	ईएसडीएम चरण–I (इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण में कौशल विकास के लिए चयनित राज्यों को वित्तीय सहायता की योजना)	₹ 11,377.00 लाख
हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा, मिज़ोरम, मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, ओडिशा, गोवा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, दमन एवं दीव, दादरा एवं नगर हवेली, महाराष्ट्र, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी, अण्डमान एवं निकोबार	ईएसडीएम चरण–II (डिजिटल भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण में कौशल विकास)	₹ 41,094.00 लाख
नागालैण्ड	पूर्वोत्तर राज्यों के अनुसूचित जनजाति युवाओं राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए नाइलिट कोहिमा में ई–तैयारी का सृजन करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	₹ 153.00 लाख
नागालैण्ड	चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपस्करों की मरम्मत तथा अनुरक्षण के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना	₹ 107.00 लाख
नागालैण्ड	कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए साइबर अपराध–विज्ञान प्रयोगशाला का ग्रेड उन्नयन	₹ 156.00 लाख
दिल्ली	जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के अन्तर्गत सूचना प्रौद्योगिकी में व्यावसायिक कुशलता को बढ़ावा देने तथा अभिद्धि करने के लिए टैली में प्रशिक्षण के साथ महिला उद्यमकर्ताओं/ डेटा प्रविष्टि प्रचालकों के सृजन के लिए दिल्ली में महिलाओं का प्रशिक्षण	₹ 221.00 लाख

क्षेत्र	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
मणिपुर तथा सिक्किम	मणिपुर तथा सिक्किम के पूर्वोत्तर राज्यों में समुचित प्रशिक्षण तथा अभियान के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता का सृजन	₹ 159.69 लाख
मणिपुर	ई–शासन अनुप्रयोगों में अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण	₹ Rs. 75.60 लाख
मेघालय	चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना	₹ 122.00 लाख
केरल	(i) अमृत विश्व विद्यापीठ, केरल के सहयोग से अनुसूचित जनजाति के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से आईटी कुशलता एवं ई–समावेशन	₹ 132.47 लाख
	(ii) 2 वर्षों की अवधि में सूचना प्रौद्योगिकी में रोजगार उन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से 600 अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं प्रमाणन	₹ 46.32 लाख
पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में आईसीटी में अनुसूचित जाति की सशक्तिकरण के लिए क्षमता निर्माण	₹ 55.44 लाख
त्रिपुरा	अगरतला, त्रिपुरा में क्षेत्रीय ई–अधिगम एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (राइलिट) की स्थापना	₹ 5,276.00 लाख
त्रिपुरा तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्य	पूर्वोत्तर क्षेत्र में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना तथा चिकित्सा एवं पराचिकित्सा कार्मिकों का प्रशिक्षण	₹ 92.00 लाख

क्षेत्र	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
पंजाब	रोपड़, पंजाब में नाइलिट के स्थायी परिसर का निर्माण	₹ 8,426.00 लाख
बिहार	(i) मुजफ्फरनगर में नाइलिट पटना के विस्तार केन्द्र की स्थापना (प्रस्तावित)	₹ 500.00 लाख (अनुमानित)
	(ii) पटना बिहार में नाइलिट केन्द्र की स्थापना	₹ 6,105.14 लाख
जम्मू तथा कश्मीर	लेह के लद्दाख क्षेत्र में नाइलिट श्रीनगर के उप–केन्द्र की स्थापना	₹ 480.00 लाख
राजस्थान	अजमेर, राजस्थान मे राइलिट (अब नाइलिट) की स्थापना	₹ 4,000.00 लाख
झारखण्ड	राँची में नाइलिट की स्थापना	₹ 6,725.12 लाख
आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश में नाइलिट केन्द्र की स्थापना	₹ 1,978.32 लाख

पहल एवं उपलब्धियां

क्षमता निर्माण

- नाइलिट कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र का श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगकी मंत्री द्वारा पटना जिले के फातुहा ब्लॉक के अन्तर्गत उनके द्वारा अपनाए गए अलावलपुर गाँव में उद्घाटन।

- नाइलिट कालीकट केन्द्र में एक आईओटी प्रयोगशाला का उद्घाटन तथा डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित मॉडल आजीविका केन्द्र (एमसीसी)।

- नाइलिट के डिजिटल विपणन पाठ्यक्रमों के आरम्भ के माध्यम से 'डिजिटल भारत' के अन्तर्गत ग्रामीण उद्यमियों के सशक्तिकरण के लिए स्नैपडील के साथ सहमति–ज्ञापन।

- श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगकी मंत्री द्वारा बिस्कोमान टावर, गांधी मैदान, पटना में नाइलिट सिटी सेंटर का उद्घाटन।

- वर्ष 2001 से लम्बित द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट मुख्यालय के निर्माण का कार्य सभी आवश्यक पूर्व–अपेक्षाओं को पूरा करने के बाद शुरू किया गया। निरन्तर बातचीत के पश्चात डीडीए, दिल्ली शहरी आर्ट आयोग (डीयूएसी) तथा अग्नि शमन विभाग के आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद केलोनिवि ने निर्माण का कार्य वास्तुकला प्लान के अनुसार 5130 वर्ग मीटर के आच्छादित क्षेत्र में शुरू किया है जिसमें जी4 तल (दो स्तर के बेसमेंट को छोड़कर) शुरू किया गया। आधारशिला श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगकी मंत्री द्वारा रखी गई।

- श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगकी मंत्री द्वारा नाइलिट टोल फ्री नम्बर 1800–11–65–11 का उद्घाटन।

- राज्य सभा के माननीय सदस्यों के लिए आईसीटी जागरूकता तथा मूलभूत कम्प्यूटर अवधारणा पर भारत सरकार के प्रयासों पर ई–सामग्री का विकास सफलतापूर्वक किया गया और एनआईसी क्लाउड पर नियोजित किया गया जिससे ऑनलाइन मोड में प्रशिक्षण की सुविधा प्राप्त हो। इसके अलावा, ऑफलाइ प्रशिक्षण के लिए भी सामग्री को डीवीडी पर उपलब्ध कराया गया है। इस समय इन सामग्रियों को हिन्दी तथा अंग्रेजी में तैयार किया गया है और इनका प्रमोचन श्री शरद यादव, माननीय अध्यक्ष, आईटी समिति, राज्य सभा ने किया।

- नाइलिट पाठ्यक्रमों के 34 माड्यूलों की ई–सामग्री का विकास किया गया और उसे औपचारिक उद्घाटन होने तक एनआईसी क्लाउड पर नियोजित किया गया है।

- नाइलिट के कार्यकलापों को समग्र रूप में सरणीबद्ध तथा मानकीकृत करने के लिए नाइलिट का एक ही एकीकृत सर्वसामान्य वेबसाइट तैयार करने का कार्य चल रहा है और उसे अक्तूबर 2015 तक नियोजित करने का प्रस्ताव है। इसका विकास मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

- नाइलिट के कार्यकलापों के लिए एक छोर से दूसरे छोर तक एकीकृत समाधान के विकास के लिए आरएफपी आमंत्रित किया गया है ताकि विद्यार्थियों का पंजीकरण, प्रमाणन, एचआर, वित्त, परियोजनाओं की निगरानी आदि जैसे नाइलिट के कार्यकलापों का स्तर बढ़ाने का कार्य प्रोफेशनल रूप में करने का सुनिश्चय किया जा सके।

- मिशन मोड परियोजनाओं/आईटी परियोजनाओं के लिए सरकारी विभागों के लिए तकनीकी जनशक्ति की तृतीय पक्ष भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा।

- नाइलिट के विद्यार्थियों के नामदर्ज की प्रक्रिया को और अधिक सरणीबद्ध करने के लिए एक आधार आधारित प्रणाली लागू की गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकारण (यूआईडीएआई) के साथ एक समझौता–ज्ञापन किया गया है जिसमें नाइलिट आधार नम्बरों के आबंटन के लिए पंजीयक के रूप में कार्य करेगा।

- नाइलिट ने दलित भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग संघ (डीआईसीसीआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया।

- एमडीएलएम के अन्तर्गत एक प्राधिकृत परीक्षा एजेंसी के रूप में, नाइलिट ने उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक समर्थित आधार अधिप्रमाणन के परिक्षाएं आयोजित करने का कार्य आरम्भ किया है। सफल परीक्षा के उपरान्त, उम्मीदवारों को डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र ऑनलाइन मोड में जारी किए जाते हैं जिसमें क्यूआर कोड होते हैं जिससे ऑनलाइन प्रमाण–पत्रों का सत्यापन ऑनलाइन मोड में किया जा सके।

परियोजना पूर्णता/भवन परियोजनाएँ

नाइलिट कोहिमा, नागालैण्ड की स्थापना की परियोजना पूरी हो गई है और औपचारिक बन्द किए जाने का कार्य आरम्भ किया गया है।

- जहाँ तक रोपड़ में नाइलिट चण्डीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण की परियोजना का संबंध है, भवन का निर्माण जून, 2015 में शुरू किया गया है और 24 महीनों के अन्दर पूरा होने की संभावना है।
- अगरतला, त्रिपुरा तथा नाइलिट अजमेर, राजस्थान में क्षेत्रीय ई–अधिगम एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के अन्तर्गत भवन के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है और फिनिशिंग कार्य चल रहा है।
- बीहिटा (पटना) में नाइलिट केन्द्र की स्थापना के अन्तर्गत भवन का निर्माण शुरू किया गया है और भवन निर्माण दिसम्बर 2016 तक पूरा हो जाने की संभावना है।
- आईईसीटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षण की क्षमता में अभिवृद्धि द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास नामक परियोजना के अन्तर्गत आरईसी प्रस्ताव को जून 2015 में अनुमोदित किया गया है। 10 स्थानों पर भवनों के निर्माण का कार्य पीएमसी के माध्यम से शुरू किया जा रहा है।

ईएसडीएम में कौशल विकास

जहाँ तक ईएसडीएम क्षेत्र में डीईआईटीवाई की कौशल विकास योजना का संबंध है, निम्नलिखित कार्य सफलतापूर्वक निषापादित किए गए हैं।

- एनआईसी क्लाउड पर होस्ट किए गए ईएसडीएम पोर्टल (बीटा संस्करण) की शुरूआत की गई है। (url:esdm-skill.deity.gov.in)
- ईएसडीएम पाठ्यक्रमों के उद्योग मूल्यांकन तथा रोजगार योग्यता के लिए मेसर्स इंटेल के साथ समन्वय।
- समन्वय समिति तथा विशेषज्ञ समिति की बैठकों का आयोजन
- राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (एसआईए) तथा विभिन्न पणधारियों के साथ मिलकर ईएसडीएम कार्याशालाओं का आयोजन। अब तक, हरिद्वार (उत्तराखण्ड), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), बेंगालूरू (कर्णाटक), हैदराबाद (तेलंगाना), भोपाल (मध्य प्रदेश), जयपुर (राजस्थान), पुडुचेरी तथा दमन में कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।
- ईएसडीएम की स्थापना। डीईआईटीवाई के लिए आईसीटी अकादमी के लिए पीएमयू भी स्थापित।
- नाइलिट टीपी के लिए ईएसडीएम प्रत्यायन एवं परीक्षा दिशा–निर्देशों का प्रतिपादन ईएसडीएम परियोजनाएँ शुरू करने के लिए आंध्र प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, जम्मू तथा कश्मीर, कर्णाटक, केरल, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड, दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव, गोवा, त्रिपुरा तथा दिल्ली के साथ समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- पूरे देश में नाइलिट टीएसएससी केन्द्रों में ईएसडीएम प्रशिक्षण चलाने के लिए दूरसंचार क्षेत्र कुशलता परिषद के साथ 5 जून 2015 को समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- अनुमोदित ईएसडीएम पाठ्यक्रमों में 23 नाइलिट पाठ्यक्रम जोड़े गए।

'डिजिटल भारत' का समर्थन

- नाइलिट ने 1 जुलाई 2015 से माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा डिजिटल भारत सप्ताह के लोकार्पण के आयोजन में योगदान दिया। सीधा प्रसारण के यूआरएल को देशभर के नाइलिट केन्द्रों के साथ इस सलाह के साथ जोड़ा गया कि लोकार्पण समारोह का प्रसारण विद्यार्थियों तथ् पणधारियों की सुविधा के लिए किया जाए।
- पूरे सप्ताह के दौरान नाइलिट के अपने केन्द्रों, प्रत्यायित संस्थानों तथा सुविधा केन्द्रों के समूचे नेटवर्क के माध्यम से सर्व भारतीय आधार पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें (क) ई–अपशिष्ट, डिजिटल लॉकर, ई–बस्ता, जीवन प्रमाण, आधार, साइबर सुरक्षा, साइबर हाइजिन, ई–शासन आदि पर सूचना का प्रसारय (ख) डिजिटल साक्षरता पर प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा (ग) पोस्टर तथा चित्रांकन प्रतियोगिता (घ) प्रौद्योगिकी तथा साइबर धमकियों पर जागरूकता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण आदि शामिल थे।
- ए–व्यू (वेब आधारित ऑनसाइन प्लेटफार्म) वीडियो कान्फरेंसिंग सुविधा से जुड़े लगभग 418 केन्द्रों के लगभग 10,590 प्रतिभागियों को नाइलिट के मुख्यालय स्थित स्मार्ट आभासी क्लासरूम से 2 जुलाई 2015 को डिजिटल भारत के बारे में सम्बोधित किया गया।
- इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन से वाल्मीकि कालोनी, गोल मार्केट तक इस संदेश का प्रसार करने के लिए 7 जुलाई 2015 को एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया कि डिजिटल भारत एक समर्थक नेटवर्क है, जिसका उद्देश्य भारत को किसी भी आयु, लिंग, धर्म या जाति के लिए भारत को एक ज्ञान अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करना है। साधारण जनता को सुविधा प्रदान करने वाले वेब आधारित अनुप्रयोगों का प्रदर्शन वाल्मीकि कालोनी (हरिजन बस्ती) के निवासियों को किया गया।
- सप्ताह भर चले समारोह में लगभग 89 नाइलिट केन्द्रों/संस्थानों ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और लगभग 1,43,838 प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया।

एनपीआर के अतिरिक्त आय बनाम व्यय

(रु. करोड़ में)

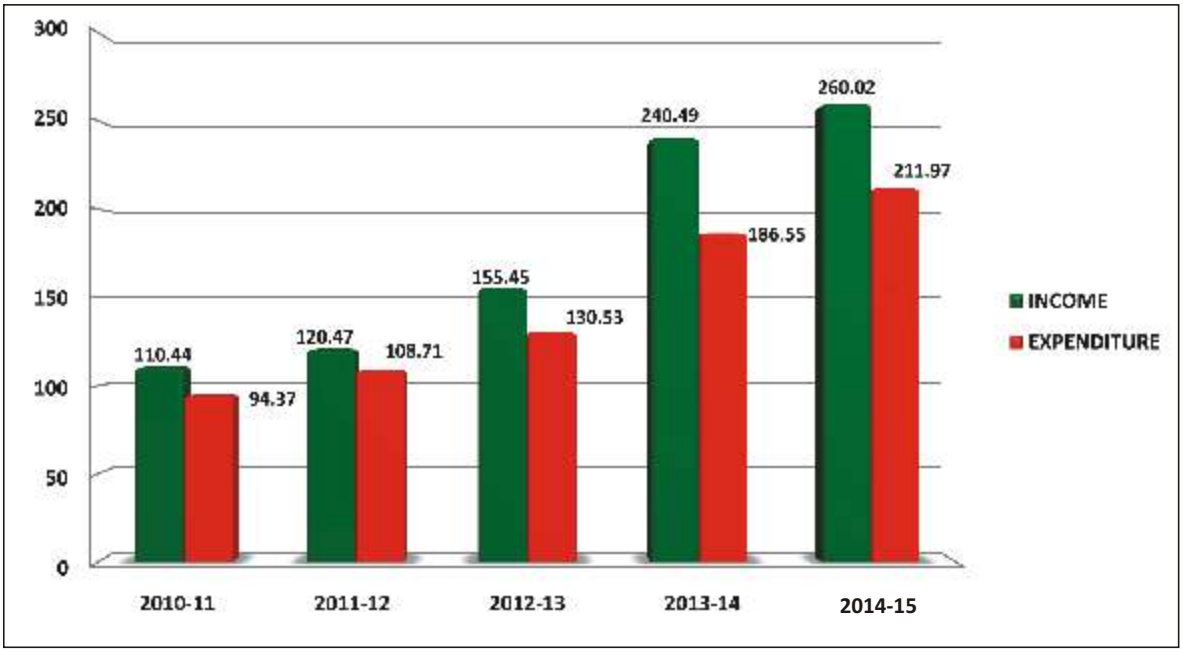

एनपीआर सहित आय बनाम व्यय

(रु. करोड़ में)

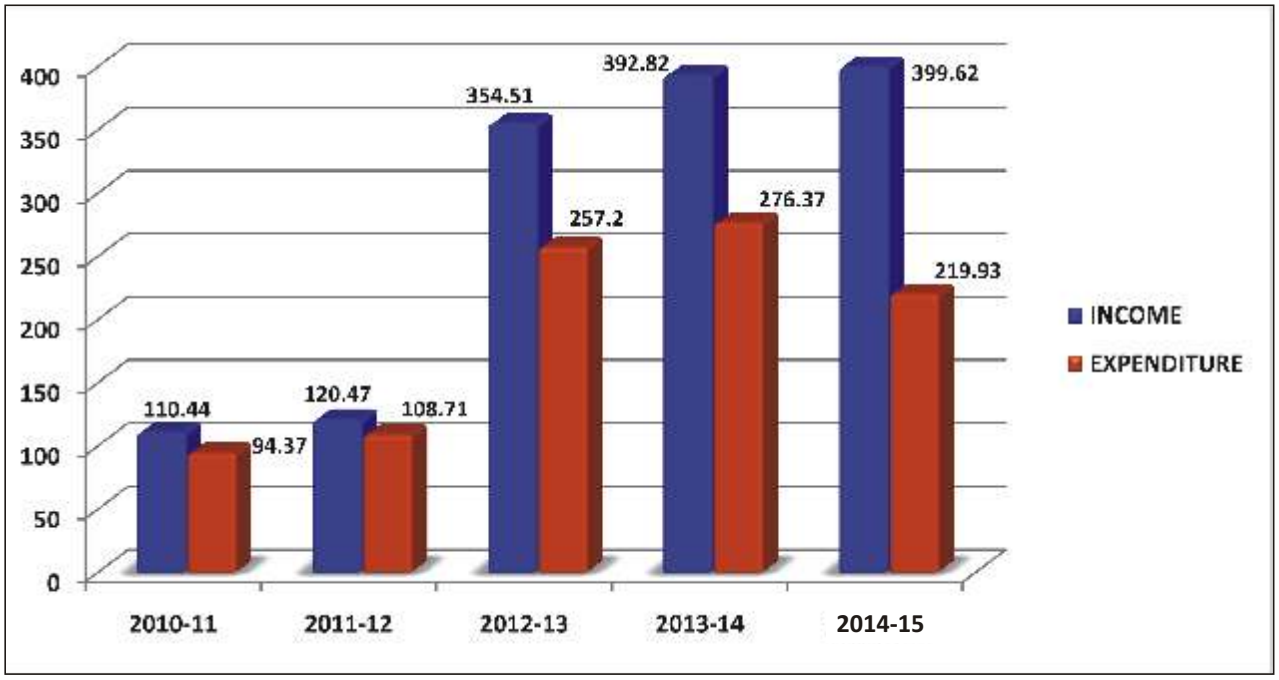

एनपीआर के अतिरिक्त अधिशेष

(रु. करोड़ में.)

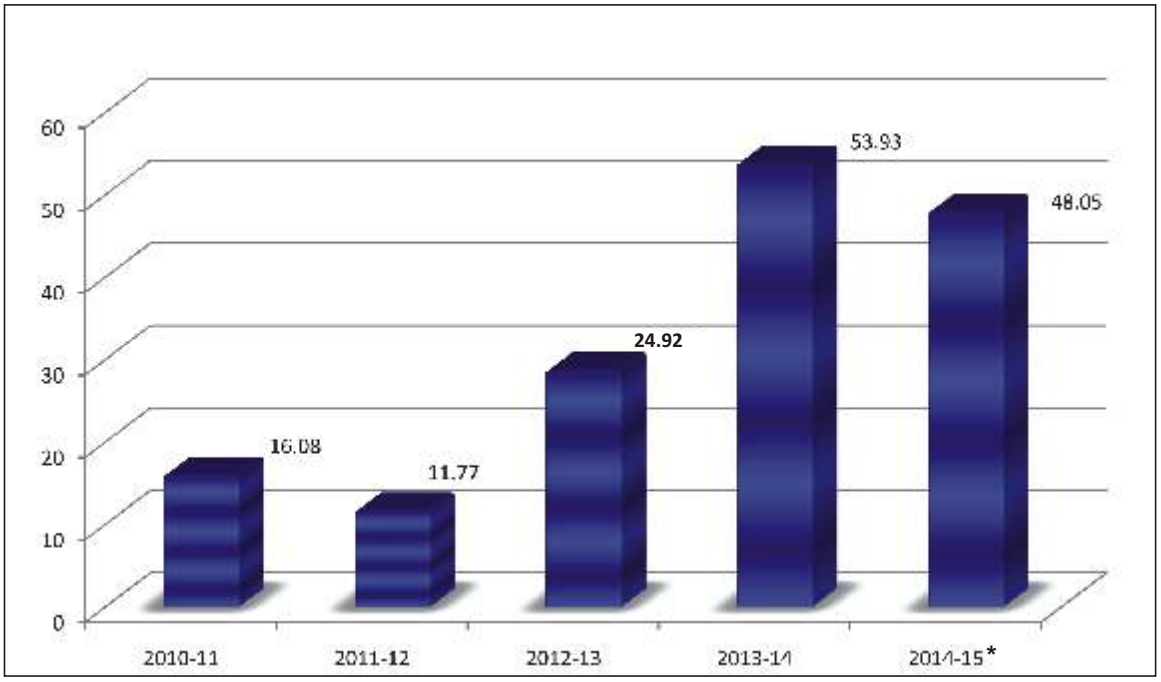

***NIELIT Centre, Chandigarh and NIELIT Centre, Srinagar had remained non-operational for about 5-6 months, due to fire incident and floods respectively.**

एनपीआर सहित अधिशेष

(रु. करोड़ में.)

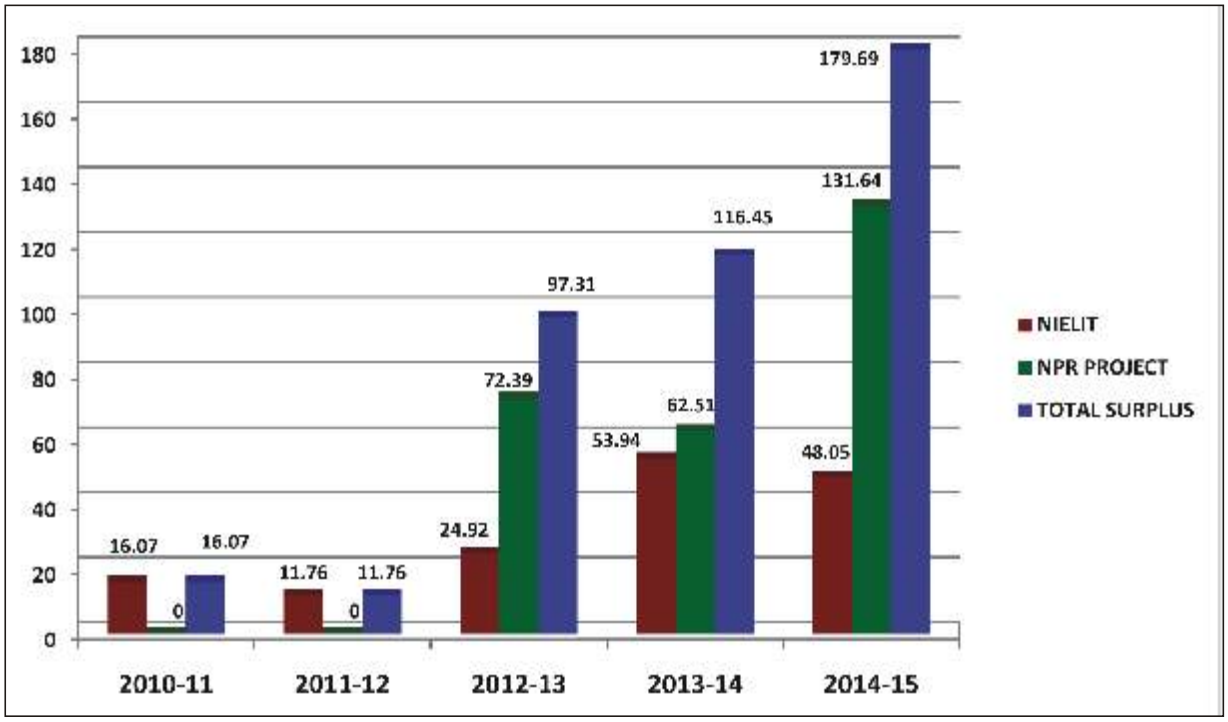

नाइलिट का गतिविधिवार राजस्व सृजन
वर्ष 2014–15 के लिए (एनपीआर के अतिरिक्त)

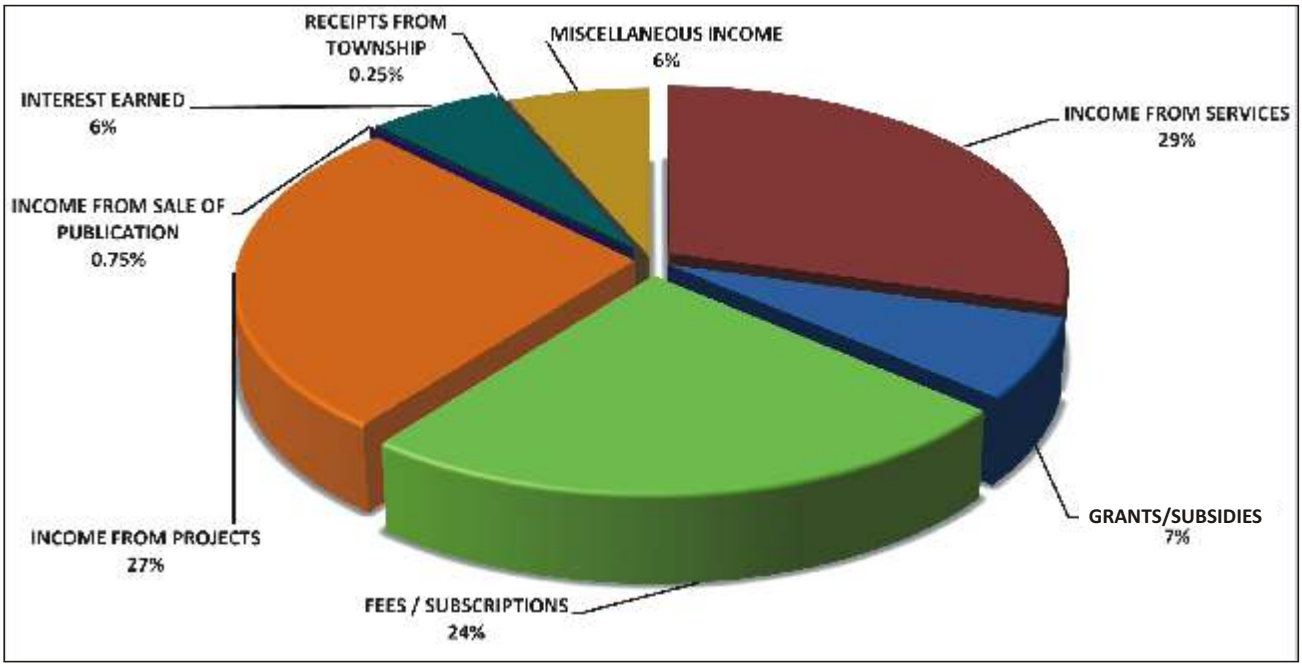

नाइलिट के व्यय अंश का विवरण
वर्ष 2014–15 के लिए (एनपीआर के अतिरिक्त)

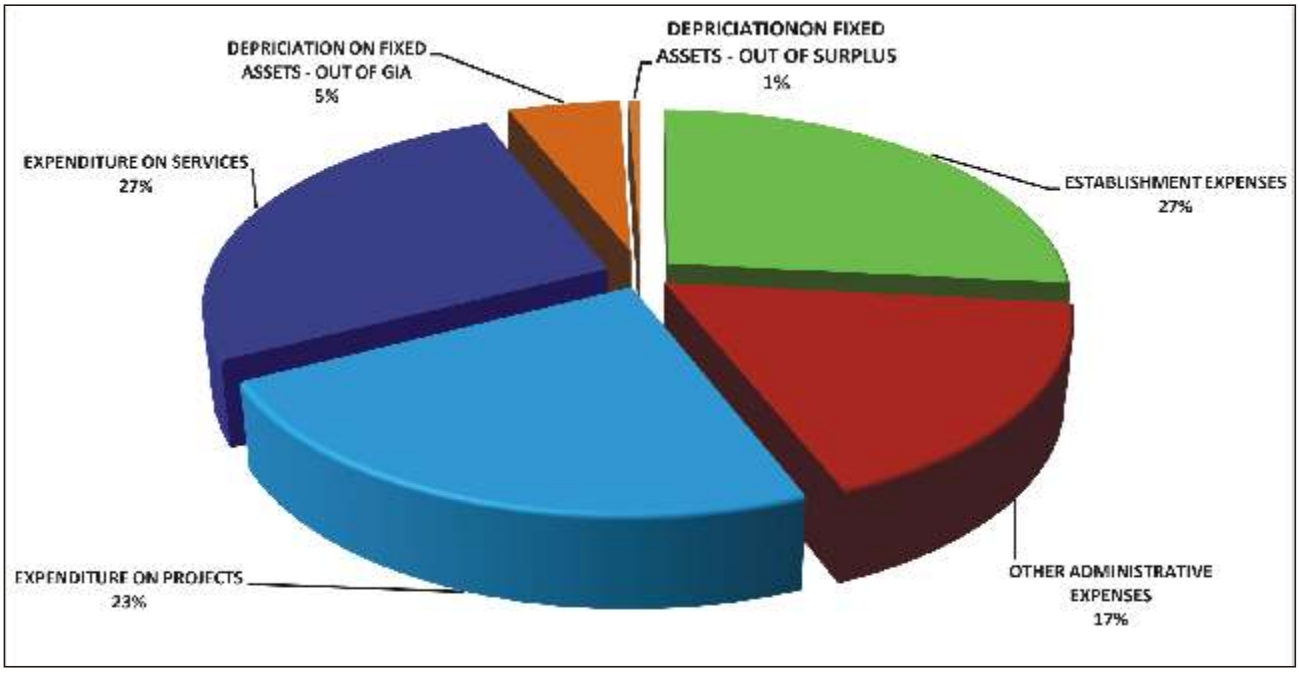

अगरतला

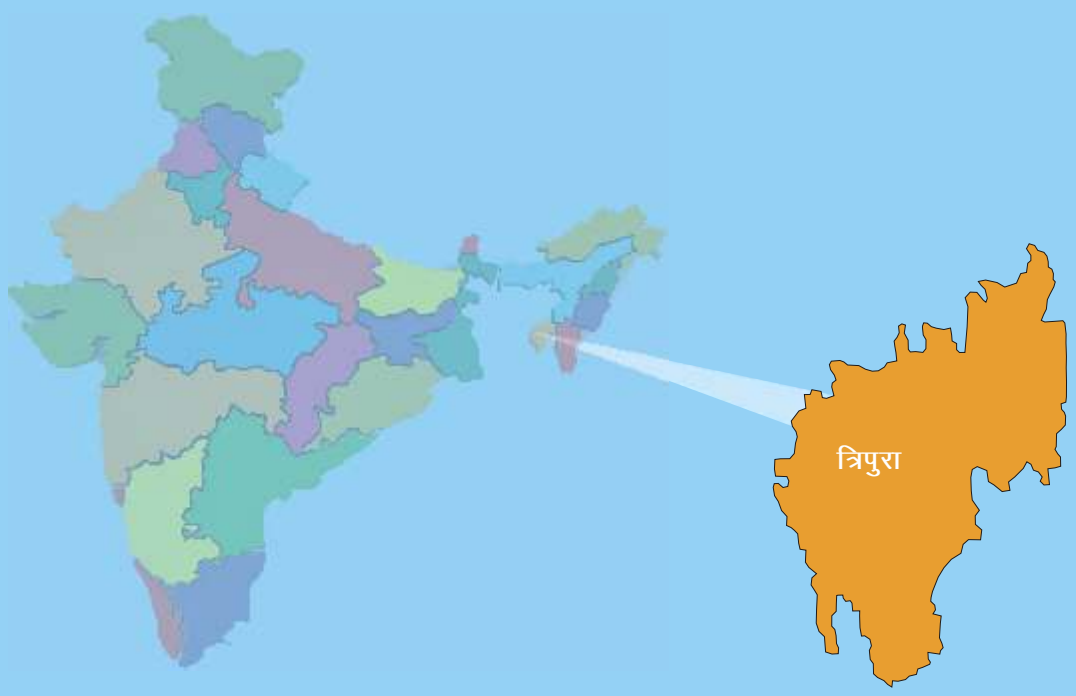

कार्यकारी समिति की बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 15 परियोजना आधारित : 19 अल्पावधि अनुबंध : 13	रु 631.92 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री अनुराग माथुर	नाइलिट अगरतला आईटी निदेशालय (त्रिपुरा सरकार) परिसर आईटीआई रोड, इंद्रानगर, अगरतला–799006 पश्चिम त्रिपुरा	☎ 0381-2350010 ✉ e-mail: dir-agartala@nielit.gov.in	त्रिपुरा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- उच्चतर शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार, त्रिपुरा के अन्तर्गत छह भारत सरकार डिग्री महाविद्यालयों में 438 विद्यार्थियों को स्तर–I ;सॉफ्ट स्किल तथा अंग्रेजी सहित बीसीसी) और स्तर–II ;सीसीसी, सॉफ्ट स्किल तथा अंग्रेजी) में प्रशिक्षित किया गया।
- वन विभाग, त्रिपुरा सरकार के अन्तर्गत जेआईसीए द्वारा प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए आईटी तथा सॉफ्ट स्किल में मूलभूत पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।
- केन्द्र अनौपचारिक क्षेत्र में 'ओ'/'ए'/'बी' पाठ्यक्रम तथा अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रम चलाने के अलावा बीसीए पाठ्यक्रम भी संचालन करता है। वर्ष के दौरान इन पाठ्यक्रमों में कुल 1891 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों के लिए बीसीसी पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- नाइलिट अगरतला डीईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित 'चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण' परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है और इसके एक भाग के रूप में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरण मरम्मत एवं अनुरक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई है तथा आज की तारीख तक 44 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया और त्रिपुरा के विभिन्न सरकारी अस्पतालों के निम्न रेंज के जैव चिकित्सकीय उपस्करों की मरम्मत तथा अनुरक्षण का कार्य किया गया है।
- मिज़ोरम, नागालैण्ड तथा त्रिपुरा के पूर्वोत्तर राज्यों में समुचित प्रशिक्षण एवं अभियान के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता का सृजनश परियोजना के एक भाग के रूप में नाइलिट, अगरतला केन्द्र ने 24 विद्यालयों, 15 महाविद्यालयों/आईटीआई/विश्वविद्यालयों में कार्यशालाओं का आयोजन किया, 60 मास्टर प्रशिक्षकों तथा 295 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया, एक साइबर सुरक्षा वेब पोर्टल का विकास किया (cybersecawareness.in), स्थानीय भाषाओं (कोकबरोक/बांग्ला) में पाठ्यक्रम सामग्री का विकास किया, बांग्ला तथा अंग्रेजी में 13 अलग–अलग विषयों में पुतली नाच के वीडियो तैयार किए, साइबर सुरक्षा जागरूकता के लिए एन्ड्रॉएड़ ऐप का विकास किया, दूरदर्शन केन्द्र, अगरतला में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर टॉक शो में हिस्सा लिया।
- नाइलिट अगरतला ने ई–जिला परियोजना का कार्यान्वन 3 वर्षों की अवधि में करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा सरकार के साथ एक समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें नाइलिट त्रिपुरा परियोजना के लिए त्रिपुरा राज्य के 8 जिलों में तकनीकी जनशक्ति–जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) उपलब्ध कराएगा।
- साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नाइलिट अगरतला के चल रहे कार्यकलापों तथा विशेषज्ञता के कारण नाइलिट अगरतला केन्द्र को 5 वर्षों कीं अवधि के लिए डीइआईटीवाई की 'सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता' (आईएससईए) (आईएससईए चरण–II) नामक परियोजना दी गई है। सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता (आईएससईए) (चरण–II) परियोजना का कार्यान्वयन भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, सी–डैक, नाइलिट तथा देश भर के कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ मिलकर किया जा रहा है। नाइलिट अगरतला को त्रिपुरा राज्य में कार्यरत सरकारी अधिकारियों को 1 सप्ताह एवं 3 दिन तथा 2 दिनों की कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करने का कार्य सौंपा गया है।
- नाइलिट अगरतला का स्थायी परिसर बोधजंगनगर में 15 एकड़ की जमीन पर शीघ्र ही तैयार होने जा रहा है। परिसर में समर्पित शिक्षण ब्लॉक, बालक तथा बालिकाओं के लिए छात्रावास की सुविधाएँ तथा कर्मचारी आवास होंगे। स्थायी परिसर प्रचालन के लिए तैयार हो जाने पर एमसीए, बीई/बी. टेक, इंजीनियरी डिप्लोमा जैसे औपचारिक पाठ्यक्रम शुरू होने की संभावना है।

आइजॉल

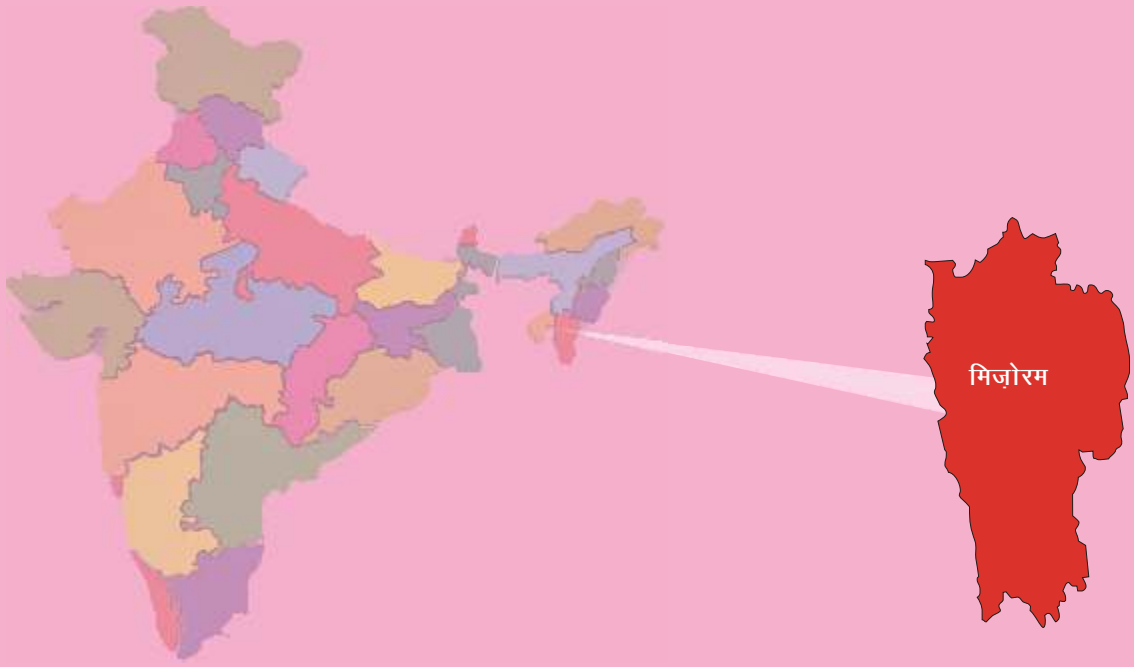

कार्यकारी समिति बैठक (के)	कार्मिक	कारोबार
12वीं ईसी, 19 सितम्बर, 2014	नियमित : 20 परियोजना आधारित : 27	रु. 571.82 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री एन. देबचन्द्र सिंह	नाइलिट आइजॉल औद्योगिक क्षेत्र जुआंगतुई. आइजॉल–796017 मिज़ोरम	0389-2350581 dir-aizawl@nielit.gov.in	मिज़ोरम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्ष के दौरान एमसीए, बीसीए, इलेट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी में डिप्लोमा तथा कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरी जैसे औपचारिक पाठ्यक्रमों के जरिए 629 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- अनौपचारिक प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र ने नाइलिट 'ओ'/'ए'/मैट–'ओ' स्तर पर 171 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।
- 100 से ज्यादा विद्यार्थियों को मोबाइल मरम्मत, जावा, टैली आदि जैसे अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- 1762 अनु.जा/ज.जा विद्यार्थियों को सीसीसी/बीसीसी जैसे डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में कौशल विकास में जागरूकता तैयार करने के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख सरकारी महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र खोले गए हैं। इसके अलावा, केन्द्र ने सीसीसी पाठ्यक्रम चलाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों के साथ गठबंधन किया है।
- एटीआई, चम्फई कॉलेज, आइजॉल वेस्ट कॉलेज, महिला पालीटेकनिक, शासकीय रिपब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल आइजॉल, शासकीय जॉनसन कालेज, साइकुटी हॉल लुंगलेई जिला, डीआईईटी प्रशिक्षण हॉल, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा सम्मेलन हॉल, आदि में 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। साइबर सुरक्षा मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम नाइलिट आइजॉल में 5 तथा 6 अगस्त, 2014 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ई–सुरक्षा प्रभाग, डीईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बृहत साइबर सुरक्षा जागरूकता सृजन' परियोजना के अन्तर्गत है।
- 19–26 मई 2014 तथा 20–24 अक्तूबर, 2014 के दौरान 'जैवचिकित्सकीय उपस्करों का निरोधक अनुरक्षण एवं संचालन' पर एक छह (6) दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक्स–रे तकनीशियनो के लिए एक्स–रे मशीन पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम 11–13 फरवरी, 2015 के दौरान आयोजित किया गया।
- नाइलिट आइजॉल ने प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई), मिज़ोरम सरकार के सहयोग से सरकारी कर्मचारियों के लिए ई–शासन में जागरूकता सृजन पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया और दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन नागरिकों के लिए मिज़ोरम तथा मणिपुर के विभिन्न स्थानों पर किया।
- ई–शासन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए दो (2) बैचों में 3 महीने के प्रशिक्षण नाइलिट इम्फाल में आयोजित किए गए। इस पाठ्यक्रम का आयोजन 'ई–शासन में क्षमता निर्माण' परियोजना के अन्तर्गत किया गया।
- नाइलिट केन्द्र, आइजॉल में 9 जुलाई, 2014 को वीएलई के लिए एक दिन का एक सीएससी–एसपीवी कार्यशाला का आयोजन उनके पास उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं/व्यवसाय संभावनाओं को स्पष्ट करने के लिए किया गया जो सीएससी–एसपीवी तथा नाइलिट दोनों के अन्तर्गत हैं।
- नाइलिट आइजॉल को डीइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित 'पूर्वोत्तर राज्यों में बृहत साइबर सुरक्षा जागरूकता सृजन' तथा 'पूर्वोत्तर राज्यों में अनुसूचित जनजाति के युवाओं के लिए ई–शासन में क्षमता निर्माण सर्टिफिकेट कार्यक्रम' के लिए 7 नवम्बर, 2014 को आयोजित 5वें ई–पूर्वोत्तर के दौरान अन्तिम चरण में पहुँचने के लिए सम्मानित किया गया।
- ज़ोरम इलेक्ट्रॉनिकी विकास निगम (ज़ेनिक्स), मिज़ोरम सरकार में सीसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।
- आइजॉल तथा उसके आसपास स्थित चार (4) नए अलग–अलग प्रशिक्षण संस्थानों में सीसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए।
- नाइलिट आइजॉल ने यूपीएससी, आईबीपीएस, सीएमसी वेलोर, जेईई आदि के लिए टीसीएस के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन किया।

अजमेर

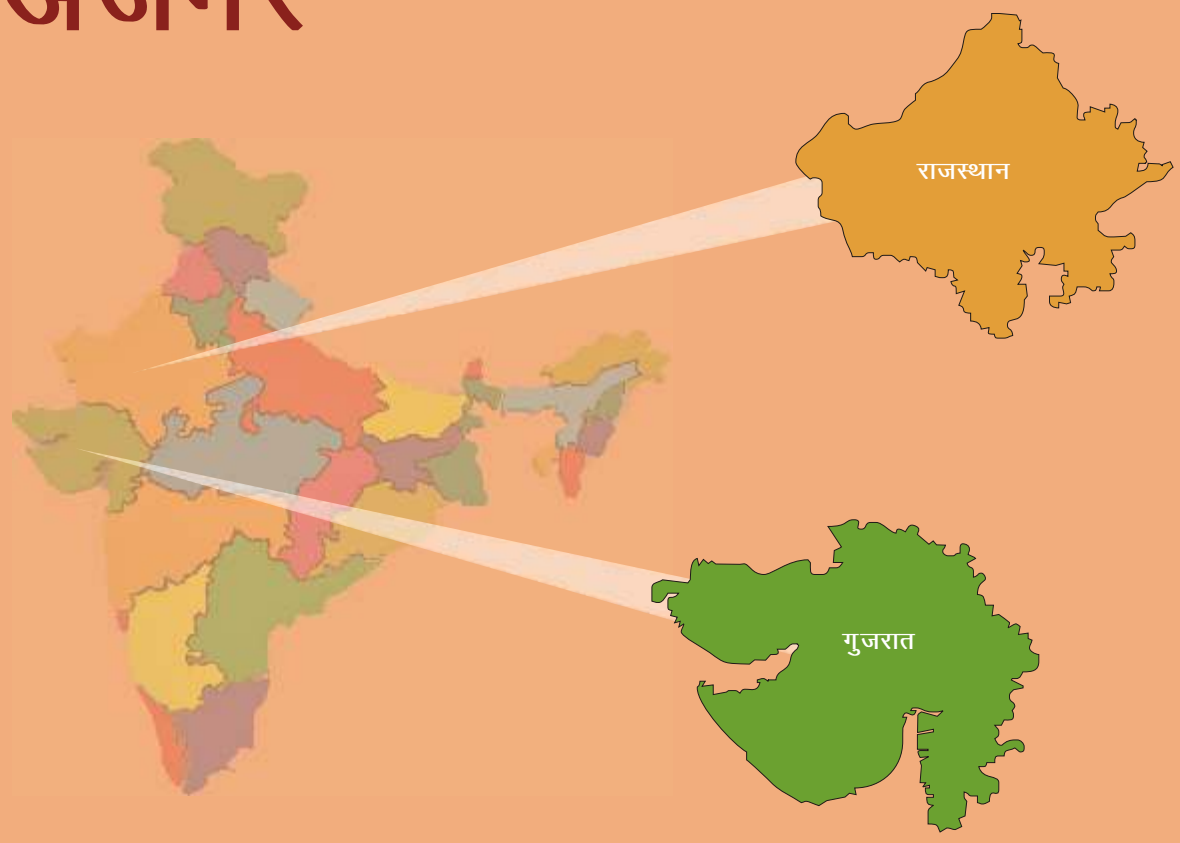

कार्यकारी समिति बैठक (के)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 8 अनुबंध पर : 19	रु. 595.66 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री तेजिन्दर सिंह बावा	नाइलिट अजमेर जैन पैलेस स्पन्द रोड, केकड़ी अजमेर–305404 राजस्थान	01467-220500 dir-ajmer@nielit.gov.in	राजस्थान गुजरात

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट केन्द्र अजमेर ने राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अलंपसंख्यक समुदाय के 2422 ग्रामीण युवाओं की रोजगार योग्यता में सुधार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- केन्द्र ने राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अलंपसंख्यक समुदाय के 349 ग्रामीण युवाओं की रोजगार योग्यता में सुधार करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मरम्मत एवं अनुरक्षण (ईईआरएम) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- केन्द्र ने राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अलंपसंख्यक समुदाय के 200 ग्रामीण युवाओं की रोजगार योग्यता में सुधार करने के लिए आईटीईएस–बीपीओ पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- प्रशिक्षण के अलावा, 144 विद्यार्थियों को आईटीईएस–बीपीओ पाठ्यक्रमों में, 457 विद्यार्थियों को ईईआरएम पाठ्यक्रमों में तथा 1187 विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी में कौशल पाठ्यक्रमों में प्रमाणित किया गया।
- केन्द्र द्वारा सीसीसी/बीसीसी/डब्ल्यूडीएलपी/आईआरडीए के 41679 विद्यार्थियों तथा सीएचएम 'ओ' स्तर के 256 विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं का भी आयोजन किया गया।
- नाइलिट अजमेर केन्द्र ने अनु.जा/ज.जा के रोजगार अभ्यर्थी योजना के अन्तर्गत 483 विद्यार्थियों को रोजगार महानिदेशालय द्वारा प्रायोजित नाइलिट 'ओ' स्तर (सॉफ्टवेयर) तथा सीएचएम–ओ (हार्डवेयर) में प्रशिक्षित किया।
- केन्द्र ने वर्ष 2014–15 के दौरान नाइलिट 'ओ' स्तर, नाइलिट मैट–'ओ' स्तर तथा अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया।

औरंगाबाद

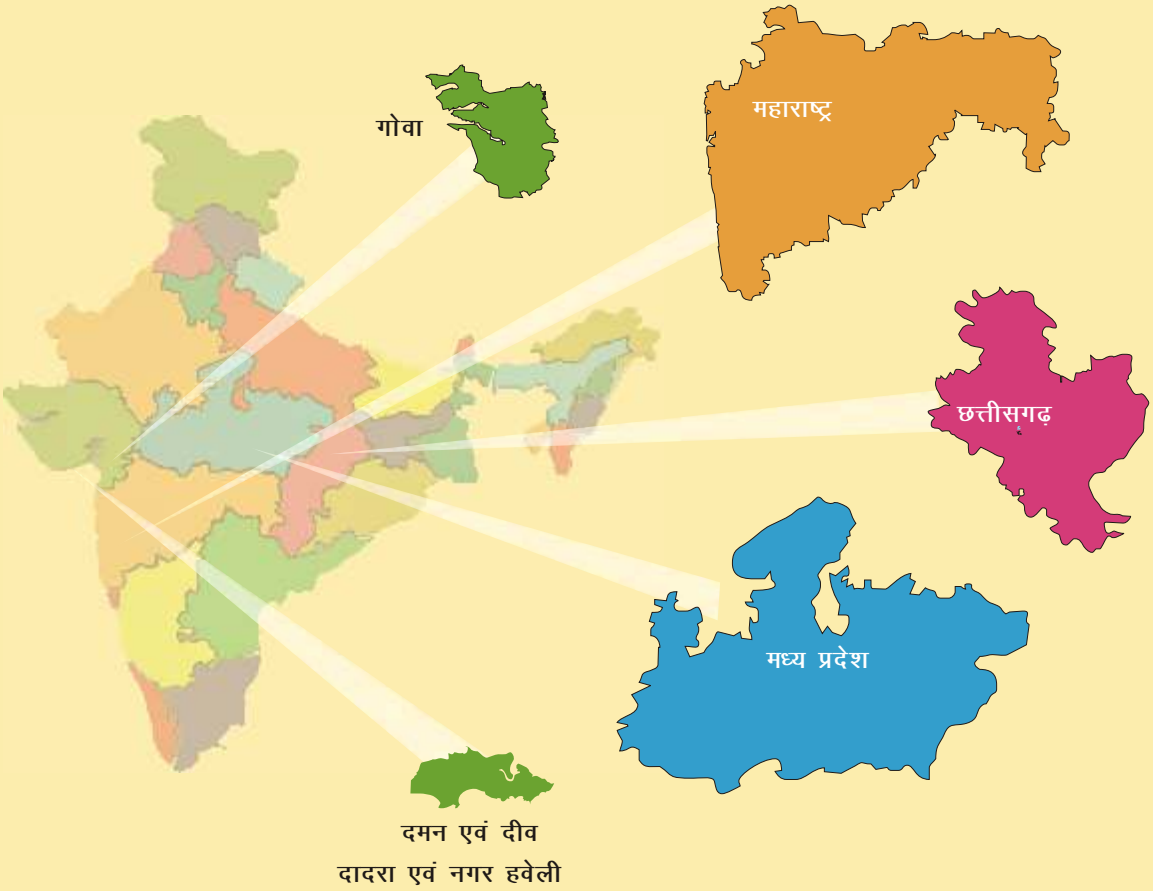

कार्यकारी समिति बैठक (कें)

17वीं ईसी, 1 अक्तूबर, 2014
18वीं ईसी, 24 मार्च, 2014

कार्मिक

नियमित : 34
अनुबंध : 25

कारोबार

रु. 1142.33 लाख

निदेशक

डॉ. रंजन महेश्वरी
निदेशक
08.09.2015 तक
श्री एस. टी. वालूंजकर
प्रभारी निदेशक
09.09.2015 से

पता

नाइलिट, औरंगाबाद
डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर
औरंगाबाद–431004
महाराष्ट्र

सम्पर्क

☎ 0240-2982021/22, 2982050
✉ dir-aurangabad@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य

महाराष्ट्र
मध्य प्रदेश
छत्तीसगढ़
गोवा
दादर नागर हवेली

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- यह केन्द्र निम्नलिखित एआईसीटीई अनुमोदित औपचारिक क्षेत्र के कार्यक्रम चलाता है :
  - i) उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित एवं तत्काल उपयोगी तकनीशियन तैयार करके छह सेमेस्टर (तीन वर्ष) का इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं अनुरक्षण में डिप्लोमा (डीईपीएम)।
  - ii) इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली इंजीनियर तैयार करने के लिए आठ सेमेस्टर (चार वर्ष) का इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली इंजीनियरी में बी.टेक।
  - iii) इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन इंजीनियर तैयार करने के लिए चार सेमेस्टर (दो वर्ष) का इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक, एम.टेक (ईडीटी),।
- इसके अलावा, केन्द्र इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों अर्थात ई–अधिगम, वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, सूचना सुरक्षा, औद्योगिक डिजाइन, हार्डवेयर अनुरक्षण एवं नेटवर्किंग, मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन आदि में उद्योग उन्मुखी कई अल्पावधि पाठ्यक्रम भी चलाता है।
- केन्द्र उद्योग, विद्यार्थियों को उत्पाद डिजाइन एवं विकास, उत्पाद इंजीनियरी, प्रोटोटाइप विकास, प्रक्रिया स्वचालन, सेवा एवं अनुरक्षण आदि प्रदान करता तथा उद्योग द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ और परामर्श सेवा के कार्य भी करता है।
- केन्द्र राष्ट्रीय नीति के अनुसरण में भी योजनाओं पर कार्य करता है अर्थात हार्डवेयर तकनीकी परामर्श–सेवा योजना (एचटीसीएस), कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी)।
- औरंगाबाद केन्द्र ने आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों अर्थात अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन में भी पाठ्यक्रम शुरू किए हैं तथा वीएलएसआई डिजाइन, सूचना सुरक्षा, कैड/कैम, मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन में पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है तथा सुविधा/मूलसंरचना स्थापित करने और इन क्षेत्रों में शिक्षक वर्ग को पुनः प्रशिक्षित करने के उपाय भी किए गए हैं।
- कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) नामक पाठ्यक्रम, जिसे विकेन्द्रित किया गया था, को क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। वर्ष के दौरान आयोजित परीक्षाओं में लगभग 63,675 विद्यार्थी बैठे।
- इस केन्द्र का प्रमुख बल कृषि क्षेत्र अथवा कृषि इलेक्ट्रॉनिकी पर ध्यान देते हुए विभिन्न क्षेत्रों के लिए यंत्रीकरण/स्वचालन है।
- केन्द्र के कुछ नए प्रयास नीचे दिए गए हैं :
  - (i) क्षेत्र में 950 अनु.जा/ज.जा रोजगार अभ्यर्थियों के लिए 'ओ' स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया, डीजीईएण्डटी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
  - (ii) आभासी अधिगम केन्द्र (वीएलसी) तथा अंग्रेजी संव्यवहार प्रयोगशाला का विका किया गया।
  - (iii) क्षमता निर्माण परियोजना के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयोगशालाओं का दर्जा बढ़ाया गया है :
    - क) कम्प्यूटर साधित डिजाइन प्रयोगशाला
    - ख) तीव्र प्रोटोटाइप प्रयोगशाला
    - ग) इनक्यूबेटर केन्द्र
    - घ) वीएलएसआई प्रयोगशाला
    - ड.) पीसीबी प्रयोगशाला
  - (iv) डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय महिला छात्रावास के पास महिला छात्रावास (नाइलिट एनेक्सी) का निर्माण।
  - (v) बी.टेक पाठ्यक्रम के लिए पुरुष छात्रावास का निर्माण।
  - (vi) बी.टेक पाठ्यक्रम शुरू किए जाने के कारण वर्तमान मेकेनिकल कर्मशाला का विस्तार।
- इकोनॉमिक टाइम्स ई–शासन फोरम में हिस्सा लिया जिसमें 'नवोन्मेष एवं कार्यान्वयन' पर फोकस किया गया। इस फोरम का संचालन भोपाल (मध्य प्रदेश) में किया गया।
- 2014.15 की अवधि के दौरान, केन्द्र ने निम्नलिखित दो नई प्रयोगशालाओं को भी शुरू किया :
  - (i) आभासी अधिगम केन्द्र के लिए नवीकरण एवं फर्निशिंग कार्य
  - (ii) आधुनिक क्लास रूम (ईएसडी प्रयोगशाला)

कालीकट

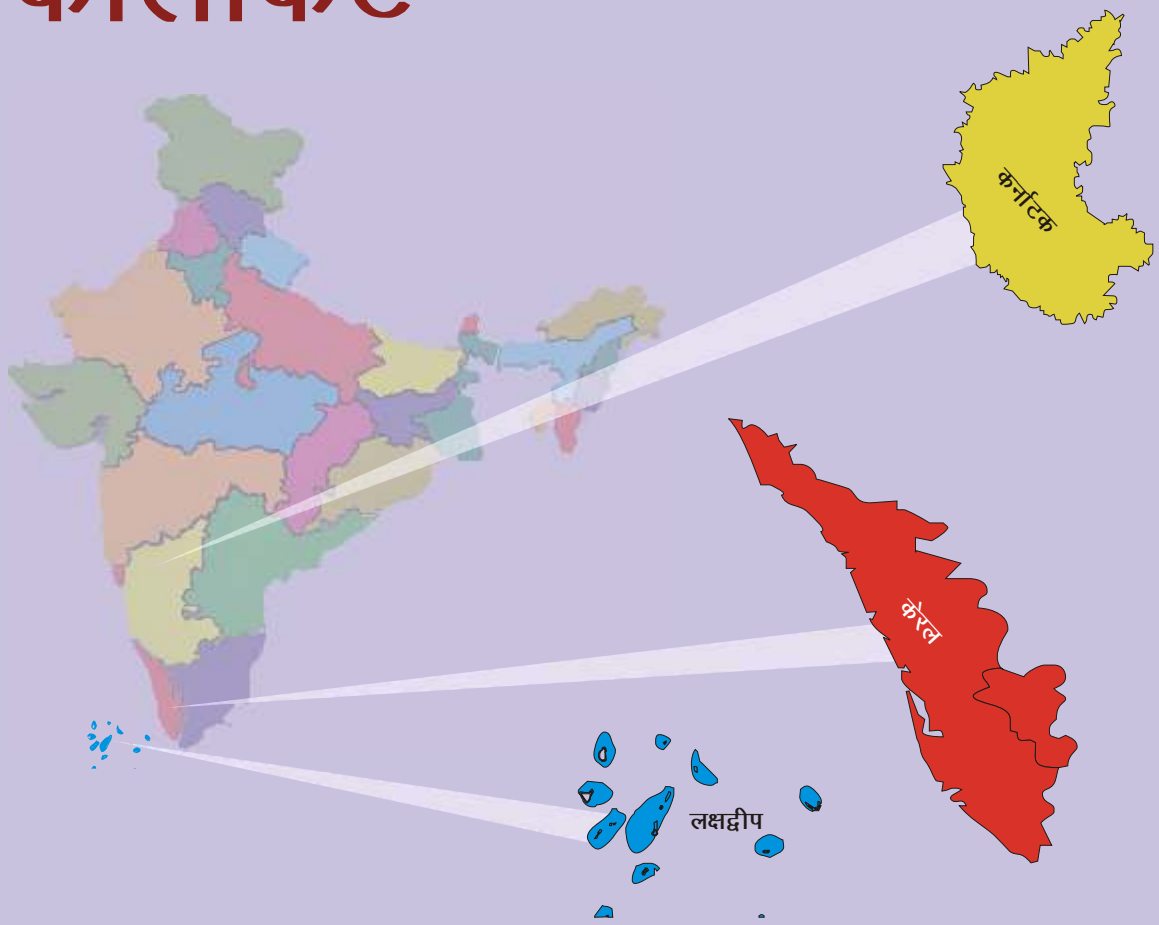

कार्यकारी समिति बैठक (कें)

19वीं ईसी, 11 जुलाई, 2014
20वीं ईसी, 20 जनवरी, 2015

कार्मिक

नियमित : 40
अनुबंध : 10

कारोबार

रु. 824.33 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
डॉ. एम.पी. पिल्लै	नाइलिट कालीकट पोस्ट बॉक्स नं. : 5 एनआईटी परिसर पो.ऑ. कालीकट–673601, केरल	0495-2287123, 2287266/766 e-mail: dir-calicut@nielit.gov.in	केरल कर्णाटक लक्षद्वीप

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- चल रहे दो कार्यक्रमों (एआईसीटीई द्वारा मान्यताप्राप्त) (i) अनतर्निमित प्रणालियाँ (ii) इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम.टेक तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात (एमसीए) कार्यक्रम में 164 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- नौ (9) पीजी डिप्लोमा तथा तीन (3) उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रमों के जरिए 546 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- डीजीटीडी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों के जरिए नाइलिट ओ/ए में 331 विद्यार्थियों तथा सीएचएम 'ओ' स्तर में 160 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- 68 उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप में तैयार प्रशिक्षण, शिक्षक विकास कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन किया गया।
- सीसीसी में 530 विद्यार्थियों तथा बीसीसी में 891 विद्यार्थियों के लिए केरल तथा कर्णाटक में प्रमाण–पत्र परीक्षाएँ आयोजित की गईं।
- 121 विद्यार्थियों को बीई/बी.टेक/एम.टेक शैक्षिक परियोजना मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की गई।
- इलेक्ट्रॉनिकी में पीएचडी कार्यक्रम चलाने के लिए एक शोध केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए कालीकट विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- केन्द्र में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) सुविधा स्थापित की गई तथा प्रतिष्ठित संस्थानों एवं राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के बीच ज्ञान स्रोतों का साझा करने के लिए एनकेएन का सदस्य बना।
- आईईईई स्थानीय चैप्टर तथा विद्यार्थी शाखा के सहयोग से उन्नत विषयों तथा उद्यमशीलता विकास पर (5) तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रतिष्ठित जर्नलों एवं सम्मेलनों में 09 शोध पत्र प्रकाशित किए गए।
- ईएसडीएम कौशल विकास योजना को बढ़ावा देने के लिए आईटीबीटी विभाग, कर्णाटक सरकार के सहयोग से बंगलौर में ईएसडीएम कुशलता विकास पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूरसंचार क्षेत्र के लिए अतिरिक्त कुशलता अधिग्रहण (एएसएपी) द्वारा नाइलिट, ईएसएससीआई (भारतीय इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र कुशलता परिषद), तथा टीएसएससीआई (भारतीय दूरसचार क्षेत्र कुशलता परिषद) के सहयोग से ईएसडीएम में 22 नवम्बर, 2014 को इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूरसंचार में कुशलता के महत्वपूर्ण अन्तराल का आंकलन करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- मंदिर स्वचालन सॉफ्टवेयर पैकेज विकास का कार्य किया गया और क्षेत्र मे 15 मंदिरों में कार्यान्वित किया गया/एएमसी जारी रखा गया।
- 16 मार्च, 2015 को क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, कालीकट के सहयोग से 'ई–अपशिष्ट' जागरूकता एवं प्रबंध पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- आईटी, कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में डिप्लोमा (डीसीए) तथा कम्प्यूटरीकृत शब्द संसाधन में रोजगार उन्मुखी पाठ्यक्रमों में 600 अनु.जा. विद्यार्थियों का प्रशिक्षण कार्यान्वित किया गया। डीईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित (46.32 लाख रु.) – 487 विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण पूरा किया गया तथा 294 प्रमाण–पत्र जारी किए गए।
- अनसूचित जनजातियों के लिए कम कीमत वाली अधिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम के जरिए आईटी कौशल एवं ई–समावेशन का कार्यान्वयन – परियोजना तका कार्यान्वयन अमृत विश्व विद्यापीठम, कोल्लम के सहयोग से किया जा रहा है – डीईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित – बजट 132.47 लाख रु.।
- परिसर भर्ती के लिए कई प्रतिष्ठित कम्पनियों की उपस्थिति। विप्रो तथा अग्रणी कम्पनियाँ जैसे कि गैजेऑन, कैपट्रॉनिक, क्यूब्रस्ट, वीवीडीएन, पार्क कंट्रोल्स, इंटेलीग्राफिक्स इंक तथा टाइडेंट टेक लैब उनमें से कुछ हैं। औपचारिक तथा दीर्घावधि अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के लगभग 112 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट प्रस्ताव प्राप्त हुए।
- 18 फरवरी, 2015 को स्टारकॉम इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बंगलौर की सहायता से टीआई इण्डिया एनालॉग मेकर प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। एम.टेक तथा पीजी डिप्लोमा के 135 विद्यार्थियों ने 40 टीमों के रूप में प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया। विजेता टीमों को टीआई से प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।
- कालीकट आईटी फोरम ;काफिट), नैसकॉम, आईआईएम कालीकट तथा एनआईटी कालीकट द्वारा संयुक्त रूप से युवा उद्यमकर्ताओं के लिए उद्यमिता कुशलता अभिवृद्धि नामक 'स्टार्ट–अप 20/20' समारोह नाइलिट के विद्यार्थियों ने एक अभिनव विचार प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त प्राप्त किया।

चण्डीगढ़

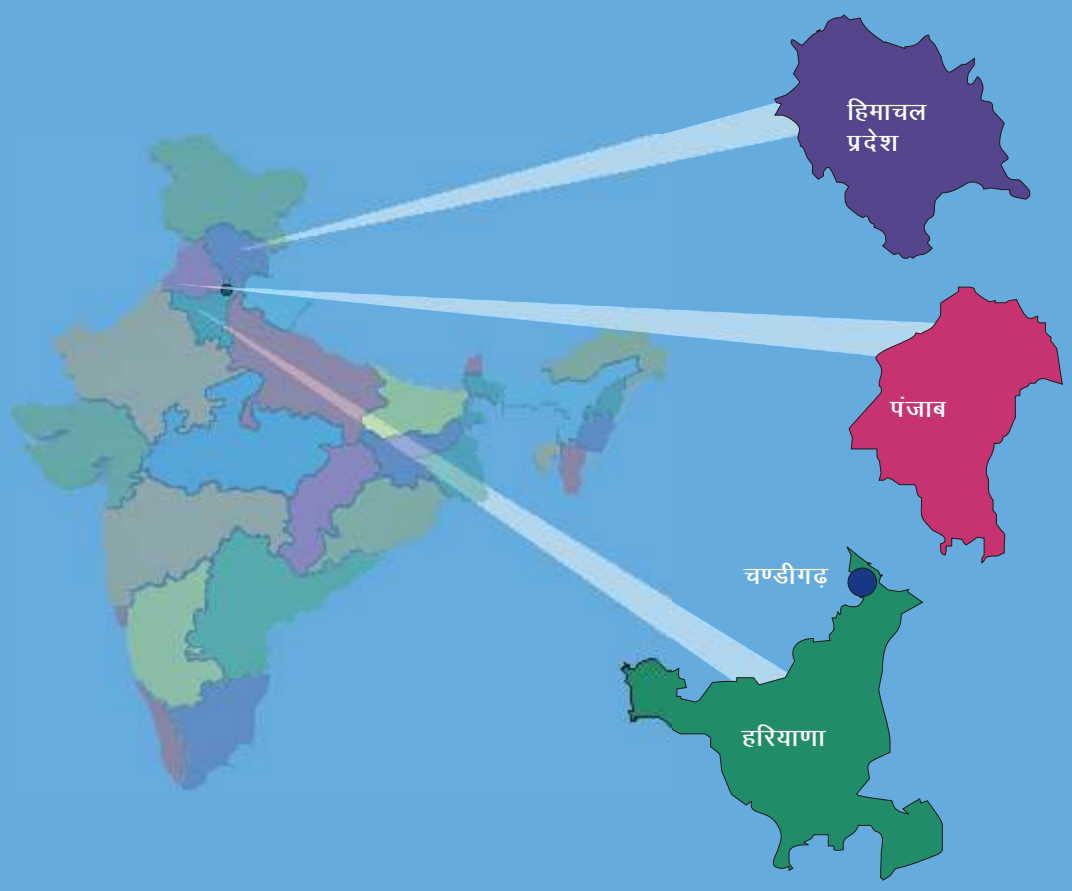

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 136 अनुबंध : 167, दूसरे संगठनों में सुविधा प्रबंध के रूप में नियोजित अनुबंधित कर्मचारी : 1823	रु. 6453.73 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री वी.के. जैन	नाइलिट चण्डीगढ़ सी–134, (पनकॉम बिल्डिंग) औद्योगिक क्षेत्र, फेज़-VIII, सेक्टर 72, एस.ए.एस. नगर मोहाली.160071 चण्डीगढ़	0172-2702265, 2236469 dir-chandigarh@nielit.gov.in	पंजाब हरियाणा (गुडगांव को छोडकर) चंडीगढ़ सं.शा. हिमाचल प्रदेश

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट चण्डीगढ़ तथा इसके विस्तार केन्द्र, शिमला ने दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से 651 विद्यार्थियों तथा 1147 उम्मीदवारों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों तथा कार्पोरेट क्षेत्र के लिए विशेष पाठ्यक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया। 359 विद्यार्थियों को अनु.जा/ज.जा रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीई एवं टी द्वारा प्रायोजित पाठ्यक्रम (नाइलिट ओ स्तर – सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर) और पंचायती राज कार्यकर्ताओं तथा समाज कल्याण विभाग, हिमाचल प्रदेश के प्रशिक्षुओं का नामदर्ज किया गया। केन्द्र ने पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पंजाब, हरियाणा, चण्डीगढ़ (यूटी) तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों के लिए वित्तपोषित पीआरआई कार्यकर्ताओं का बीसीसी प्रशिक्षण परियोजना के अन्तर्गत पंचायती राज कार्यकर्ताओं के लिए सीसीसी पाठ्यक्रम को आयोजित किया। नाइलिट चण्डीगढ़ ने ईएसओ पंजाब, राज्य सहायता नियंत्रण संस्था, जिला सैनिक, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पुनर्वास महानिदेशालय तथा बीएसएफ के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने 'इलेक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर में कुशलता विकास' नामक परियोजना को अनुमोदित एवं वित्तपोषित कियाए जिसके अन्तर्गत 'इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण (ड्रीम)' नामक एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम को एनसीपीयूएल तथा नाइलिट चण्डीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2014–15 के दौरान ड्रीम के प्रथम सत्र में 1932 विद्यार्थियों तथा द्वितीय सत्र में 1675 विद्यार्थियों का नाम दर्ज किया गया।

- हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 10वीं तथा 12वीं दर्जा के विद्यार्थियों को आईटी शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नाइलिट ने उच्च शिक्षा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला के साथ एक समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। वर्ष 2014–15 के दौरान हिमाचल प्रदेश के लगभग 1200 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 1.15 लाख विद्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश स्कूली शिक्षा बोर्ड के पाठ्यविषय के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नामदर्ज किया गया है।

- पंजाब राज्य विद्युत निगम लिं. पटियाला, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिं., यूटी चण्डीगढ़ तथा ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता (पंजाब), पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों के लिए कृषि जनगणना के बिल निर्माण परियोजना सहित विभिन्न बृहद डेटा संसाधन परियोजनाओं का निष्पादन किया जा रहा है।

- नागरिक सुविधा केन्द्र स्थापित करने के लिए आईवीआरएस आधारित लोक शिकायत निवारण प्रणलियों का विकास किया गया।

- 'रोपड़, पंजाब में नाइलिट चण्डीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण' के लिए पंजाब सरकार ने रोपड़ में आईआईटी परिसर के पास लगभग 12 एकड़ जमीन आबंटित की थी। इस परियोजना के लिए प्रशासनिक अनुमोदन पाँच वर्षों की कुल अवधि के लिए दिया गया था। नाइलिट ने रोपड़, पंजाब में स्थायी परिसर के निर्माण के लिए डीइआईटीवाई तथा एनबीसीसी (परियोजना प्रबंध परामर्शदाता के रूप मे) के साथ समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

चेन्नै

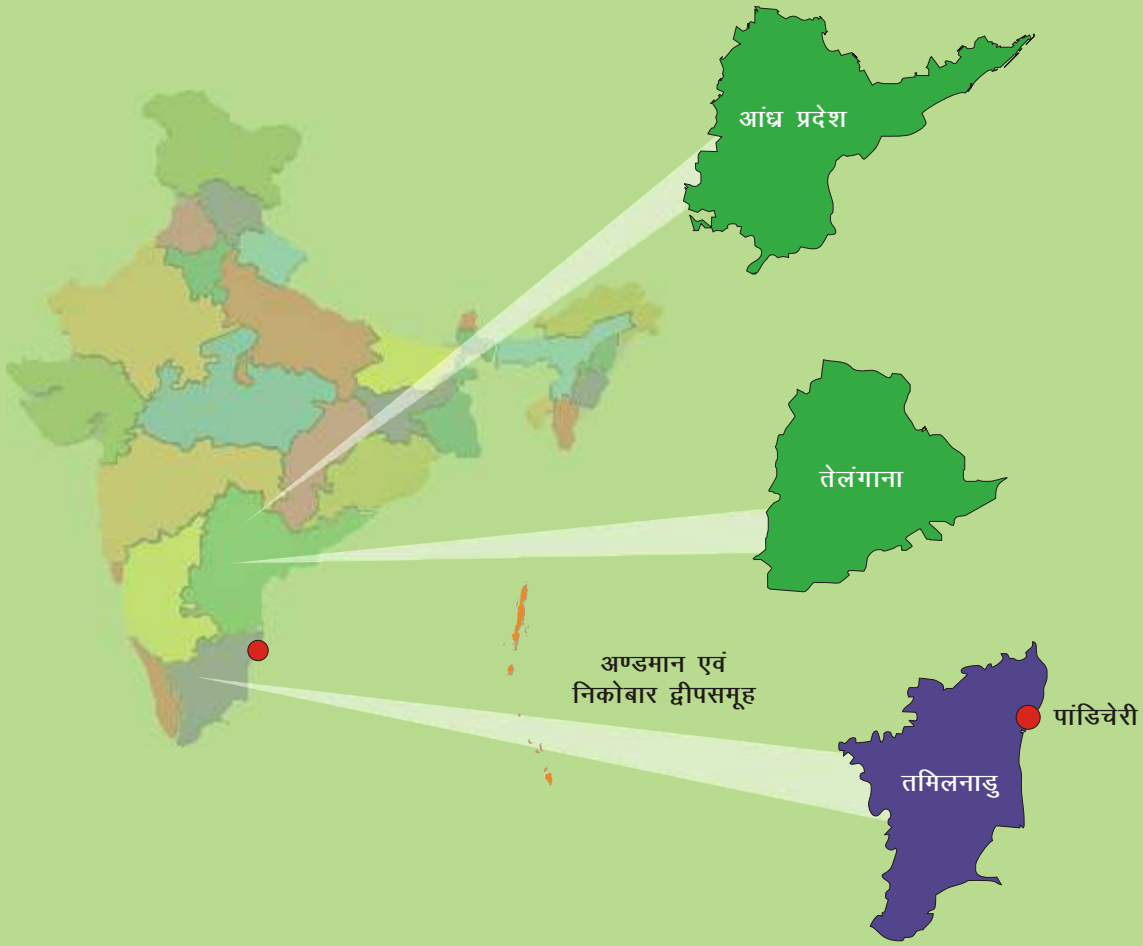

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 10 अनुबंध : 8	रु. 460.18 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री वी. कृष्णमूर्ति	नाइलिट चेन्नै 25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स गांधी मण्डपम रोड, अन्ना सेंटिनरी पुस्तकालय के सामने कोट्टुरपुरम थाना कोट्टुरपुरम, चेन्नै–600 025 आंध्र प्रदेश	044 24421446/7 dir-chennai@nielit.gov.in	तमिलनाडु आंध्र प्रदेश तेलगाना पुडुचेरी अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- 'इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन एवं उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण' नामक परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा सीडैक हैदराबाद के साथ मिलकर संयुक्त रूप में किया जा रहा है।
- वीएलएसआई प्रयोगशाला का दर्जा प्रोटोटाइपिंग एवं प्रणाली विकास सुविधाओं से बढ़ाया गया, परीक्षण एवं परिमापन प्रयोगशाला, पीसीबी डिजाइन एवं औद्योगिक परियोगशाला ईपीडीटीपी परियोजना के अन्तर्गत स्थापित की गई। ईपीडीटीपी परियोजना के अन्तर्गत प्राप्त 30 लाख रु. की सहायता से पुस्तकालय की पुस्तकें खरीदी गई हैं।
- वित्तीय वर्ष के दौरान ईपीडीटीपी में क्षमता निर्माण परियोजना के अन्तर्गत 641 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया और अब तक 10 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं जिनमें 1026 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।
- 13 शिक्षक विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 190 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।
- डिप्लोमा/आईटीआई शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के लिए 5 कुशलता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 264 को प्रशिक्षित किया गया।
- ईडीटी में एम.टेक वर्ष 2015 से शुरू किया जा रहा है।
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन में दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशक के मार्च 2015 के एनसीवीटी परीक्षा के 10,97,780 ओएमआर शीटों का मूल्यांकन किया गया तथा परिणामों की घोषणा 7 राज्यों/सं.शा. में संबंधित डीईटी कार्यालय के समन्वय से की गई।
- ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास कार्यकलापों के कार्यान्वयन एवं संवर्धन के लिए 3 कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
- इंटीग्रल कोच फैक्टरी, भारतीय रेल, चेन्नै के लिए श्सुरक्षा सूचना परिसम्पत्तियाँश विषय के अन्तर्गत एक कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- सीएससी केन्द्र के रूप में ग्रामीण स्तर के उद्यमियों को प्रदान की जाने वाली नाइलिट सेवाएँ विषय के अन्तर्ग सीएससी–एसपीआर के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। लगभग 200 वीएलई इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए जो सब के लिए डिजिटल साक्षरता पर कार्य कर रहे हैं।
- नाइलिट चेन्नै के कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लिए दबाव प्रबंध एवं अनुबंध प्रबंध विषयों पर परिसर में दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- अनु.जा/ज.जा के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीईटी द्वारा प्रायोजित डीओईएसीसी 'ओ' स्तर के 7वें बैच (420 विद्यार्थी) का आयोजन अगस्त, 2014 में किया गया। केन्द्र ने अबतक 910 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है। अनु.जा/ज.जा के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीईटी द्वारा स्वीकृत एवं प्रायोजित डीओईएसीसी 'ओ' स्तर के 8वें बैच (200 विद्यार्थी) का प्रशिक्षण जुलाई/अगस्त 2015 में शुरू किया गया है।
- अनु.जा/ज.जा के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीईटी द्वारा प्रायोजित सीएचएम 'ओ' स्तर का तीसरा बैच अगस्त 2014 में शुरू किया गया। अब तक हमने 359 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है। अनु.जा/ज.जा के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए सीएचएम श्ओश स्तर के चौथे बैच में 100 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण अगस्त 2014 में शुरू किया गया है जिसमें पीसी वास्तुकला, कम्प्यूटर पेरिफरल एवं नेटवर्किंग, इलेक्ट्रॉनिक संघटक–पुर्जे, प्रणाली सॉफ्टवेयर निदान एवं डिबगिंग टूल शामिल हैं।
- तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में ग्रामीण कुशलता विकास परियोजना के जरिए 9360 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण, साथ ही आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में भी शुरू किया गया।
- नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के 2233 उम्मीदवारों की परीक्षा नाइलिट चेन्नै में इसकी स्थापना के समय से आईटी साक्षरता की ऑनलाइन परीक्षा के माध्यम से ली गई।
- बीसीसी की ऑनलाइन परीक्षा में 1637 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई तथा जून 2015 की परीक्षा के लिए 1129 आवेदनों का संसाधन किया गया है। अपनी स्थापना के समय से अब तक 8435 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है।
- वीएलएसआई एवं अन्तर्निर्मित प्रणालियों, सूचना प्रौद्योगिकी तथा आई अनुप्रयोगों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुप्रयोग उन्मुखी एवं कुशलता विकास के विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 739 विद्यार्थियों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण।
- अनुप्रयोग उन्मुखी एवं कुशलता विकास पर 11 कार्यशालाओं के माध्यम से 1226 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण।
- सीसीसी की ऑनलाइन परीक्षा के माध्यम से 501 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई। अब तक 3892 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई है।
- सीसीसी के लिए 1253 वीएलई/सीएससी की परीक्षा ली गई।
- बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण परीक्षा के लिए 1540 उम्मीदवारों की परीक्षा ली गई।
- सीएचएम 'ओ' स्तर प्रत्यायन के 7 आवेदनों पर कार्रवाई की गई और 6 को प्रत्यायित किया गया है।

दिल्ली

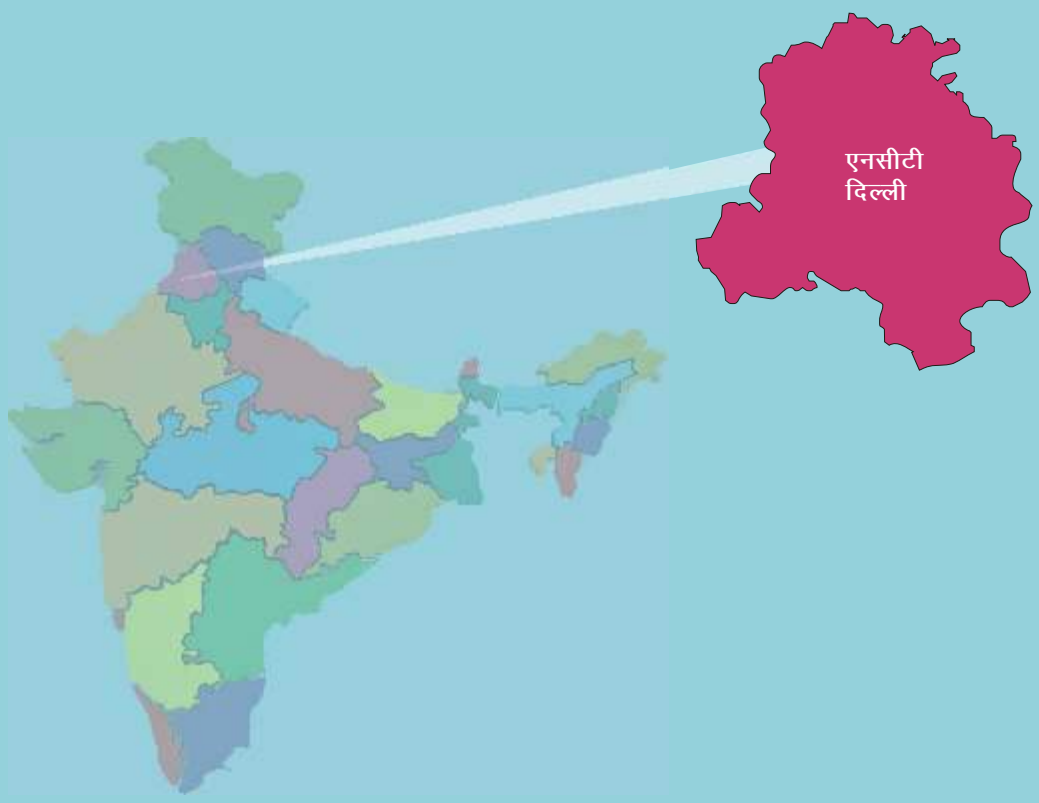

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	निठमित : 30 अनुबंध : 31	रु. 2988.26 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
डॉ. समशेर	नाइलिट दिल्ली दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, इंद्रलोक दिल्ली–110052	011-2364-4850 dir-delhi@nielit.gov.in	एनसीटी दिल्ली

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने पाँच कार्य केन्द्रों में पाँच आईसीटी प्रयोगशालाएँ स्थापित कीं (महिला एवं बाल विकास विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा उपलब्ध स्थान) जहाँ डीईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित जनसामान्य के लिए आईटी परियोजना के अन्तर्गत निम्न आय वर्ग की महिलाओं को निःशुल्क आईटी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्ष 2014–15 के दौरान इस योजना के अन्तर्गत कुल 1128 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया।
- केन्द्र ने आईटी विभाग, दिल्ली, आईटी विभाग, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली, भारतीय दूरसंचार विनियमन प्राधिकरण, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (प्रसार भारती) जैसे विभिन्न सरकारी विभागों के सरकारी अधिकारियों के ई–शासन मानक, नेटवर्क एवं सर्वर प्रशासन, एन्ड्रॉएड का प्रयोग करके मोबाइल अनुप्रयोगों का विकास, कार्यालय उत्पादकता उपकरणों, कम्प्यूटर के मूल तत्वों तथा एमएस–ऑफिस के क्षेत्रों में विशेष रूप से तैयार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए।
- केन्द्र ने 576 विद्यार्थियों को नाइलिट के विभिन्न दीर्घावधि पाठ्यक्रमों जैसे कि आई–ओ स्तर, मैट–ओ स्तर, सीएचएम–ओ स्तर, आईटी–ए स्तर में प्रशिक्षण प्रदान किया। 1038 विद्यार्थियों को J2EE, ASP.Net, CCNA, अन्तर्निर्मित प्रणालियाँ एवं डिजाइन, एन्ड्रॉएड का प्रयोग करके मोबाइल अनुप्रयोग आदि जैसे उच्च स्तरीय अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- पुनर्वास महानिदेशालय के 40 कनिष्ठ स्तर के अधिकारियों को नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।
- केन्द्र ने सीसीसी के 5046 विद्यार्थियों तथा बीसीसी के 708 विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया।
- केन्द्र ने लगभग 530 विभागों को तकनीकी तथा प्रचालन स्तर की सहायता उपलब्ध कराई। हमारे द्वारा प्राप्त की गई सहायता सेवाओं के कुछ प्रतिष्ठत विभागों में एआईसीटीई, विदेश मंत्रालय, सर्ट–इन, क्रिस, दिल्ली जल बोर्ड, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, दक्षिण दिल्ली नगर निगम शामिल है।
- केन्द्र ने नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो, भारत सरकार के 1864 उम्मीदवारों की ऑनलाइन परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया। केन्द्र ने अगस्त '14 तथा फरवरी '15 में आयोजित डीजीटी (अखिल भारतीय ट्रेड टेस्ट) परीक्षा के लगभग 65 लाख उत्तर पत्रों का मूल्यांकन किया।
- केन्द्र ने हिन्दू राव नर्सिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा तथा दिल्ली सरकार के लिए सहायक लोग अभियोजक भर्ती परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया। केन्द्र ने नई दिल्ली नगर परिषद को सॉफ्टवेयर अनुरक्षण के लिए वार्षिक अनुरक्षण सहायता उपलब्ध कराई।
- केन्द्र ने नई दिल्ली नगर परिषद को विद्युत एवं जल बिलिंग, वेतन पत्रक, आयकर तथा जीपीएफ प्रणाली के अनुप्रयोग सॉफ्टवेयरों के लिए सॉफ्टवेयर अनुरक्षण सहायता उपलब्ध कराई।
- केन्द्र ने राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान अकादमी (एनएटीआरएसएस), भारत सरकार, महात्मा गांधी जलवायु परिवर्तन समाघात संस्थान (एमडीआईसीसीसी), दिल्ली सरकार, नेहरू होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (एनएचएमसी), दिल्ली सरकार को वेबसाइट अनुरक्षण सहायता उपलब्ध कराई।
- दिल्ली केन्द्र जीवन प्रमाण, केन्द्र सरकार या किसी अन्य सरकारी संगठन के पेंशन भोगियों के लिए बायोमेट्रिक समर्थित डिजिटल सेवा योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है।

गंगटोक

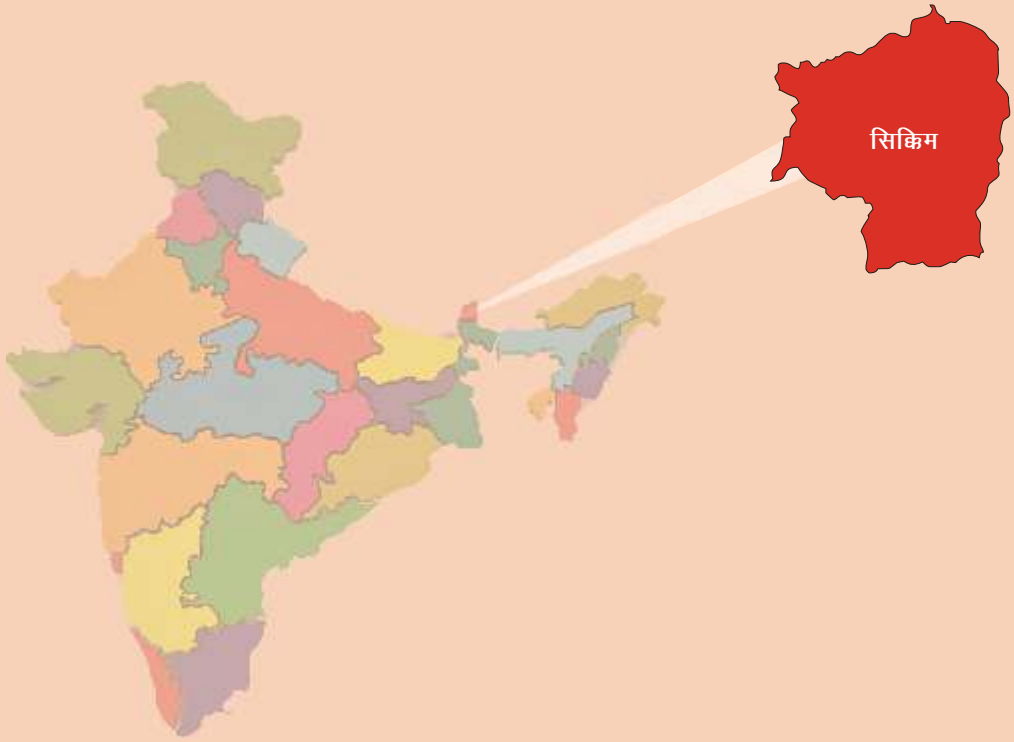

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 2 अनुबंध : 4	रु. 186.89 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री श्याम सुन्दर सिंह	नाइलिट गंगटोक इंदिरा बाई पास रोड सिशे केबीटी फ्यूल्स गंगटोक–737101 सिक्किम	03592-205609/10 dir-gangtok@nielit.gov.in	सिक्किम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट, गंगटोक ने भी 2 एनड्राएड मोबाइल अनुप्रयोगों का विकास किया है – एक सिक्किम की छुट्टियाँ 2015 तथा अन्य भारत सरकार की छुट्टियाँ 2015 और इन दोनों को सिक्किम सरकार द्वारा उनकी सरकारी वेबसाइट में इन अनुप्रयोगों के लिए एक लिंक के माध्यम से स्वीकार किया गया है। इन अनुप्रयोगों को निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है और माह वार राजपत्रित एवं प्रतिबंधित छुट्टियों की सूची (उनके विवरण तथा फोटोग्राफ सहित) के अतिरिक्त, नाइलिट के कार्यकलापों, सेवाओं तथा पाठ्यक्रमों के विवरण भी इन अनुप्रयोगों के माध्यम से उपलब्ध हैं। अब तक भारत सरकार की छुट्टियाँ 2015 के लिए 300 से से ज्यादा इन्स्टाल तथा सिक्किम सरकार की छुट्टियाँ 2015 के लिए 200 से ज्यादा इन्स्टाल किए गए हैं।
- केन्द्र ने नाइलिट अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में 17 विद्यार्थियों, नाइलिट बीसीसी पाठ्यक्रम में 88 विद्यार्थियों तथा अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 7 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- नाइलिट, गंगटोक ने वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान सिक्किम के सरकारी कर्मचारियों के लिए कई क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, लेखा एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एएटीआई), सिक्किम सरकार के माध्यम से तथा अपने संगठन में बीसीसी तथा सीसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।
- 'साइबर वर्ल्ड : क्या आप सुरक्षित हैं– शीर्षक से एक लेख सिक्किम के एक्सप्रेस 17 जनवरी 2015 अंक में प्रकाशित किया गया।
- 28 मार्च, 2015 को आकाशवाणी–गंगटोक में 50 मिनट के सीधा फोन–इन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नए प्रयास :

नाइलिट–गंकटोक ने डीइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम नामक परियोजना का कार्यान्वयन शुरू किया है जिसके अन्तर्गत वर्ष 2014–15 में निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए :

i- नाइलिट, गंगटोक ने मानव संसाधन एवं विकास विभाग (एचआरडीडी), सिक्किम सरकार के माध्यम से 26 विद्यालयों, 9 महाविद्यालयों, 2 पॉलीटेकनिकों का चयन संबंधित विद्यालयों/महाविद्यालयों/पॉलीटेकनिक में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए चिन्हित किया।

ii- इस कार्यशाला के अन्तर्गत अब तक विभिन्न विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के 2500 से ज्यादा विद्यार्थियों/कर्मचारियों को लाया गया।

iii- नाइलिट, गंगटोक ने सिक्किम सरकार के श्रम विभाग के माध्यम से 3 आईटीआई का चयन संबंधित आईटीआई में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए चिन्हित किया।

iv- लेखा एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एएटीआई), सिक्किम सरकार के सहयोग से 20 तथा 21 फरवरी 2015 को सरकारी कर्मचारियों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। विभिन्न विभागों के कुल 63 कर्मचारी कार्यशाला में हिस्सा लिया।

गोरखपुर

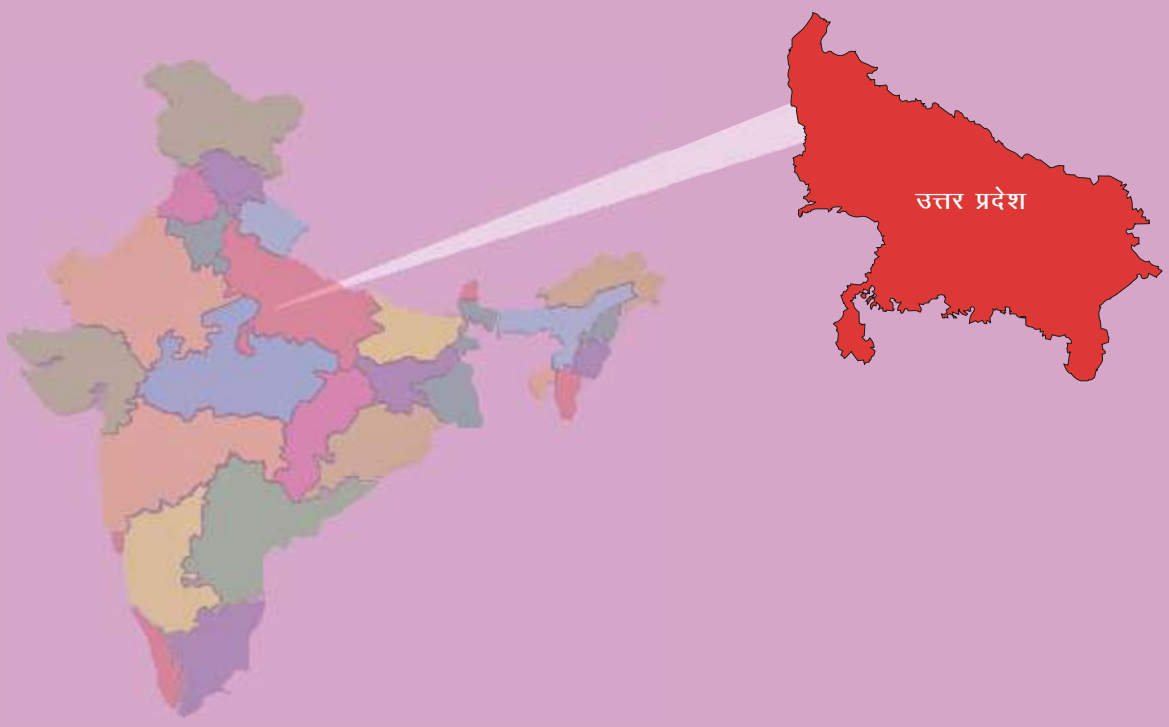

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
17वीं ईसी, 25 नवम्बर 2014	नियमित : 50 अनुबंध : 64	रु. 4123.58 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी	नाइलिट गोरखपुर एम.एम.एम. विश्वविद्यालय परिसर देवरिया रोड गोरखपुर.273010 उत्तर प्रदेश	0551-2273371 dir-gorakhpur@nielit.gov.in	उत्तर प्रदेश

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 के दौरान कुल 422297 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। 1183 प्रतिभागियों के औपचारिक तथा अनौपचारिक दीर्घावधि पाठअयक्रमों के जरिए प्रशिक्षित किया गया और 19390 प्रतिभागियों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों, ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रमों तथा विभिन्न परियोजनाओं तथा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। 401724 प्रतिभागियों को सीसीसी तथा बीसीसी में प्रशिक्षित किया गया।

- जीवन प्रमाण योजना 19 दिसम्बर 2014 को नाइलिट गोरखपुर में शुरू की गई – जीवन प्रमाण केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या किसी अन्य संगठन के पेंशन भोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र प्राप्त करने की एक बायोमेट्रिक समर्थित डिजिटल सेवा है। नाइलिट केन्द्र गोरखपुर ने उत्तर प्रदेश तथा बिहार क्षेत्र के पेंशनभोगियों को प्रमाण–पत्र जारी करने का दायित्व लिया है।

- डॉ. समशेर, नाइलिट गोरखपुर के तत्कालीन निदेशक ने प्रो. आर.पी. पाण्डेय, एम.एम.एम. प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर को प्रमाण–पत्र जारी करते हुए।

- आधार आधारित दाखिला/पंजीकरण/परीक्षा तथा पंजीकरण संख्या को रोजगार पोर्टल के साथ लिंक किया जाना – नाइलिट गोरखपुर ने अपने परिसर में विद्यार्थियों के लिए एक आधार नामजदगी केन्द्र स्थापित किया है जिससे सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला लेने/पंजीकरण करवाने/परीक्षा देने बाले विद्यार्थियों को उसी समय आधार के साथ जोड़ा जाए। उसे रोजगार पोर्टल के साथ भी जोड़ा जाएगा जिससे वे रोजगार पोर्टल के लाभ प्राप्त कर सकें।

- ''जनकल्याण समिति'', जौनपुर में 27 जनवरी 2015 को चुने हुए प्रतिनिधियों तथा पंचायत के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ – एमओपीआर परियोजना जौनपुर के जेकेएसएस संस्थान में आरम्भ की गई।

- ईएसडीएम पर कार्यशाला – नाइलिट गोरखपुर तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश ने 19 नवम्बर, 2014 को होटल ताज, लखनऊ में इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) में क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास पर संयुक्त रूप में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

गुवाहाटी

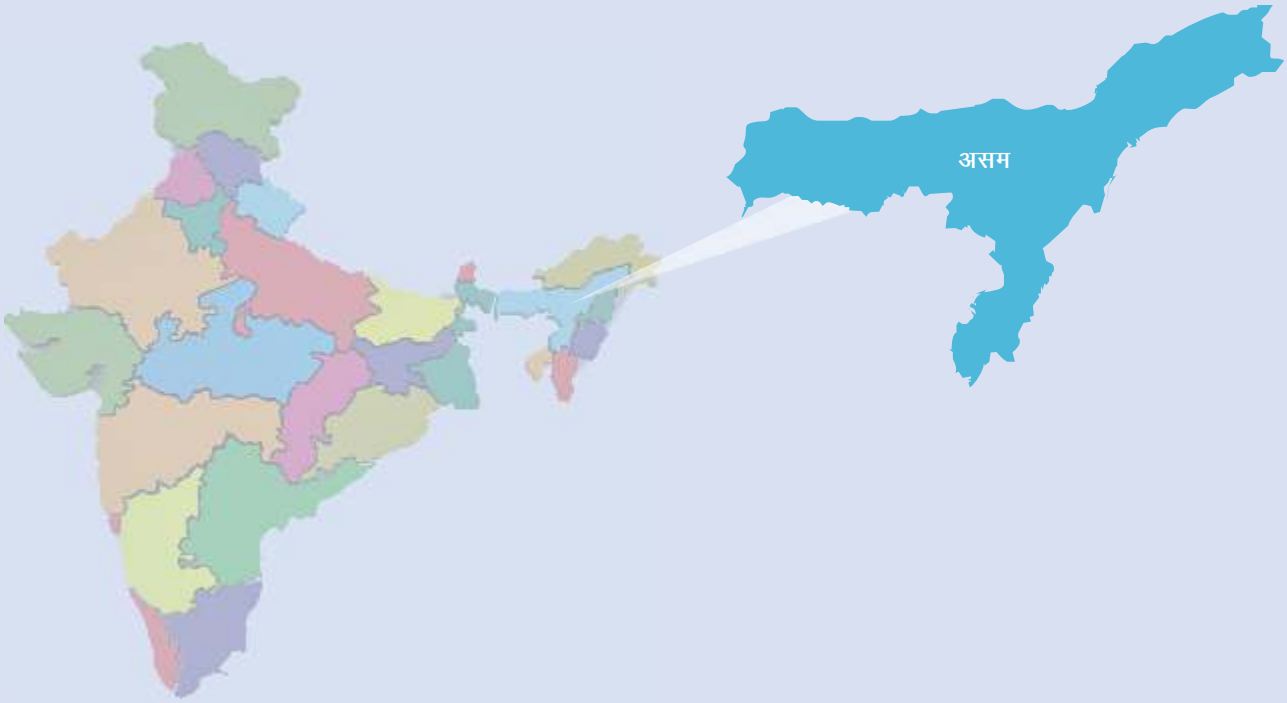

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 16 अनुबंध : 18 आउटसोर्स आधारित : 31	रु. 767.28 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री के. बरुआ	नाइलिट, गुवाहाटी पहली एवं दूसरी मंजिल, वित्तीय भवन एसीएफ बिल्डिंग, मो. शाह रोड पल्टन बाजार, गुवाहाटी–781008, असम	☎ 0361-2730269 ✉ dir-guwahati@nielit.gov.in	असम

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- असम की बाढ़ एवं नदी कटाव प्रबंध एजेंसी (फ्रेमा) द्वारा प्रायोजित मूलभूत कम्प्यूटर पर पाँच दिवसीय कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम जल संसाधन विभाग, असम के कुल 78 अधिकारियों के लिए नाइलिट गुवाहाटी के गुवाहाटी, तेज़पुर, कोकराझार तथा जोरहाट केन्द्रों में पाँच बैचों में चलाया गया।

- नाइलिट बीसीसी पाठ्यक्रम पर 6 दिवसीय कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बैचों में चलाया गया जिसमें केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अधीन केन्द्रीय मूगा एरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, जोरहाट, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के 15 अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

- नाइलिट गुवाहाटी में जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पर शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रम सप्ताह भर का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित किया गया जिसमें गुवाहाटी विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 15 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण का संचालन आन्तरिक स्रोत व्यक्तियों तथा तेजपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों (प्रो. डी.के. भट्टाचार्य, प्रो. रमेश डेका तथा डॉ. एस.के. राय), पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, असम (प्रो. पी. बोरा), डुब्रुगढ़ विश्वविद्यालय (डॉ. पी. चेतिया) तथा वन्य जीव अनुसंधान संस्थान (श्री उदयन बोरठाकुर) द्वारा किया गया।

- नाइलिट कार्यालय स्वचालन पाठ्यक्रम पर एक महीने का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 116 विद्यार्थियों के लिए किया गया जिसे राज्य स्तरीय खेलकूद एवं विद्यार्थी कल्याण सलाहकार समिति. असम सरकार ने प्रायोजित किया।

- असम के विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यालय स्वचालन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के जरिए अनु.जा/ज.जा विद्यार्थइयों के लिए विशेष प्रयास दूरदराज के स्थानों तक पहुँचने के लिए नाइलिट गुवाहाटी के विस्तार कार्यकलापों के एक भाग के रूप में केन्द्र ने विभिन्न महाविद्यालयों, विद्यालयों, दूसरे प्रशिक्षण संगठनों में अ.जा/ज.जा. विद्यार्थियों के लिए 'कार्यालय स्वचालन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटी में मूलभूत प्रशिक्षण, नाइलिट का मानक अल्पावधि पाठ्यक्रम) का आयोजन शुरू किया। अब तक अ. जा/ज.जा. के 6061 विद्यार्थियों को इस परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया गया है।

- वर्ष 2014–15 के दौरान जोरहाट केन्द्र ने 196 विद्यार्थियों, सिलचर केन्द्र ने 145 विद्यार्थियों तथा कोकराझार केन्द्र ने 312 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्वतंत्र रूप में प्रशिक्षित किया।

इम्फाल

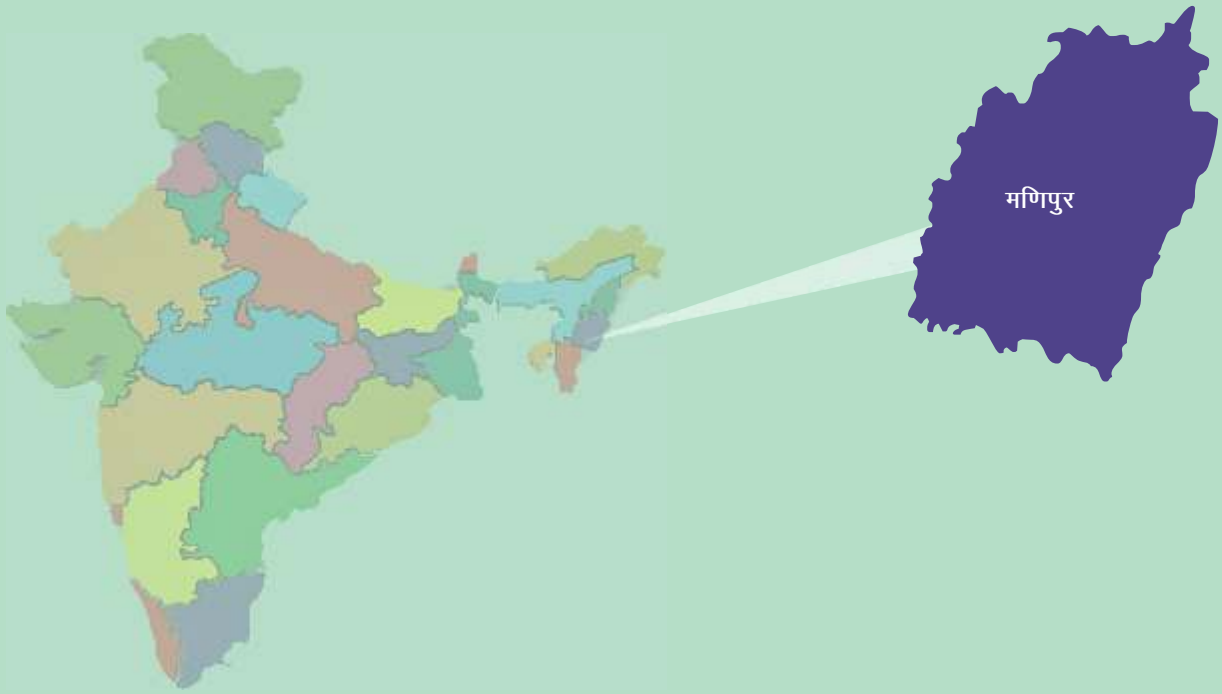

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
11वीं ईसी, 28 अप्रैल, 2014 12वीं ईसी, 27 अक्तूबर, 2014	नियमित : 41 अनुबंध : 19	रु. 720.77 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री टी. गुनेन्द्र सिंह	नाइलिट इम्फाल आकम्पट, पोस्ट बॉक्स नं. 104 इम्फाल–795001 मणिपुर	☎ 0385-2454109, 2452231 ✉ dir-imphal@nielit.gov.in	मणिपुर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट इम्फाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, मणिपुर सरकार द्वारा 2.50 लाख रु. के कुल परिव्यय से प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत मणिपुरी–अंग्रेजी–मणिपुरी शब्दकोश का विकास किया है। सॉफ्टवेयर 23 दिसम्बर 2014 को सुपुर्द कर दिया गया।
- 24 फरवरी 2015 को होटल इम्फाल में सरकारी कर्मचारियों के लिए 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मणिपुर सरकार के 86 अधिकारियों ने हिस्सा लिया।
- नाइलिट, इम्फाल में 2 जुलाई, 2014 को 'मणिपुर के सीएससी के लिए जागरूकता कार्यशाला' आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन नाइलिट इम्फाल तथा सीएससी–एसपीवी, नई दिल्ली द्वारा किया गया। विष्णुपुर, चन्देल, चुड़ाचाँदपुर, इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, सेनापति, तौबल, उखरुल जिलों के कुल 70 वीएलई ने कार्यशाला में हिस्सा लिया।
- सुशासन के पालन के एक भाग के रूप में, 'जीवन प्रणाम–पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण–पत्र' पर एक कार्यशाला का आयोजन नाइलिट इम्फाल में 23 दिसम्बर 2014 (मंगलवार) को प्रातः 10.30 बजे किया गया। 10 केन्द्रों के प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में हिस्सा लिया।
- मणिपुर सरकार, नाइलिट इम्फाल ने मणिपुर सचिवालय में 20 कार्यालय सहायकों के चयन के लिए 787 उम्मीदवारों का कम्प्यूटर कुशलता परीक्षण आयोजित किया था। परीक्षा के सफल आयोजन तथा उसी दिन मूल्यांकन पूरा करने के लिए श्री नॉबर्ट डीसिनांग, भाप्रसे, आयुक्त, जीएडी, मणिपुर सरकार से प्रशंसा–पत्र प्राप्त हुआ।
- नाइलिट इम्फाल में 15 से 16 नवम्बर, 2014 के दौरान फार्च्यून 100 एजेंसी के सहयोग से एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कुल 35 उम्मीदवारों ने रोजगार साक्षात्कार दिया तथा चार विद्यार्थियों को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों अर्थात i) इन्फोसिस, ii) हिन्दुजाज़ ग्लोबल सल्यूशन तथा iii) वेस्ट ग्लोबर सर्विसेज़ में रोजगार प्राप्त हुआ।
- नाइलिट इम्फाल के विद्यार्थियों के लिए 7–14 जनवरी 2015 के दौरान 'आर्ट ऑफ लिविंग' सोसायटी के साथ मिलकर एक यूथ लीडरशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 60 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।
- लांगथबल, इम्फाल स्थित पहले मोबाइल अध्ययन केन्द्र ने 10 सितम्बर '14 से 14 नवम्बर '14 के दौरान 43 विद्यार्थियों को अल्पावधि पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया तथा रागईलांग, इम्फाल (पूर्व) स्थित दूसरे अध्ययन केन्द्र ने 4 दिसम्बर, 2014 से 8 मई, 2015 के दौरान 72 विद्यार्थियों को अल्पावधि पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया।

ईटानगर

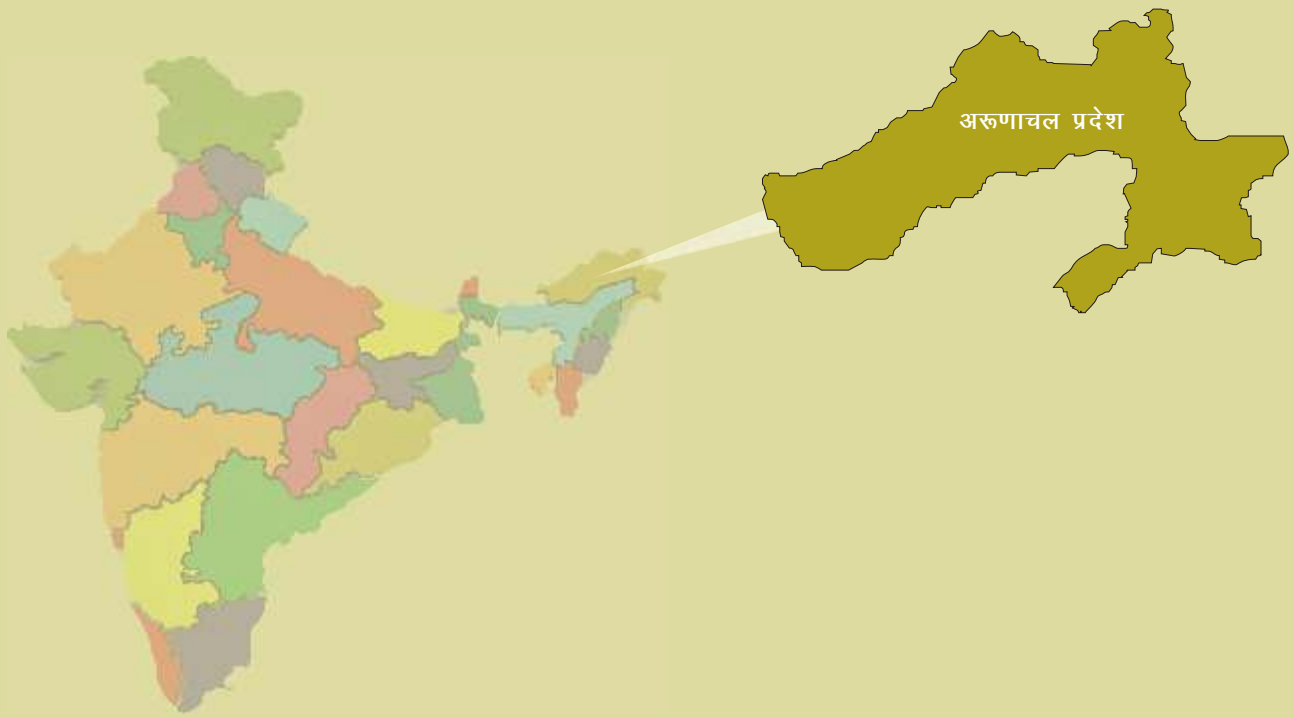

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 3 अनुबंध : 3 (5 वर्ष की अवधि)	रु. 191.96 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री जेम्स के. ललथलवामा	नाइलिट ईटानगर अरुणाचल प्रदेश ई–सेक्टर, शिव मंदिर के पास नाहरलगुन–791110 अरुणाचल प्रदेश	0360-2351854 dir-itanagar@nielit.gov.in	अरूणाचल प्रदेश

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट ईटानगर अब अगले शैक्षिक वर्ष से कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम चलाने के लिए राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर नामक केन्द्रीय विश्वविद्यालय से संबद्ध है।
- नाइलिट ईटानगर ने ईएसडीएम के अन्तर्गत दो नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं अर्थात पीसी का संयोजन एवं अनुरक्षण और फोटोकॉपीयरों तथा प्रिंटरों का प्रतिष्ठापन एवं अनुरक्षण।
- विभिन्न अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रमों में 2000 से ज्यादा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।
- डिजिटल भारत सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में, नाइलिट ईटानगर केन्द्र ने भी केन्द्र में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए तथा नाहरलगुन के विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया। 1 जुलाई 2015 को केन्द्र ने डीआईडब्ल्यू के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने आईजी स्टेडियम, नई दिल्ली में किया। इस सप्ताह के दौरान केन्द्र ने केन्द्र सरकार तथा साइबर सुरक्षा द्वारा प्रदान की जा रही विविध सेवाओं पर विभिन्न विद्यालयों में विभिन्न कार्यशाला सत्र तथा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किए। महिलाओं के लिए विशेष कार्यशाला कार्यक्रम भी विभिन्न विषयों पर आयोजित किए गए जैसे कि ई–अपशिष्ट, साइबर सुरक्षा. डिजिटल लॉकर, जीवन प्रमाण, ई–अस्पताल, डिजिटल भारत के 9 स्तम्भ, साइबर हाइजिन, सामाजिक मीडिया में क्या करें और क्या न करें। 7 जुलाई 2015 को कार्यक्रम का समापन श्री देबचन्द्र सिंह की उपस्थित में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कोहिमा

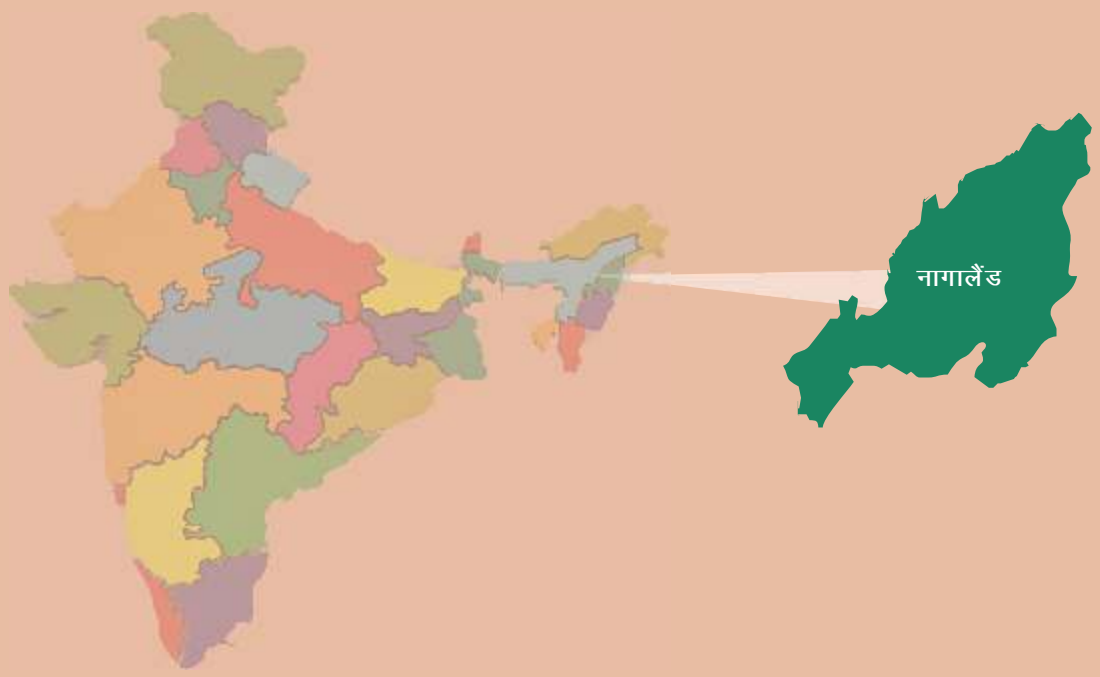

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 20 अनुबंध : .37	रु. 784.00 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री एल. लानुवाबाग	नाइलिट कोहिमा मेरिएमा, न्यू हाई कोर्ट रोड पोस्ट बॉक्स नं. 733, कोहिमा–797001 नागालैण्ड	0370-2806181/82 dir-kohima@nielit.gov.in	नागालैण्ड

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- 4 अलग–अलग जिलों के नागालैण्ड सरकार के 34 जिला अधिकारियों को ई–शासन पर प्रशिक्षण दिया गया।
- ई–शासन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अन्तर्गत, 861 विद्यार्थियों को आईटी सुरक्षा तथा ई–शासन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।
- सतर्कता एवं भ्रष्टाचार–निरोधी पुलिस निदेशालय, नागालैण्ड सरकार के 21 अधिकारियों को साइबर अपराध की जाँच पड़ताल पर प्रशिक्षण दिया गया।
- कोहिमा पॉलीटेकनिक महाविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरी विभाग के अन्तिम वर्ष के 23 विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में मल्टीमीडिया एनिमेशन एवं हार्डवियर में प्रशिक्षित किया गया।
- कोहिमा पॉलीटेकनिक महाविद्यालय में एआईसीटीई सामुदायिक महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत नामजद 41 विद्यार्थियों को टैली ईआरपी में प्रशिक्षित किया गया।
- एआईसीटीई सामुदायिक महाविद्यालय योजना के कार्यान्वयन के लिए आईटी सेक्टर में नाइलिट कोहिमा को कुशलता ज्ञान प्रदाता (एसकेपी) के रूप में नियोजित करने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत नागालैण्ड पॉलीटेकनिक महाविद्यालय के साथ समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन 5 विद्यालयों तथा 3 महाविद्यालयों में किया गया जिनमें लगभग 2000 विद्यार्थी, शिक्षक तथा व्याख्याता शामिल हुए।
- नाइलिट कम्प्यूटर अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए नागालैण्ड विश्वविद्यालय मुख्यालय के साथ समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- नाइलिट कोहिमा साइबर फोरेन्सिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा साइबर अपराध के 9 मामलों का हल किया, जिसे नागालैण्ड पुलिस के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है।
- नए पाठ्यक्रमों का आरम्भ : मल्टीमीडिया तथा एनिमेशन प्रौद्योगिकी में 'ओ' स्तर, मल्टीमीडिया हैण्डसेट इंजीनियर स्तर–2

कोलकाता

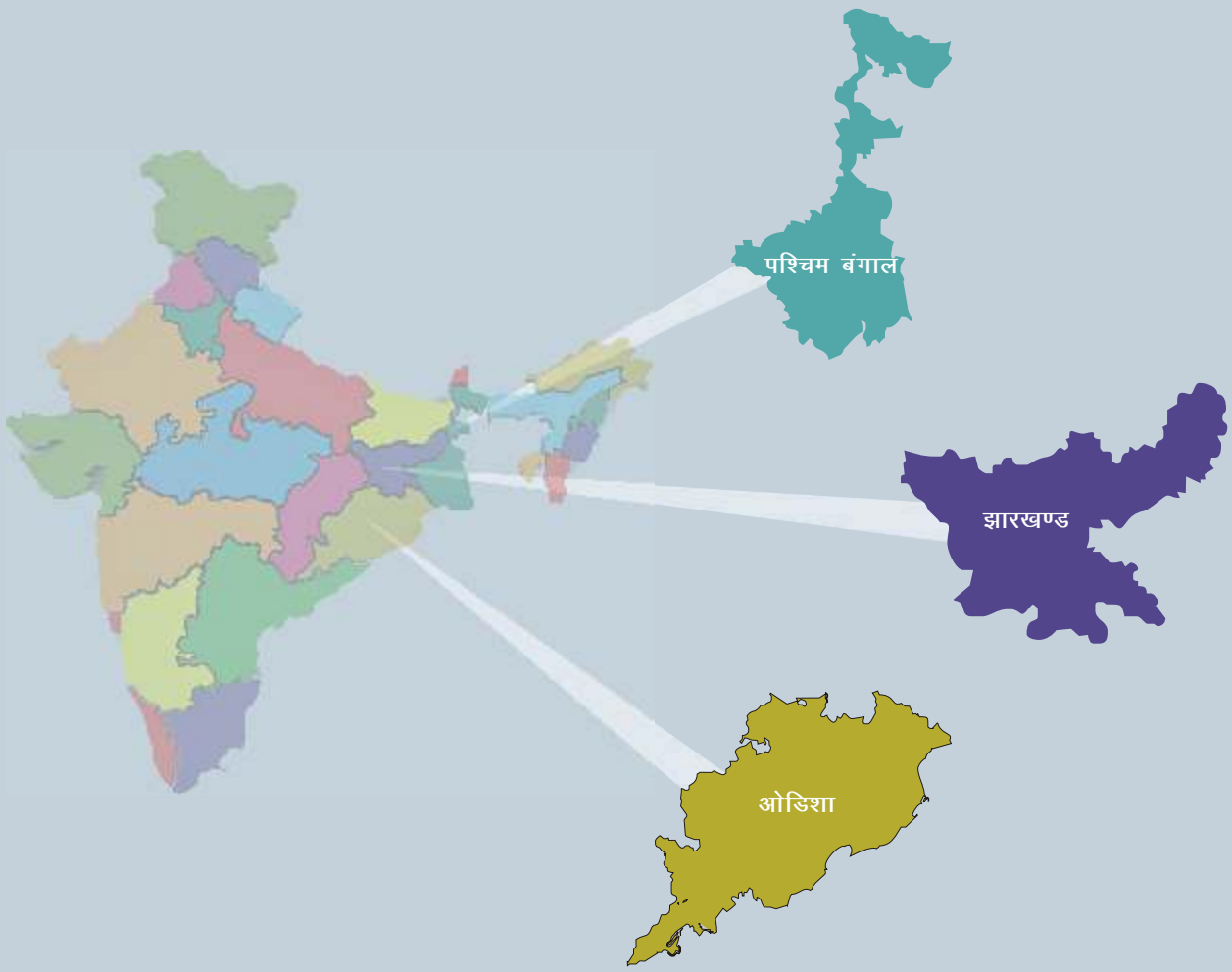

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
14वीं ईसी, 30 जुलाई, 2014 15वीं ईसी, 31 मार्च, 2015	नियमित : 46 अनुबंध : 58	रु. 1387.48 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री टी.पी. सिंह	नाइलिट कोलकाता जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर कोलकाता–700032 पश्चिम बंगाल	033-24146261 dir-kolkata@nielit.gov.in	पश्चिम बंगाल ओडिशा सिक्किम झारखण्ड

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- डीईआईटीवाई, भारत सरकार तथा पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से नाइलिट कोलकाता को बीएफ 267 सेक्टर 1, सॉल्ट लेक, कोलकाता में अपना परिसर मिलने जा रहा है। निर्माण के पहले चरण में B+G+3 बहुमंजिली इमारत अगस्त 2015 तक तैयार होने की संभावना है।
- **राँची में नये नाइलिट केन्द्र का प्रारंभ**–भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी ने 21 अगस्त, 2014 को नाइलिट राँची परिसर की आधारशिला माननीय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री रवि शंकर प्रसाद, झारखण्ड के माननीय राज्यपाल तथा माननीय मुख्य मंत्री की उपस्थिति में रखी। झारखण्ड सरकार ने राँची में स्थायी परिसर की स्थापना के लिए 5 एकड़ जमीन का आबंटन किया है जिसका निर्माण 65 करोड़ के निवेश से किया जाएगा।
- नाइलिट कोलकाता ने डीईआईटीवाई द्वारा पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की सशक्तिकरण के लिए प्रायोजित क्षमता विकास कार्यक्रम का कार्यान्वयन ईएसडीएम–1 के माध्यम से किया और इसका उद्घाटन 17/01/2015 को श्री उज्ज्वल विश्वास, तकनीकी शिक्षा मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार ने किया।
- नाइलिट कोलकाता द्वारा सीएससी–वीएलई के लिए एक जागरूकता कार्यशाला 8 जुलाई 2014 को आयोजित की गई जिसका उद्घाटन श्री अभिनव चन्द्रा, भाप्रसे, सीईओ, पश्चिम बंगाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया गया, जिसमें ग्रामीण जनता के लिए विभिन्न नाइलिट पाठ्यक्रमों की भूमिका एवं प्रासंगिकता पर लम्बी चर्चा की गई।
- आईबीएम कोलकाता के प्रबंधक एवं पूर्व विद्यार्थी तथा नाइलिट कोलकाता के एक शिक्षक, श्री रानाजॉय पाल ने उदीयमान वेब प्रौद्योगिकियों तथा सॉफ्टवेयर विश्व में नाइलिट 'ओ' तथा 'ए' स्तर के विद्यार्थियों के लिए पहुँच एवं रोजगार की संभावनाओं पर व्याख्यान दिया।
- नाइलिट कोलकाता ने 4–7 दिसम्बर, 2014 के दौरान मिलन मेला, कोलकाता में आयोजित भारत के सबसे बड़ी आईसीटी प्रदर्शनी इन्फोकॉम 2014 में हिस्सा लिया जिसमें नाइलिट द्वारा डिजिटल साक्षरता के माध्यम से नागरिकों का सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों का प्रदर्शन किया गया। इन्फोकॉम 2014 का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल, ने किया तथा श्री आर.एस. शर्मा, भाप्रसे, सचिव, डीइआईटीवाई, श्री किरण कार्णिक पूर्व प्रेसिडेंट, नैसकॉम, श्री संजीव गोयंका, अध्यक्ष आरपी–संजीव गोयंका ग्रुप अन्य अतिथि थे।

पटना

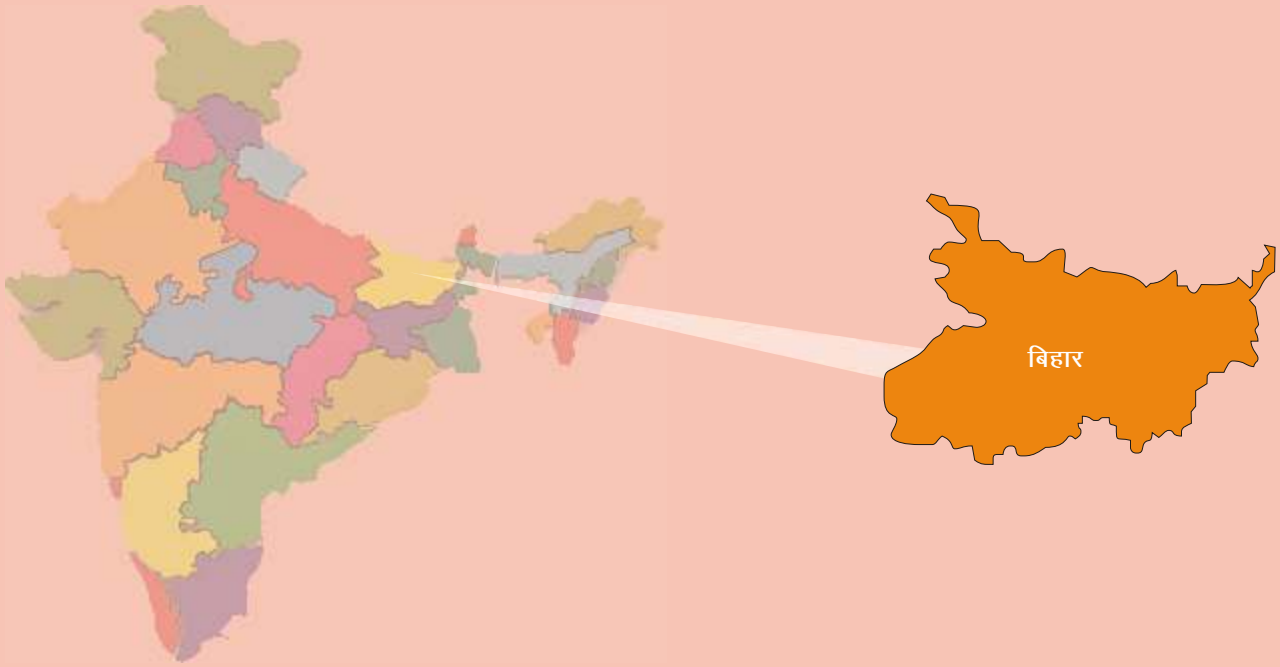

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 8 अनुबंध : 19	रु. 234.58 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री आलोक त्रिपाठी	नाइलिट पटना 13वीं मंजिल, ए–5.बिस्कोमन टावर गांधी मैदान पटना–800001 बिहार	0612-2219134 dir-patna@nielit.gov.in	बिहार

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट केन्द्र, पटना की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी और 11वीं मंजिल, बिस्कोमन टावर, गांधी मैदान, पटना से पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न नाइलिट केन्द्रों के कार्यकलापों का समन्वय करने तथा क्षेत्र में नाइलिट के कार्यकलापों के संवर्धन में सक्रिय भूमिका लेने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है जिससे सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में ज्ञान को बढ़ावा देने तथा कौशल विकास के लिए नाइलिट का विस्तार विभिन्न स्तरों पर होगा जो उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करेगा और क्षेत्र में विशेष रूप से बिहार राज्य का समग्र विकास होगा।
- यह केन्द्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी कार्य कर रहा है। इन कार्यक्रमों में राज्य सरकार के कर्मचारियों का प्रशिक्षण प्रमुख है, जिसके अन्तर्गत समूह 'ग' के कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग पर पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है जिसके आधार पर वे वार्षिक वेतन–वृद्धि के पात्र होंगे।
- नाइलिट पटना द्वारा निष्पादित बिहार सरकार/भारत सरकारी की विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत 13335 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें समूह 'ग' कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 7268 कौशल विकास परियोजना के अन्तर्गत 5600 तथा पंचायती राज परियोजना के अन्तर्गत 467 शामिल हैं।
- नाइलिट पटना द्वारा चलाए गए विभिन्न नाइलिट पाठ्यक्रमों में 154 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- एनआईटी पटना तथा नाइलिट पटना केन्द्र के बीच शैक्षिक रुचि में संवर्धन एवं बढ़ोतरी करने लिए एनआईटी पटना तथा नाइलिट पटना एक सहमति–पत्र पर हस्तक्षर किए गए।
- जनवरी 2015 में मुजफ्फरपुर में डिजिटल भारत के लिए डिजिटल साक्षरता का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग साठ नाइलिट प्रत्यायित/सुविधा केन्द्रों ने हिस्सा लिया।
- 1 से 14 सितम्बर, 2014 तक के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया।
- बिहार सरकार के लगभग 1500 अनुबंध के आधार पर कार्यरत डेटा प्रविष्टि प्रचालकों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया।
- न्यायिक अकादमी के कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया।
- बिहार सैनिक कल्याण बोर्ड की ऑनलाइट परीक्षा का आयोजन किया गया।
- बिहार सरकार के माननीय मंत्रियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- बिहार के सीएससी–वीएलई के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राँची

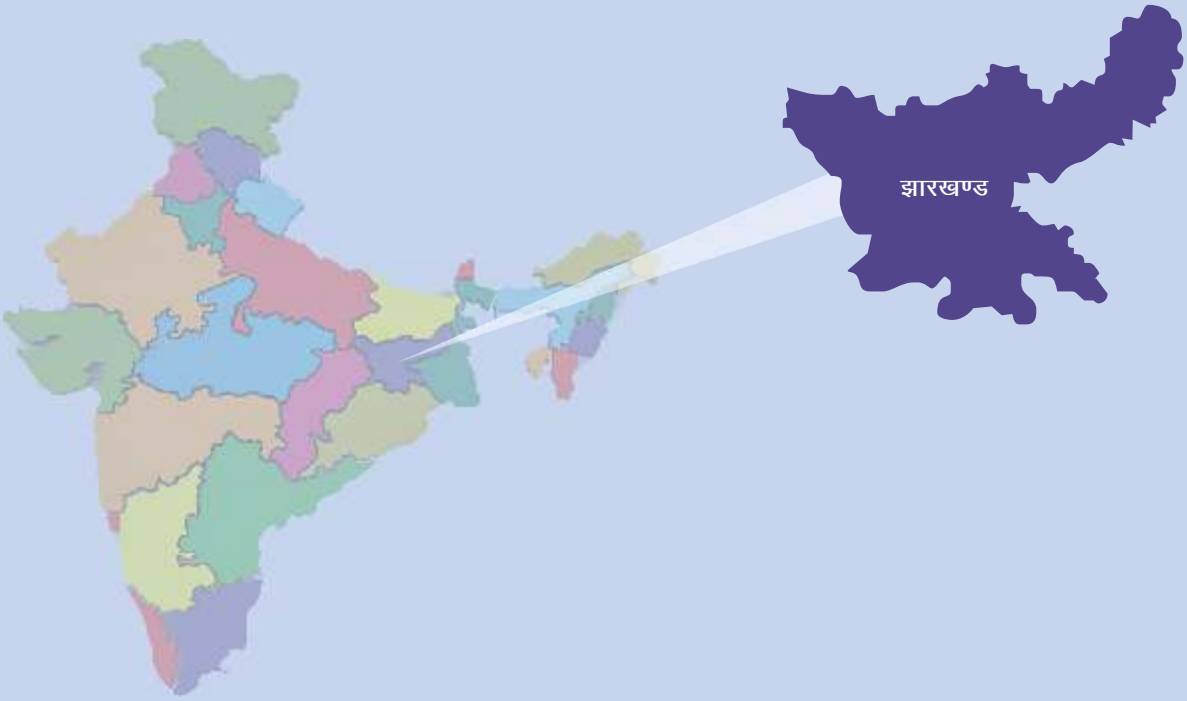

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 4 अनुबंध : 3	रु. 9.84 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री एम.एस. नन्दी	नाइलिट राँची रियदा भवन (दूसरी मंजिल) मेन रोड (जीएलई चर्च के सामने) राँची–834001 झारखण्ड	0651-2332554 dir-ranchi@nielit.gov.in	झारखण्ड

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- जीवन प्रमाण :

  सम्मिलित सुविधा केन्द्र / प्रत्यायित संस्थान : 54

  जारी प्रमाण–पत्र : 14

  पंजीकृत पेंशनभोगियों की संख्या : 65

- अनु.जा / ज.जा. विद्यार्थियों के लिए आईटी आधारित कुशलता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम :

  इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, झारखण्ड सरकार और नाइलिट राँची के बीच मार्च 2015 में समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए लेकिन औपचारिक कार्य आदेश अप्रैल 2015 में प्राप्त हुआ।

- सीसीसी पाठ्यक्रमों का आयोजन
- सीसीसी पाठ्यक्रम में पंजीकृत विद्यार्थियों की सं. : 29
- विभिन्न नाइलिट परीक्षाओं के लिए परीक्षा पर्यवेक्षक / फ्लाइंग स्क्वाड के रूप में आवश्यक सहायता प्रदान।
- झारखण्ड राज्य को कृषि जनगणना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान।
- ड्रीम (इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण) परियोजना के लिए रीको इण्डिया लि. द्वारा आपूर्ति की गई सामग्रियों के संबंध में सहायता उपलब्ध कराई गई।

शिलांग

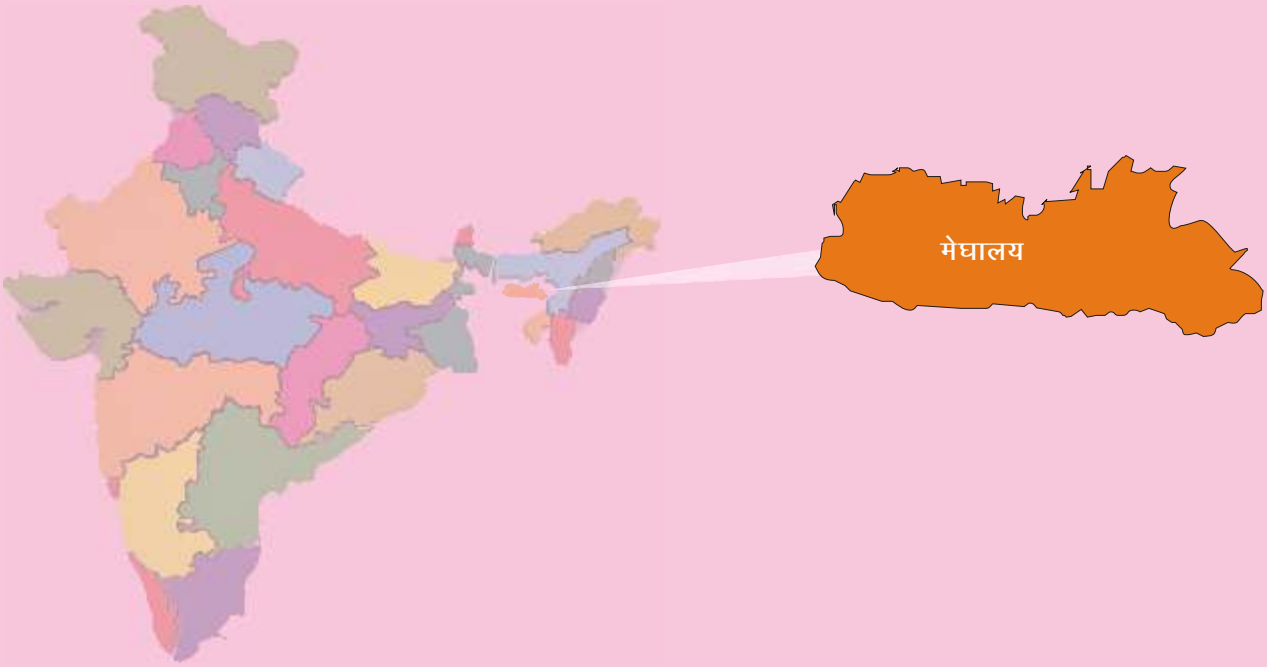

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
शून्य	नियमित : 2 अनुबंध : 6 पांच वर्षीय संविदा अवधि (परियोजना) : 2	रु. 264.32 लाख

प्रभारी निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री मानब कालिता	नाइलिट शिलांग दूसरी मंजिल, मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएस) लिमिटेड बिल्डिंग, बेथाने अस्पताल के पीछे नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003, मेघालय	0364-2520166 dir-shillong@nielit.gov.in	मेघालय

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्ष 2014–15 के दौरान नाइलिट केन्द्र शिलांग ने आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में 28 विद्यार्थियों, आईटी ए स्तर पाठ्यक्रम में 08 विद्यार्थियों तथा सीएचएम–ओ पाठ्यक्रम में 05 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया, जबकि विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 1295 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। केन्द्र अगले वर्ष से कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना बना रहा है।
- केन्द्र द्वारा सीएससी प्रचालकों/वीएलई के लिए नाइलिट शिलांग में 27 जून 2014 को एक दिवसीय सीएससी जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया जिसमें भारतीय स्टेट बैंक, एमईएसईबी,डीआईटी, एनईसी, बैक्सिस के महानुभावों को आमंत्रित किया गया था।
- पहला नाइलिट शिलांग फ्रेशर कार्यक्रम 17 सितम्बर 2014 को आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम जैसे कि निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद आदि तथा सांस्कृतिक अनुष्ठान जैसे मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 27 सितम्बर से 2 अक्तूबर 2014 के दौरान स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया जिसमें विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों में स्वच्छता की भावना पैदा करने के लिए साफ–सफाई विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। विशेष रूप से विद्यार्थियों में उसकी प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही।
- नाइलिट शिलांग तथा समुदाय एवं ग्रामीण विकास विभाग, मेघालय के बीच 250 ग्राम रोजगार परिषद के कार्यकर्ताओं को पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आईटी साक्षरता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित करने के लिए एक समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

श्रीनगर

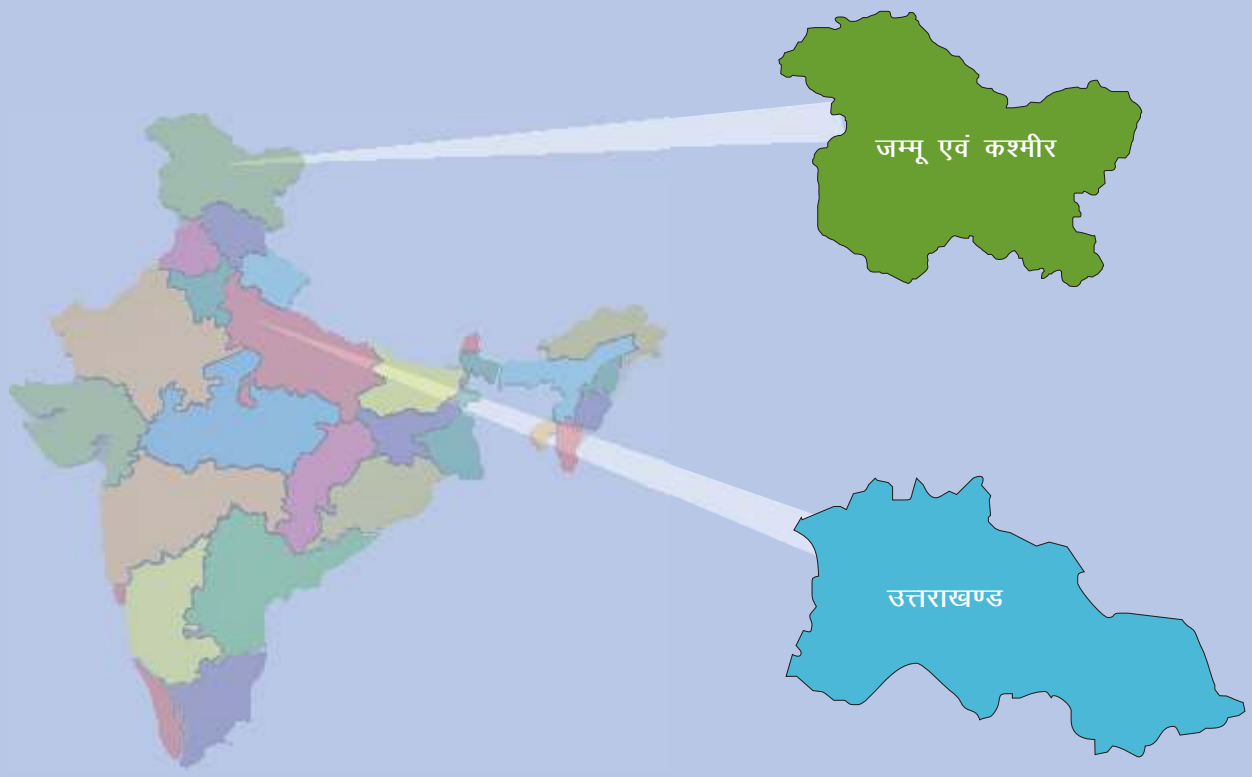

कार्यकारी समिति बैठक (कें)	कार्मिक	कारोबार
25वीं ईसी, 27 अगस्त, 2014	नियमित : 57 अनुबंध : 43	रु. 851.15 लाख

निदेशक	पता	सम्पर्क	क्षेत्राधिकार राज्य
श्री ए.एच. मून	नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स पुराना एअरपोर्ट रोड, रंगरेथ श्रीनगर–191132 जम्मू तथा कश्मीर	0194-2300501,2300502 dir-srinagar@nielit.gov.in	जम्मू तथा कश्मीर उत्तराखण्ड

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

विद्यार्थी पंजीकरण/प्रमाणन – नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने आईसीटी में विभिन्न क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास कार्यक्रमों में 20000 से ज्यादा विद्यार्थियों का पंजीकरण/प्रमाणन किया। वर्ष के दौरान, केन्द्र ने कुल 20476 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया, दीर्घावधि पाठ्यक्रमों में 837 तथा अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 19639 विद्यार्थी।

नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर को आईएसईए परियोजना (फेज–II) में शामिल किया जाना – 5 वर्षों की अवधि के लिए 106.15 लाख रु. के परियोजना परिव्यय से आईएसईए परियोजना (फेज–II) का संचालन करने के लिए डीईआईटीवाई, भारत सरकार के माध्यम से एक प्रतिभागी संस्थान के रूप में नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर और कार्यान्वयन एजेंसी के बीच समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। अब तक, परियोजना के पहले वर्ष में 94 सरकारी अधिकारियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया तथा 336 सरकारी अधिकारियों ने आईएसईए जागरूकता कार्यशाला में हिस्सा लिया।

अनुसंधान एवं विकास परियोजना का समापन : डीईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा जम्मू तथा कश्मीर राज्य में डब्ल्यूएसएन सुरक्षा एवं प्रशिक्षण में क्षमता निर्माण पर प्रायोजित परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई। 2 मुख्य एक्सचेंज प्रोटोकॉल, 3 अधिप्रमाणन प्रोटोकॉल तथा 4 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। 100 विद्यार्थियों के लक्ष्य की तुलना में 110 विद्यार्थियों को इस अवधि के दौरान प्रशिक्षित किया गया।

भर्ती के लिए कम्प्यूटर अधारित मूल्यांकन परीक्षण : श्रीनगर तथा जम्मू में पिछले 2 वर्षों के दौरान जम्मू तथा कश्मीर सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से जम्मू तथा कश्मीर सरकार द्वारा विज्ञापित विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए 85,000 से ज्यादा उम्मीदवारों का कम्प्यूटर आधारित मूल्यांकन परीक्षा ली गई। ऐसी परीक्षाएँ रेलवे भर्ती बोर्ड, राज भवन कार्यालय, जम्मू तथा कश्मीर उच्च न्यायालय और सर्व शिक्षा अभियान के लिए परीक्षा भी ली गई।

ईएसडीएम में क्षमता निर्माण : जम्मू तथा कश्मीर और उत्तराखण्ड राज्यों में ईएसडीएम परियोजना के कार्यान्वयन में नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर शामिल हुआ। अब तक नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर राज्य में 691 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए नाम दर्ज हुए।

पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ईआर एवं पीएफ के लिए बीसीसी के जरिए आईटी साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम : नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने जम्मू तथा कश्मीर राज्य में 1786 ईआर तथा 650 पीएफ को और उत्तराखण्ड राज्य में 675 ईआर तथा 68 पीएफ को प्रशिक्षित किया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू तथा कश्मीर सरकार के साथ समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर : एसपीवी परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना जहाँ सौर माड्यूल, प्रणालियों का संतुलन, इलेक्ट्रॉनिकी, बैटरियों सहित सभी पीवी उपकरणों के सम्पूर्ण परीक्षण की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएगी। इस सुविधा का उपयोग स्थानीय बेरोजगार युवाओं को फोटोवोल्टेयिक आधारित प्रणालियों की मरम्मत एवं अनुरक्षण में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा। प्रयोगशालाओं की स्थापना नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर में की जाएगी।

अस्पताल उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण : जम्मू तथा कश्मीर में विध्वंसकारी बाढ़ के पश्चात अधिकांश जीवन दायी चिकित्सकीय उपकरण जैसे कि ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर, प्लैटेलेट एजिटेटर, इनक्यूबेटर. डीप फ्रीज़र. साइरोफ्यूज आदि बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने महत्वपूर्ण ब्लड बैंक उपकरण की मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर हाथ में लिया और उपस्कर को कार्यशील स्थिति में लाकर उसकी डिलीवरी संबंधित अस्पतालों की गई।

परामर्श–सेवा एवं अंकीयकरण : कृषि निदेशालय में वीडियो कान्फरेंसिंग उपस्कर का प्रतिष्ठापन, सिटिजन कोआपरेटिव बैंक, जम्मू की सभी शाखाओं में कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) को कार्यान्वित किया गया। सूचना निदेशालय जम्मू की नेटवर्किंग में डब्ल्यूलैन का विस्तार। नाइलिट ने स्कूल ऑफ डिजाइन, हस्तशिल्प विभाग, जम्मू तथा कश्मीर सरकार की कलाकृतियों का अंकीयकरण किया।

जिला प्रशासन लेह के लिए अनुप्रयोग विकास : लद्दाख में आने वाले विदेशी पर्यटकों के ऑनलाइन परमिट जारी प्रणाली का विकास किया गया जिसका उद्घाटन जम्मू तथा कश्मीर राज्य के माननीय मुख्य मंत्री ने किया। जिला प्रशासन लद्दाख के लिए ऑनलाइन शिकायत प्रबंध पोर्टल का भी विकास किया गया।

संस्था के लेखा परीक्षक

क्र.सं.	फर्म का नाम	नाइलिट केन्द्र
1.	ए.एस.बेदमुथा एण्ड कं. ओ–1, एज आर्केड ओस्मानपुरा औरंगाबाद – 431 005	औरंगाबाद
2.	एस.ए. मजुमदार एण्ड एसोसिएटस, ठाकुर पल्ली रोड, कृष्णनगर, पोस्ट बाक्स नं. 34 अगरतला– 799 001	अगरतला
3.	अनिल हितेश एण्ड एसोसिएटस बारेक मार्केट, पहली मंजिल एन.एस. एवेन्यूस, रंगिरखरी सिलचर – 788005	आइज़ॉल
4.	अम्बानी एण्ड कं. 21, देव अम्बा कॉम्प्लेक्स प्रथम बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्टेशन रोड, अजमेर	अजमेर
5.	एसीआर एण्ड कं. 17/1492–ई2, कैथे बिल्डिंग आलुक्कस ज्वेलरी के पास राम मोहन रोड कालीकट – 673004	कालीकट
6.	मेसर्स ए.वी.नारायणस्वामी एण्ड एन.चूड़ामणि नया नं. 14 पुराना नं., दूसरी मंजिल नाथमुनि स्ट्रीट, टी. नगर चेन्नै– 600 017	चेन्नै
7.	मेसर्स नवीन सोनी एण्ड एसोसिएटस 1286, पहली मंजिल, सेक्टर 21–बी	चण्डीगढ़
8.	मेसर्स एन. मार्डा एण्ड एसो. जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के सामने 164/1, तिब्बत रोड गंगटोक–737 101	गंगटोक
9.	मेसर्स एस.पी. भाटी एण्ड कं. दूसरी मंजिल, रोशन मार्केट एसआरसीबी रोड गुवाहाटी – 781 001	गुवाहाटी
10.	मेसर्स दिलीप खैतान एण्ड कं. 362–बी, बेतिया हाटा हनुमान मंदिर के पास गोरखपुर– 273 001	गोरखपुर
11.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस 217, ध्रुव अपार्टमेंटस 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली– 110 092	मुख्यालय
12.	मेसर्स नाग एण्ड एसोसिएटस बी–6, देवी शॉपंग कॉम्प्लेक्स डाकघर एवं थाना डानकुनी जिला हुगली– 712311	ईटानगर
13.	सेसर्स एस.एल.गंगवाल एण्ड कं. अरीहन्त,एस–23, मंगल मार्ग बापू नगर, जयपुर– 302015	इम्फाल
14.	मेसर्स संजय कुमार जैन एण्ड एसोसिएटस गुरुमुख बिल्डिंग इलाहाबाद बैंक के पास कालीबाड़ी रोड, दीमापुर नागालैण्ड	कोहिमा
15.	मेसर्स सर्राफ एण्ड चन्द्रा 501, अशोक हाउस बी .ए, हेयर स्ट्रीय, 5वीं मंजिल कोलकाता – 700 001	कोलकाता एवं राँची
16.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस 217, ध्रुव अपार्टमेंटस 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली– 110 092	नई दिल्ली
17.	मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कं. 401, राजेन्द्र एन्क्लेव शशि कॉम्प्लेक्स के पीछे एक्जीबिशन रोड पटना	पटना
18.	मेसर्स एसडीएम एण्ड कं. ईएनएनसीओ फिलिंग स्टेशन के पास शेख अल–आलम अस्पताल के सामने छोटा बाजार, करण नगर श्रीनगर – 190 010	श्रीनगर
19.	मेसर्स आर.पाल एण्ड कं. सी.पी.आई. कार्यालय परिसर क्विंटन रोड शिलांग–793 001	शिलोंग

ch-Mh-xIrk ,.M ,lkfl,V~l

'kklif=r y[kkdkj

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
अध्यक्ष
अधिशासी परिषद
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सीचना प्रौद्योगिकी संस्थान

foŸkh; fooj.k ij fjikVZ

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6 सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003 (जिसे आगे सोसाइटी कहा गया), संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था, की 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के संलग्न तुलन पत्र तथा इसी वर्ष में समाप्त आय तथा व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा कर ली है तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण सूचना संलग्न की है, जिसके साथ दिल्ली मुख्यालय, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तथा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा की गई लेखा परीक्षित 19 केन्द्रों – आइजॉल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर, गुवा. हाटी, कोलकाता, चण्डीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, राँची तथा ईटानगर के विवरण तथा हमारे द्वारा लेखा परीक्षित दिल्ली केन्द्र के विवरण शामिल किए गए है।

foŸkh; fooj.kksa ij çc/k ox dh ftEenkjh

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सोसायटी के प्रबंध वर्ग की है, जो भारत में सामान्य रूप में स्वीकृत लेखांकन के सिद्धान्तों के अनुसार सोसायटी की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय निष्पादन का सही चित्र प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में सोसायटी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार लेखाओं के पर्याप्त रिकाडों का रखरखाव करना तथा धोखाधड़ियों तथा अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं समुचित लेखांकन नीतियों का चयन एवं प्रयोग ऐसे निर्णय लेना तथा अनुमान लगाना जो यथोचित एवं विवेकपूर्ण हों; तथा पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण करना, जो लेखांकन रिकार्डों कीं शुद्धता एवं पूर्णता का सुनिश्चय करने के लिए प्रभावी हैं तथा जो वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक हो जो किसी प्रकार के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से हो, से मुक्त हो, शामिल हैं।

y[kk&ijh{kdksa dh ftEenkjh

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा–परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है। हमने लेखांकन तथा लेखा–परीक्षा के मानकों तथा ऐसे मामलों पर ध्यान दिया है जो अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत लेखा–परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना अपेक्षित है।

हमने लेखांकन के मानकों के अनुसार अपनी लेखा–परीक्षा की है। मानकों में अपेक्षा की गई है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा लेखा–परीक्षा की योजना एवं निष्पादन इस प्रकार करें कि एक यथार्थ आश्वासन प्राप्त किया जाए कि वित्तीय विवरण तथ्यात्मक गलत विवरण से मुक्त है।

लेखा–परीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशि तथा प्रकटनों के बारे में लेखा–परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की कार्यात्मक कार्यपद्धति शामिल होती है। चुनी जाने वाली कार्यपद्धति लेखा–परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करेगी, जिसमें वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से, की जोखिम का मूल्यांकन शामिल होता हे। इन जोखिम मूल्यांकनों को करने में लेखा–परीक्षक वित्तीय विवरण के तैयार करने से संबद्ध आन्तरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार करता है जो लेखा की कार्यपद्धति तैयार करने के लिए एक सही एवं उचित चित्र प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों के लिए समुचित हों लेकिन यह राय व्यक्त करने के लिए नहीं कि सोसायटी में वित्तीय रिपोर्टिंग के मामले में पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली उपलब्ध है तथा ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन की प्रभावशीलता कितनी है। प्रयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की यथार्थता और सोसायटी के प्रबंध वर्ग द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों के औचित्य का मूल्यांकन करना, और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी लेखा परीक्षा में शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप लेखा–परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा–परीक्षा की राय व्यक्त करने के आधार के लिए पर्याप्त और समुचित है।

lkis{k jk; dk vk/kkj%

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट की सापेक्षता पर विस्तृत राय इस रिपोर्ट के साथ संलग्न अनुबंध के रूप में दी गई है।

lkis{k jk;

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना और हमे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण, vuqc/k d :i esa lyXu foLr`r lkis{krk ,oa fVIi.kh d v/khu, अधिनियम द्वारा वांछित सूचना इस प्रकार प्रस्तुत करते हैं कि ये भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसरण में सही एवं उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं :

क) तुलन पत्र के मामले में, सोसायटी के 31 मार्च 2015 के अनुसार कार्य की स्थिति तथा
ख) आय तथा व्यय लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष में अतिशेषय तथा
ग) प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान।

/;ku nsus ;kX; fcUnq

हम इन बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित करते हैं : 5(च) – चण्डीगढ़ केन्द्र में अग्नि दुर्घटना के कारण क्षति तथा बीमा का दावा के संबंध में, बिन्दु सं. 8 – लखनऊ विस्तार केन्द्र द्वारा लेखांकन नीति में परिवर्तन के संबंध में तथा बिन्दु सं. 10 – अनुसूची 24 के चण्डीगढ़ नगर निगम से वसूली योग्य राशि के संबंध में तथा बिन्दु सं. 4 – अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋण के प्रावधान के संबंध में, बिन्दु 5(ख), (ग), (घ), (ङ) (च) (छ) वित्तीय विवरण की अनुसूची 25 के राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के संबंध में। लेकिन, उपर्युक्त के मामले में हमारी राय सापेक्ष नहीं है।

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

कृते बी.डी. गुप्ता एँड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
(फर्म पंजीकरण नम्बर 016041एन)

सीए सचिन कुमार
(भागीदार)
(सदस्य संख्या 511820)

स्थानः दिल्ली
दिनांकः 11.09.2015

DELHI : 217, Dhruv Apartments, 4, I. P. Extension, Patparganj, Delhi-110092, Ph. : 011-22724123, 22720236
GURGAON : 777, Sector-39, Near Cyber Park, Gurgaon-122001
E-mail : bdgupta.associates@gmail.com; bdguptaca@gmail.com / Fax : 011-22720236

foŸkh; o"kZ 2014&15 ds fy, Lor=a y[kk&ijh{kd dh fjikVZ ds Hkkx ds :i esa vuqcU/k

दिल्ली केन्द्र के मामले में

1. अन्यों से पेशगियों में रु. 13,52,981/– शामिल हैं, जहाँ पार्टियों का पता नहीं लगाया जा सका, जिसमें फीस/प्राप्त आय शामिल हो सकती है जिसके फलस्वरूप केन्द्र की आय में वृद्धि हो सकती है या देनदारों द्वारा वसूली हो सकती है जिसके फलस्वरूप देनदारों में कमी हो सकती है।

2. अपनी देयता के संबंध सोसायटी के प्रबंध वर्ग का विचार (उनकी राय में यह है कि वे ईएसआई तथा भविष्य निधि की निम्नलिखित राशि में कटौती करने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं) अनुबंधित श्रमिकों के मामले में रु. 51,56,874/– की राशि की ईएसआई तथा रु. 2,36,288/– की राशि की भविष्य निधि की राय द्वारा समर्थित नहीं है, जिसके कारण यदि उसे देयता के रूप में रखा जाता है तो केन्द्र के लाभ की राशि में कमी हो सकती है।

3. आकस्मिक देयता के संबंध में लेखाओं पर टिप्पणी की अनुसूची 25 के बिन्दु सं. 1(ड), जिसके कारण वर्तमान देयताओं को कम बताया गया है और आरक्षित एवं अतिशेष राशि रु. 20,92,970/– अधिक बताई गई है।

p.Mhx< dkWæ ds f'keyk foLrkj dkWæ ds ekeys esa

4. रु. 8,14,529/– का चेक था जिन्हें केन्द्र के बैंक खाते में जमा किया गया था लेकिन लेखा बहियों में उनकी प्रविष्टि नहीं की गई। इसके परिणामस्वरूप बैंक शेष को कम बताया गया है तथा देनदारों को रु. 8,14,529/– की राशि से अधिक बताई गई है।

B.D. Gupta & Associates
DELHI
FRN
016041N
Chartered Accountants

y[kk&ijh{kk fVIif.k;k

y[kkvk d lEijhf{kr fooj.kk ij çc/k ox d mÿkj

Ø-l-	y[kk&ijh{kk fVIif.k;k	çc/k ox d mÿkj
	fnYyh dUæ d ekey e	
1.	vU;k l i'kfx;k e #- 13]52]981@& 'kkfey g] tgk ikfV;k dk irk ugÈ yxk;k tk ldk] ftle Qhl@çkIr vk; 'kkfey gk ldrh g ftld QyLo:i dUæ dh vk; e of) gk ldrh g ;k nunkjk l olyh gk ldrh g ftld QyLo:i nunkjk e deh gk ldrh gA	नाइलिट दिल्ली केन्द्र द्वारा पेशगियों का पता लगाने और समायोजन करने के प्रयास किए जा रहे हैं जिसके लिए बैंकों से उपयुक्त बैंक एडवाइस उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जा रहा है ताकि उन पार्टियों की पहचान की जा सके जिन्होंने भुगतान किए हैं और तदनुसार इन पेशगियों को आय के रूप में दर्शाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
2.	viuh n;rk d lc/k lklk;Vh d çc/k ox dk fopkj ¼mudh ;g jk; g fd o b, lvkb rFkk Hkfo"; fuf/k dh fuEufyf[kr jkf'k dh dVkrh dju d fy, ftEenkj ugÈ g½ vuqcf/kr Jfedk d ekey e #- 51]56]874@& dh jkf'k dh b, lvkb rFkk #- 2]36]288@& dh jkf'k dh Hkfo"; fuf/k dh jk; }kjk lefFkr ugÈ g] ftld dkj.k ;fn ml n;rk d :i e j[kk tkrk g rk dUæ d ykHk dh jkf'k e deh gk ldrh gA	प्रयोक्ता विभागों से अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात नाइलिट दिल्ली केन्द्र के विभिन्न विभागों में नियोजित सभी अनुबंधित कर्मचारियों के मामले में ईएसआई लागू की गई है। इस समय, सभी कर्मचारी ईएसआई तथा ईपीएफ के अन्तर्गत शामिल हैं। नाइलिट दिल्ली केन्द्र के वर्ष 2014–15 से ईएसआईसी रिकार्डों/चालानों की जाँच भी ईएसआईसी विभाग द्वारा कर ली गई है।
3.	vkdfLed n;rk d lc/k e y[kkvk ij fVIi.kh dh vuqlph 25 d fcUn l- 1¼M½] ftld dkj.k orleku n;rkvk dk de crk;k x;k g vkj vkjf{kr ,o vfr'k"k jkf'k #- 20]92]970@& vf/kd crkb xb gA	नाइलिट दिल्ली केन्द्र द्वारा संबंधित पार्टियों से सामग्रियों की आपूर्ति के लिए भुगतान के दावे प्राप्त होने के पश्चात रु. 20.93 लाख की आकस्मिक देयता का निपटान किया जाएगा।
	p.Mhx< dUæ d f'keyk foLrkj dUæ d ekey e	
4.	#- 8]14]529@& d pd Fk ftUg dUæ d cd [kkr e tek fd;k x;k Fkk yfdu y[kk cfg;k e mudh çfof"V ugÈ dh xbA bld ifj.kkeLo:i cd 'k"k e tek jkf'k dk de crk;k x;k g rFkk nunkjk dk #- 8]14]529@& dh jkf'k l vf/kd crkb xb gA	रु 8,14,529/– की राशि का अब पता लगा लिया गया है तथा नाइलिट चण्डीगढ़ केन्द्र के वर्ष 2014–15 की लेखा बहियों में शामिल कर लिया गया है।

r|yu&i=

31 ekp| 2015 dh fLFkfr d| vu|lkj

(राशि रुपए में)

fooj.k	vu|lph	or|eku o"k ukbfyV	or|eku o"k ,uihvkj ifj;ktuk	or|eku o"k	xr o"k ukbfyV	xr o"k ,uihvkj	xr o"k
n;rk,							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	1,58,36,80,478	2,64,12,44,460	4,22,49,24,938	1,22,14,10,247	1,32,48,17,714	2,54,62,27,961
सहायता अनुदान	2	1,75,14,00,454	-	1,75,14,00,454	1,53,15,24,442	-	1,53,15,24,442
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	1,47,77,21,545	-	1,47,77,21,545	61,93,38,233	-	61,93,38,233
आरक्षित एवं अतिशेष	3	6	-	6	4	-	4
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	92,44,12,753	1,37,01,58,327	2,29,45,71,080	73,60,75,067	1,04,46,64,136	1,78,07,39,203
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	7,316	-	7,316	2,79,906	-	2,79,906
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	78,45,35,304	2,04,16,88,364	2,82,62,23,668	87,49,99,076	3,76,04,69,593	4,63,54,68,669
;kx		**6,52,17,57,856**	**6,05,30,91,151**	**12,57,48,49,007**	**4,98,36,26,975**	**6,12,99,51,443**	**11,11,35,78,418**
ifjlEifÿk;k							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– सहायता अनुदान	8	63,55,52,658	-	63,55,52,658	29,83,35,316	-	29,83,35,316
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	7,00,72,756	14,97,234	7,15,69,990	5,15,01,875	18,91,203	5,33,93,078
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	5,23,52,965	-	5,23,52,965	4,34,91,607	-	4,34,91,607
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	55,70,55,786	-	55,70,55,786	61,67,60,879	-	61,67,60,879
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट नधि का निवेश	10	89,00,15,100	-	89,00,15,100	66,76,93,458	-	66,76,93,458
अन्य निवेश	11	80,62,19,704	-	80,62,19,704	36,17,78,088	-	36,17,78,088
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ	12	3,51,04,88,887	6,05,15,93,917	9,56,20,82,804	2,94,40,65,752	6,12,80,60,240	9,07,21,25,992
;kx		**6,52,17,57,856**	**6,05,30,91,151**	**12,57,48,49,007**	**4,98,36,26,975**	**6,12,99,51,443**	**11,11,35,78,418**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

Rajeev Abhishek Sanjeev

LFkku % नई दिल्ली
fnukad % 11.09.2015

¼jktho ryokj½
e|[; fdÿk vf/kdkjh

¼Mk- vf'ouh dekj 'kek½
çc/k funs'kd

¼lh, lfpu dekj½
¼Hkkxhnkj½
¼l-l- 511820½

r|yu&i=

31 ekp| 2015 dh fLFkfr d vu|lkj

(राशि रुपए में)

fooj.k	vu|lph	or|eku o"k	xr o"k
n;rk,¡			
समेकित/पूँजीगत निधि	1	4,22,49,24,938	2,54,62,27,961
सहायता अनुदान	2	1,75,14,00,454	1,53,15,24,442
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	1,47,77,21,545	61,93,38,233
आरक्षित एवं अतिशेष	3	6	4
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	2,29,45,71,080	1,78,07,39,203
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	7,316	2,79,906
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	0	0
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,82,62,23,668	4,63,54,68,669
;kx		**12,57,48,49,007**	**11,11,35,78,418**
ifjlEifÿk;k¡			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	63,55,52,658	29,83,35,316
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाए	8-A	7,15,69,990	5,33,93,078
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	5,23,52,965	4,34,91,607
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	55,70,55,786	61,67,60,879
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	89,00,15,100	66,76,93,458
अन्य निवेश	11	80,62,19,704	36,17,78,088
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	9,56,20,82,804	9,07,21,25,992
;kx		**12,57,48,49,007**	**11,11,35,78,418**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

Rajeev

LFkku % नई दिल्ली
fnukad % 11.09.2015

¼jktho rqyokj½
e[; fo|k vf/kdkjh

¼MkW- vf'ouh dqekj 'kekZ½
çca/k funs'kd

¼lh, lfpu dqekj½
¼Hkkxhnkj½
¼l-l- 511820½

vk; rFkk 0;; ys[kk
31 ekp 2015 dks lekIr o"kZ

(राशि रुपए में)

fooj.k	vuqlwph	orZeku o"kZ	xr o"kZ
vk;			
सेवाओं से आय	13	76,22,87,455	64,69,28,457
अनुदान/इमदाद	14	18,00,90,359	12,41,85,500
शुल्क/अंशदान	15	63,22,39,362	72,32,14,684
परियोजनाओं से आय	16	2,09,42,48,754	2,13,14,96,933
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	11,97,330	17,15,881
अर्जित ब्याज	18	24,74,32,587	24,70,74,375
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	4,32,287	5,92,867
fofo/k vk;	20	16,80,37,423	11,44,25,823
;kx ¼d½		4,08,59,65,557	3,98,96,34,520
0;;			
स्थापना व्यय	21	57,03,04,329	48,92,87,855
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	36,93,08,388	35,91,76,594
परियोजनाओं पर व्यय	23	56,75,93,629	1,35,92,41,785
सेवाओं पर व्यय	23	56,51,11,315	47,69,81,925
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– सहायता अनुदान	22	11,46,49,267	7,31,95,123
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास . अधिशेष से	22	1,23,34,520	57,74,249
;kx ¼[k½		2,19,93,01,448	2,76,36,57,531
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		1,88,66,64,109	1,22,59,76,989
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,97,84,647	6,15,44,070
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		1,79,68,79,462	1,16,44,32,919
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

Rajeev Ashish Sanjay

LFkku % नई दिल्ली
fnukad % 11.09.2015

¼jktho rqyokj½
e[; foÙk vf/kdkjh

¼MkW- vf'ouh dqekj 'kekZ½
çca/k funs'kd

¼lh, lfpu dqekj½
¼Hkkxhnkj½
¼l-l- 511820½

vk; rFkk 0;; y[kk
31 ekp 2015 dk lekIr o"k

(राशि रुपए में)

fooj.k	vuqlph	orZeku o"k ukbfyV	orZeku o"k ,uihvkj ifj;kstuk	orZeku o"k	xr o"k ukbfyV	xr o"k ,uihvkj	xr o"k
vk;							
सेवाओं से आय	13	76,22,87,455	0	76,22,87,455	64,69,28,100	357	64,69,28,457
अनुदान/इमदाद	14	18,00,90,359	0	18,00,90,359	12,41,85,500	0	12,41,85,500
शुल्क/अंशदान	15	63,22,39,362	0	63,22,39,362	72,32,14,684	0	72,32,14,684
परियोजनाओं से आय	16	70,02,31,142	1,39,40,17,612	2,09,42,48,754	66,35,14,119	1,46,79,82,814	2,13,14,96,933
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	11,97,330	0	11,97,330	17,15,881	0	17,15,881
अर्जित ब्याज टाउनशिप से प्राप्तियाँ	18	24,53,97,172	20,35,415	24,74,32,587	19,31,26,356	5,39,48,019	24,70,74,375
विविध आय	19	4,32,287	0	4,32,287	5,92,867	0	5,92,867
सेवाओं से आय	20	16,80,31,992	5,431	16,80,37,423	11,30,87,540	13,38,283	11,44,25,823
;kx ¼d½		**2,68,99,07,099**	**1,39,60,58,458**	**4,08,59,65,557**	**2,46,63,65,047**	**1,52,32,69,473**	**3,98,96,34,520**
0;;							
स्थापना व्यय	21	56,54,24,810	48,79,519	57,03,04,329	47,42,55,679	1,50,32,176	48,92,87,855
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	36,83,00,140	10,08,248	36,93,08,388	35,51,02,019	40,74,575	35,91,76,594
परियोजनाओं पर व्यय	23	49,38,49,684	7,37,43,945	56,75,93,629	48,02,31,528	87,90,10,257	1,35,92,41,785
सेवाओं पर व्यय	23	56,51,11,315	0	56,51,11,315	47,69,81,925	0	47,69,81,925
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– सहायता अनुदान	22	11,46,49,267	0	11,46,49,267	7,31,95,123	0	7,31,95,123
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– अधिशेष से	22	1,23,34,520	0	1,23,34,520	57,74,249	0	57,74,249
;kx ¼[k½		**2,11,96,69,736**	**7,96,31,712**	**2,19,93,01,448**	**1,86,55,40,523**	**89,81,17,008**	**2,76,36,57,531**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		57,02,37,363	1,31,64,26,746	1,88,66,64,109	60,08,24,524	62,51,52,465	1,22,59,76,989
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,97,84,647	0	8,97,84,647	6,15,44,070	0	6,15,44,070
vf/k'k"k dk :i esa 'k"k dk lefdr@iqjLkrxr fuf/k esa ys tk;k x;k		**48,04,52,716**	**1,31,64,26,746**	**1,79,68,79,462**	**53,92,80,454**	**62,51,52,465**	**1,16,44,32,919**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

LFkku % नई दिल्ली
fnukad % 11.09.2015

¼jktho rqyokj½
eq[; foÙk vf/kdkjh

¼MkW- vf'ouh dqekj 'kekZ½
çca/k funs'kd

¼lh, lfpu dqekj½
¼Hkkxhnkj½
¼l-l- 511820½

vuqlwph 1 %

lefdr@iwathxr fuf/k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
vk; rFkk 0;; lek;kstu [kkrk		
क. वर्ष के आरम्भ में शेष	2,39,52,29,961	1,36,25,63,826
जोड़िए/घटाइए : मुख्यालय के अतिशेष से केन्द्रों को अन्तरित	(69,13,000)	(65,00,000)
घटाइए : भभवन निधि को अन्तरित	(10,00,00,000)	(12,00,00,000)
घटाइए : भ अन्य पूर्व अवधि समायोजन	79,65,214	32,33,216
घटाइए रू उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(1,92,34,699)	(85,00,000)
जोड़िए : सहायता अनुदान से अन्तरित निधि	-	-
जोड़िएः व्यय/(आय) से अधिक आय/(व्यय)	1,79,68,79,462	1,16,44,32,919
;ksx d	**4,07,39,26,938**	**2,39,52,29,961**
ख. नाइलिट योजना के अतिशेष जारी		
vFkZ 'ks"k ;ksx [k	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
o"kZ ds vUr esa 'ks"k ;ksx d $ [k	**4,22,49,24,938**	**2,54,62,27,961**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 2 %

lgk;rk vuqnku

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
eq[; dk;Zdykiksa ds fy, lgk;rk vuqnku&d ctVh; lkjka'k		
dsUæ ljdkj ls lgk;rk vuqnku		
vFk 'ks"k	1,35,39,91,937	1,04,81,93,414
जोडिएः ब्याज पूँजीकृत	1,58,88,754	47,78,772
जोडिएः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजनागत अनुदान/केन्द्रों द्वारा वापस	7,00,00,000	7,63,87,000
जोड़िए : नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	27,32,24,779	40,26,00,000
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई राशि	-	(5,71,41,000)
जोड़िए : पूर्वोत्तर परियोजना के अन्तर्गत प्राप्त निधियाँ	-	-
घटाइए : आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(9,40,28,201)	(4,83,94,799)
जोड़िए/(घटाइए) : वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पूँजीकृत/अन्य केन्द्रों को अन्तरित	10,13,886	5,80,337
जोड़िए/घटाइए : पूर्व अवधि समायोजन	(1,26,88,403)	1,83,336
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(11,46,49,267)	(7,31,95,123)
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**1,49,27,53,485**	**1,35,39,91,937**
ukbfyV dsUæksa ds bZVkuZV dh LFkkiuk		
vFk 'ks"k	6,51,53,644	2,00,00,000
जोड़िए : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त	1,54,48,755	4,41,92,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान ब्याज	2,07,480	9,61,644
घटाइए : केन्द्रों को वितरित निधि	(4,42,180)	-
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**8,03,67,699**	**6,51,53,644**
lgk;rk vuqnku ¼foLrkj dsUæ½		-
vFk 'ks"k	5,81,00,867	2,00,31,815
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से योजनागत अनुदान	7,63,77,000	8,97,32,000
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	50,17,677	-
जोड़िए : अर्जित ब्याजध अन्य स्रोतो से आय	17,08,854	2,25,430
जोड़िए : पाठ्यक्रमों से आय	16,25,000	11,13,000
घटाइए : आस्थगित राज्स्व व्यय वापस किया गया	(37,51,234)	
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई	-	(41,81,000)
घटाइए : आवर्ती व्यय एवं सहायता अनुदान योजना भिन्न को अन्तरित	(95,02,490)	(3,95,62,903)
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(1,20,72,012)	(92,57,475)
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**11,75,03,662**	**5,81,00,867**
Hkou ds fy, lgk;rk vuqnku		
vFk 'ks"k	3,48,26,412	2,96,26,412
जोड़िए : पूँजीकृत ब्याज	-	2,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	69,13,000	50,00,000
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**4,17,39,412**	**3,48,26,412**
lwpuk çkS|kfxdh foHkkx ls iÍk fdjk;k ds fy, vuqnku		
अथ शेष	50,66,667	50,66,667
वर्ष के दौरान प्रयुक्त	(3,21,667)	-
31.03.15 को इति शेष	**47,45,000**	**50,66,667**

जारी है.....

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 2 %

lgk;rk vuqnku

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
राज्य सरकार से सहायता अनुदान		
vFkZ 'ks"k	1,42,94,914	1,45,09,040
जोड़िए : पूँजीकृत निधियाँ/ब्याज	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(93,719)	(2,14,126)
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**1,42,01,195**	**1,42,94,914**
अन्यों से सहायता अनुदान		
vFkZ 'ks"k	90,001	90,001
31-03-15 dks bfr 'ks"k	**90,001**	**90,001**
o"kZ ds vUr esa 'ks"k	**1,75,14,00,454**	**1,53,15,24,442**

fVIi.kh:-i) सहायता अनुदान के अथशेष में गत वर्षों के वापस लाए गए मूल्यह्रास तथा गत वर्षों में पूँजीगत निधि से अन्य समायोजन शामिल हैं।

ii) केन्द्रों को जारी अतिशेष निधियों की राशि समेकित निधि में अन्तरित की गई है।

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kekZ½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 2d %

ik;kftr ifj;kstukvksa ls ikIr lgk;rk&vuqnku ¼[k½

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
çk;kftr ifj;kstukvksa ds fy, çkIr lgk;rk vuqnku		
Mkuj ifj;kstuk		
vFk 'ks"k	30,86,159	29,07,508
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	3,37,980
घटाइए:प्रयोग में लाई गईध्लौटाई गई निधि	(13,32,060)	-
घटाइए:मूल्यह्रास वापस लाया गया	(71,180)	(1,59,329)
o"kZ ds vUr esa 'ks"k ¼d½	**16,82,919**	**30,86,159**
MhvkbVh ,oa dsUæ ljdkj dh ifj;kstuk,¡		
vFk 'ks"k	60,84,25,127	74,43,76,961
जोडिए:परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,62,88,64,530	92,37,92,790
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	36,79,711	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	4,15,80,277	7,11,99,158
अन्य संवर्धनः फीस/पेशगियाँ आदि	14,58,178	37,91,937
धटाइएः आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	(80,00,90,712)	(1,12,23,49,999)
घटाइए : परियोजना आय को अन्तरित व्यय	(5,20,914)	(51,89,730)
घटाइएः मूल्यह्रास वापस लाया गया	(1,44,85,399)	(71,95,990)
bfr 'ks"k ¼[k½	**1,46,89,10,798**	**60,84,25,127**
vU; ifj;kstuk,¡		
vFk 'ks"k	20,08,070	31,33,764
जोडिएः वर्ष के दौरान प्राप्तध् अन्तरित निधि	34,77,024	35,22,486
धटाइए:आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	(42,03,857)	(45,68,390)
घटाइएः मूल्यह्रास वापस लाया गया	(65,206)	(79,790)
bfr 'ks"k ¼x½	**12,16,031**	**20,08,070**
jkT; ljdkj dh ifj;kstuk,¡		
vFk 'ks"k	58,18,877	96,27,572
जोडिएः वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	46,31,928	1,05,29,576
जोडिएः वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	4,491	59,587
घटाइएः मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
धटाइएः आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि	(45,43,499)	(1,43,97,858)
bfr 'ks"k ¼Ä½	**59,11,797**	**58,18,877**
jk"Vªh; tulg;k jftLVªj		
vFk 'ks"k	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अन्तरित	-	-
जोड़िए : परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए : एपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	-
bfr 'ks"k ¼³½	-	-
;ksx ¼d$[k$x$Ä$³½	**1,47,77,21,545**	**61,93,38,233**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 3 %

vkjf{kr fuf/k ,oa vfr'k"k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
पूँजीगत आरक्षित निधि*	6	4
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अतिशेष/(कमी)	-	-
;ksx	**6**	**4**

*निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के कारण

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 4 %

b;jekDM@,uMkmesV fuf/k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
d- fuf/k;ksa dk vFk 'ks"k		
Hkou fuf/k		
vFk 'ks"k	60,83,58,320	46,46,90,419
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	12,00,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,59,30,296	3,35,99,784
जोड़िए : अर्जित ब्याज	2,20,24,112	1,67,98,013
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	(9,24,521)	(2,67,29,896)
bfr 'ks"k	**66,53,88,207**	**60,83,58,320**
ikBlkexh fodkl fuf/k		
vFk 'ks"k	55,94,864	51,52,759
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	(17,23,915)	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,18,651	3,81,637
जोड़िए : अर्जित ब्याज	60,105	60,468
bfr 'ks"k	**43,49,705**	**55,94,864**
v-tk@v-t-tk] fodyksx ,oa efgyk Nk=ofÙk fuf/k		
vFk 'ks"k	58,82,445	85,27,432
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	(5,471)	8,13,543
जोड़िए : अर्जित ब्याज	5,26,871	5,470
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ/वितरण	(14,94,000)	(34,64,000)
bfr 'ks"k	**49,09,845**	**58,82,445**
ijLdkj fuf/k		
vFk 'ks"k	1,51,666	3,77,299
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	14,215	19,218
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	149
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(2,30,000)	(2,45,000)
bfr 'ks"k	**(64,119)**	**1,51,666**
ekuo lalk/ku fodkl dk fy, vuqla/kku ,oa fodkl fuf/k		
vFk 'ks"k	3,70,76,283	3,39,09,706
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	21,17,966	17,94,362
जोड़िए : अर्जित ब्याज	14,10,254	13,72,215
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
vFk 'ks"k	**4,06,04,503**	**3,70,76,283**
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय का विकास		
vFk 'ks"k	3,82,78,502	3,48,72,927
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	26,10,883	23,14,240
जोड़िए : अर्जित ब्याज	9,96,210	10,91,335
bfr 'ks"k	**4,18,85,595**	**3,82,78,502**

जारी हैं.....

vuqlwph 4 %

b;jekDM@,uMkmeV fuf/k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
if'k{k.k ,oa ukbfyV dh dkfeZdksa dk iwath if'k{k.k		
vFkZ 'ks"k	3,03,25,296	2,87,14,008
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	31,09,625	27,16,309
जोड़िए : अर्जित ब्याज	1,53,619	1,78,499
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(6,73,409)	(12,83,520)
bfr 'ks"k	**3,29,15,131**	**3,03,25,296**
mi nku ,oa NqÍh udnhdj.k fuf/k		
vFkZ 'ks"k	1,04,07,691	15,08,863
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	1,92,34,699	85,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,74,742	87,217
जोड़िए : अर्जित ब्याज	4,05,376	3,11,611
bfr 'ks"k	**3,06,22,508**	**1,04,07,691**
fpfdRlk 0;; çfrifrZ fuf/k		
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	36,00,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	2,01,378	-
bfr 'ks"k	**38,01,378**	**-**
fnYyh dUæ dh fy, Hkou fuf/k		-
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	10,00,00,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
bfr 'ks"k	**10,00,00,000**	**-**
,uihvkj@vkj thvkbZ fuf/k ¼C;kt½	-	66,53,68,137
वर्ष के दौरान संवर्धन	2,51,21,51,475	1,14,71,91,848
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	5,82,41,076	27,67,68,287
घटाया: एनपीआर परियोजना में स्थानांतरित	(1,20,02,34,224)	(1,04,46,64,136)
इति शेष	**1,37,01,58,327**	**1,04,46,64,136**
वर्ष के अन्त में शुद्ध शेष	**2,29,45,71,080**	**1,78,07,39,203**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 5 %

ljf{kr _.k rFkk m/kkfj;k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को बंधक में रखने पर सुरक्षित)	7,316	2,79,906
अनुसूचित बैंक से नकद उधारी	-	-
अनुसूचित बैंकों में नकद जमा पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
;ksx	**7,316**	**2,79,906**

vuqlwph 6 %

vlqjf{kr _.k rFkk m/kkfj;k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
डिमाण्ड नकद उधारी	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
;ksx	-	-

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 7 %

l

(राशि रुपए में)

प्दबवउ

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
¼d½ orZeku n;rk,¡		
1- QqVdj ys[kkj		
कम्प्यूटर तथा उपस्कर	94,33,267	62,07,571
आपूर्तिकर्ता	9,06,84,280	3,84,13,784
सेवाएँ	27,15,67,001	40,00,43,407
2- çkIr lqj{kk tek jkf'k		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	5,07,36,911	5,18,55,175
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	28,21,93,516	27,61,12,691
जमानती राशिध पुस्तकालय सुरक्षा	1,82,68,044	82,02,330
प्रतिधारण राशि दण्ड	17,50,60,429	17,50,45,375
3- çkIr iq'kfx;k¡		
विद्यार्थियों से	8,03,85,392	8,06,86,762
अन्यों से	4,52,37,034	7,41,72,127
आरजीआई से	1,23,74,64,622	2,96,03,08,500
नाइलिट योजना से . .	-	-
4- 0;; dh n;rk,¡		
संचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
संचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
संचित ब्याज–अन्य	-	32,05,547
देयताएँ–अन्य व्यय	19,97,14,159	7,79,23,067
5- deZpkfj;ksa dks n;; osru] etnwjh rFkk vU; nkos		
देय वेतन तथा मजदूरी	2,66,93,789	2,40,63,865
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	3,470	3,470
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	35,00,557	23,58,379
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	80,04,317	20,05,883
6- fuf/k;ksa esa vaknku		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ/ईपीएफ)	84,16,379	52,06,793
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	7,80,888	8,25,883
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–पीएफ	21,27,335	-
संस्था का अंशदान–सीपीएफ	1,20,59,737	1,09,20,861
ऋण की वसूली	7,81,357	88,885
जब्त किया गया खाता	43,569	43,569

जारी है.....

vuqlwph 7 %

orZeku nsnfy;k,¡ ,oa çko/kku

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
7- tek ugÈ gkus okyh nsnfy;k¡		
वेतन पर आयकर	26,30,267	34,66,222
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	1,24,112	1,10,299
रोजगार/व्यावसायिक कर	2,80,405	2,36,370
प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों से वसूली	150	12,307
वेतन से अन्य वसूलियाँ	7,40,102	1,04,581
सामूहिक बीमा	6,864	6,726
8- vU; nsnfy;k¡	-	(4,42,853)
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	20,75,274	28,64,556
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	23,44,509	17,78,625
प्रत्यायन व्यय देय	97,218	59,532
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी	14,93,043	4,67,720
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	52,58,541	53,12,310
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	4,76,229	4,97,586
अन्य देय व्यय	2,63,92,380	1,42,76,053
लेखा–परीक्षक को देय राशि	5,56,774	5,96,816
वेतन पर टीडीएस	1,16,822	54,614
सेवा कर देय	67,54,716	31,87,522
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट	2,26,142	2,760
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना/नाइलिट को देय राशि	1,32,84,527	18,22,56,985
अन्तर–केन्द्र पटना आरसी	-	16,64,307
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	-	-
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	21,24,571	12,52,910
सूचना–सामग्री विकास के लिए पेशगी	1,85,000	4,85,000
;kx ¼d½	**2,58,83,23,699**	**4,41,59,44,872**
¼[k½ çko/kku		
कराधान के लिए प्रावधान	35,135	-
अनुग्रह राशि/बोनस के लिए प्रावधान	1,03,332	1,11,104
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	-
देय सेवा कर के लिए प्रावधान	-	-
व्यय तथा अन्य के लिए प्रावधान	2,18,07,798	2,88,72,372
छुट्टी वेतन के लिए प्रावधान	16,81,69,834	14,63,78,876
उपदान के लिए प्रावधान	13,66,07,305	12,66,48,883
घटाइएः एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	(8,88,23,435)	(8,24,87,438)
;kx ¼[k½	**23,78,99,969**	**21,95,23,797**
;kx ¼d½ $ ¼[k½	**2,82,62,23,668**	**4,63,54,68,669**

हस्ता/–
¼jkjtho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 8 %

fLFkj ifjlEifÙk;ksa ds fooj.k

(राशि रुपए में)

	ldy ekfy;r				eY;gkl 'k) ekfy;r				ldy ekfy;r	
fooj.k	o"kZ ds vkjEHk esa ykxr 01-04-14 dks	o"kZ ds nkSjku c<+krjh	o"kZ ds nkSjku dVkSrh	31-03-2015 dks ykxr@eY;	o"kZ ds vkjEHk esa	o"kZ ds nkSjku c<+krjh	o"kZ ds nkSjku lek;kstu@ dVkSrh	o"kZ ds vUr rd ;kx	orZeku o"kZ ds vUr esa	xr o"kZ ds vUr esa
1. भूमि										
क) फ्री होल्ड	5	-	-	5	-	-	-	-	5	5
ख) पट्टाकृत	24,000	6,000	-	30,000	-	-	-	-	30,000	24,000
2. भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	24,36,33,483	36,02,82,945	-	60,39,16,428	15,61,65,956	4,66,59,115	-	20,28,25,071	40,10,91,357	8,74,67,527
ख) पट्टाकृत	2,03,128	-	-	2,03,128	-	-	-	-	2,03,128	2,03,128
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	7,96,27,551	30,93,660	-	8,27,21,211	5,36,74,775	12,58,154	-	5,49,32,929	2,77,88,282	2,59,52,776
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	8,10,39,899	36,44,269	-	8,46,84,168	5,98,93,285	34,88,032	-	6,33,81,317	2,13,02,851	2,11,46,614
4. वाहन	1,07,41,485	7,12,736	(3,87,459)	1,10,66,762	67,57,225	6,43,835	(3,39,059)	70,62,001	40,04,761	39,84,260
5.फर्नीचर तथा फिक्सचर	10,79,42,749	53,62,038	(6,95,488)	11,26,09,299	5,12,15,275	59,53,742	(4,66,391)	5,67,02,626	5,59,06,673	5,67,27,473
6. कार्यालय उपस्कर	6,58,14,609	1,59,11,787	(1,25,266)	8,16,01,130	3,68,36,343	60,80,469	(99,196)	4,28,17,616	3,87,83,514	2,89,78,267
7.कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	34,23,09,336	5,03,59,878	(1,81,27,441)	37,45,41,773	30,85,43,236	4,08,88,676	(1,80,85,237)	33,13,46,675	4,31,95,098	3,37,66,101
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	4,31,48,722	27,13,698	(5,92,037)	4,52,70,383	2,54,39,998	29,56,280	(5,44,884)	2,78,51,394	1,74,18,989	1,77,08,724
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	4,07,14,033	34,74,340	(1,405)	4,41,86,968	3,96,64,307	30,39,421	(1,405)	4,27,02,323	14,84,645	10,49,726
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	55,32,712	-	-	55,32,712	33,58,134	2,17,458	-	35,75,592	19,57,120	21,74,578
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	1,00,58,432	12,93,800	-	1,13,52,232	63,03,122	5,81,009	-	68,84,131	44,68,101	37,55,310
13. प्रयोगशाला उपस्कर	4,69,95,183	33,17,407	(68,959)	5,02,43,631	3,18,35,222	25,69,436	(66,240)	3,43,38,418	1,59,05,213	1,51,59,961
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	7,84,490	21,22,531	-	29,07,021	5,47,626	3,46,476	-	8,94,102	20,12,919	2,36,864
15. यूएनडीपी उपस्कर	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सडक एवं पुलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	72,534	-	-	72,534	72,534	-	-	72,534	-	-
;kx	**1,07,86,42,353**	**45,22,95,089**	**(1,99,98,055)**	**1,51,09,39,387**	**78,03,07,038**	**11,46,82,103**	**(1,96,02,412)**	**87,53,86,729**	**63,55,52,658**	**29,83,35,316**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlph 8 d %

fLFkj ifjlEifÙk;ksa dk fooj.k ¼çk;kftr ifj;kstuk,½

(राशि रुपए में)

fooj.k	ldy ekfy;r				eY;gkl				ldy ekfy;r	
	o"kZ dk vkjEHk esa ykxr 01-04-14 dks	o"kZ dk nkSjku c<+krh	o"kZ dk nkSjku dVkrh	31.03.2015 dks ykxr@eY;	o"kZ dk vkjEHk esa	o"kZ dk nkSjku c<+krh	o"kZ dk nkSjku lek;kstu@ dVkrh	o"kZ dk vUr rd ;kx	orZeku o"kZ dk vUr esa	xr o"kZ dk vUr esa
1. भूमि										-
फ्री होल्ड	3	-	-	3	-	-	-	-	3	3
ख) पट्टाकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन	-	-	-		-	-	-	-		-
क) फ्री होल्ड	8,49,300	7,53,768	-	16,03,068	43,778	1,18,241	-	1,62,019	14,41,049	-
ख) पट्टाकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	37,38,060	22,29,750	-	59,67,810	4,20,568	6,77,221	-	10,97,789	48,70,021	17,159
4. वाहन	12,42,254	-	-	12,42,254	6,15,252	94,050	-	7,09,302	5,32,952	6,27,002
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	1,48,01,843	33,29,548	-	1,81,31,391	31,04,674	15,09,454	-	46,14,128	1,35,17,263	1,08,09,637
6. कार्यालय उपस्कर	2,76,75,619	12,64,887	-	2,89,40,506	96,41,580	28,38,796	-	1,24,80,376	1,64,60,130	1,80,34,039
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	6,12,47,785	1,88,44,280	(10,724)	8,00,81,341	4,45,72,288	1,79,71,433	-	6,25,43,721	1,75,37,620	1,32,40,819
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	10,86,747	2,38,047	-	13,24,794	1,33,680	1,25,152	-	2,58,832	10,65,962	7,44,521
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	35,05,107	88,660	-	35,93,767	18,71,559	16,32,923	-	35,04,482	89,285	16,33,547
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	61,400	-	-	61,400	4,605	8,519	-	13,124	48,276	56,795
13. प्रयोगशाला उपस्कर	94,01,911	1,04,75,866	-	1,98,77,777	11,72,355	27,49,653	-	39,22,008	1,59,55,769	82,29,556
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	65,705	-	-	65,705	4,928	9,117	-	14,045	51,660	-
15. यूएनडीपी उपस्कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16- lMd ,oa ify;k	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
				-	-	-			-	
				-	**3,90,37,659**	**2,06,92,174**			-	
;ksx	**12,36,75,734**	**3,72,24,806**	**(10,724)**	**16,08,89,816**	**6,15,85,267**	**2,77,34,559**	**-**	**8,93,19,826**	**7,15,69,990**	**5,33,93,078**

vuqlwph 8 [k %

fLFkj ifjlEifÙk;k d fooj.k vfr'k"k fuf/k;k l lftr

(राशि रुपए में)

fooj.k	ldy ekfy;r				eY;gkl				'k) ekfy;r	
	o"k d vkjEHk e ykxr 01-04-14 dk	o"k d nkjku c<krjh	o"k d nkjku dVkrh	31-03-2015 dk ykxr@eY;	o"k d vkjEHk e	o"k d nkjku c<krjh	o"k d nkjku lek;ktu@ dVkrh	o"k d vUr rd ;kx	orlekn o"k d vUr e	xr o"k d vUr e
1. भूमि										
फ्री होल्ड	21,62,859	-	-	21,62,859	-	-	-	-	21,62,859	21,62,859
पट्टाकृत	1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	1,04,93,082	-	-	1,04,93,082	44,23,313	6,06,977	-	50,30,290	54,62,792	60,69,769
ख) पट्टाकृत	12,00,481	-	-	12,00,481	8,23,758	37,672	-	8,61,430	3,39,051	3,76,723
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	36,20,947	-	-	36,20,947	26,48,983	97,196	-	27,46,179	8,74,768	9,71,964
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	39,93,323	-	-	39,93,323	14,47,856	2,54,547	-	17,02,403	22,90,920	25,45,467
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	31,17,166	-	-	31,17,166	17,84,116	1,99,957	-	19,84,073	11,33,093	13,33,050
4. वाहन	14,74,451	8,24,201	(22,777)	22,75,875	12,16,808	1,58,860	-	13,75,668	9,00,207	2,57,643
5.फर्नीचर तथा फिक्सचर	1,95,48,428	66,04,734	(6,22,918)	2,55,30,244	1,18,95,582	10,43,196	(5,41,650)	1,23,97,128	1,31,33,116	76,52,846
6. कार्यालय उपस्कर	60,83,591	18,32,895	-	79,16,486	45,17,890	4,82,698	-	50,00,588	29,15,898	15,65,701
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	8,00,93,023	1,19,69,790	(5,45,065)	9,15,17,748	7,73,99,936	86,06,145	(5,44,643)	8,54,61,438	60,56,310	26,93,087
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	9,24,699	-	-	9,24,699	4,98,564	63,554	-	5,62,118	3,62,581	4,26,135
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	46,11,798	35,890	-	46,47,688	44,60,945	53,674	-	45,14,619	1,33,069	1,50,853
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	7,93,495	-	-	7,93,495	3,87,377	40,611	-	4,27,988	3,65,507	4,06,118
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	49,95,441	-	-	49,95,441	39,60,682	1,40,285	-	41,00,967	8,94,474	10,34,759
13. प्रयोगशाला उपस्कर	76,57,156	-	-	76,57,156	43,80,408	4,91,512	-	48,71,920	27,85,236	32,76,748
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	4,38,397	-	-	4,38,397	2,73,057	24,801	-	2,97,858	1,40,539	1,65,340
15. यूएनडीपी उपस्कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
;kx	**16,36,10,882**	**2,12,67,510**	**(11,90,760)**	**18,36,87,632**	**12,01,19,275**	**1,23,01,685**	**(10,86,293)**	**13,13,34,667**	**5,23,52,965**	**4,34,91,607**

vuqlwph 9 :

fuekZ.kk/khu iwath

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
fuekZ.kk/khu iwathxr dk;Z	55,05,41,252	51,05,23,422
i) कार्यालय एवं आवासीय भवनों का निर्माण	63,36,054	10,60,58,977
ii) सिविल परामर्श सेवा	1,78,480	1,78,480
iii) आनुषंगिक व्यय	-	-
;ksx	**55,70,55,786**	**61,67,60,879**

vuqlwph 10 :

b;jekDM@,UMkmesaV fuf/k;ksa ls fuos'k

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (बैंक ऑफ इण्डिया में सावधि जमा)	-	-
भवन निधि . मुख्यालय	64,03,83,926	54,08,50,127
भवन निधि दिल्ली केन्द्र–एफडीआर	6,00,00,000	-
पाठ्यसामग्री विकास निधि	55,55,070	51,17,816
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	55,00,000	55,00,000
पुरस्कार निधि	-	1,50,000
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	3,91,94,259	3,57,04,078
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास के लिए निधि	4,14,79,535	3,78,75,867
नाइलिट निधि के कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण निधि	3,54,87,614	3,21,99,490
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि–एफडीआर	36,00,000	-
उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण निधि एफडीआर	5,88,14,696	1,02,96,080
;ksx	**89,00,15,100**	**66,76,93,458**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 11 :

fuos'k & vU;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	10,22,63,192	27,98,54,800
एसएफआईएओ–एफडीआर	39,56,512	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	70,00,00,000	-
पटना केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
अगरतला केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	8,19,23,288
;kx	**80,62,19,704**	**36,17,78,088**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 12 :

orZeku ifjlEifÙk;k] _.k] vfxze] vkfn

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
d- orZeku ifjlEifÙk;k		
1- orZeku ifjlEifÙk;k		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	71,37,959	1,65,254
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	30,99,75,369	24,19,88,460
फुटकर देनदार – अन्य	12,50,258	32,94,184
फुटकर देनदार – केन्द्र	2,882	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(1,75,73,877)	(1,76,60,983)
फुटकर देनदार – आरजीआई	1,42,91,65,377	1,33,17,65,498
2- ikl esa LVkd ¼ykxr&lkexzh ,oa çdk'ku½	29,51,979	42,75,261
3- ikl esa udn 'ks"k		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	30,88,770	1,36,446
पास में अग्रदाय राशि	11,535	25,500
पास में स्टाम्प	-	-
मार्गस्थ चेक/डीडी भुगतान	1,32,99,044	30,00,000
पास में चेक/ड्राफ्ट	10	21,088
4- cSad esa 'ks"k		
चालू खाता	22,95,96,463	24,97,24,627
बचत खाता	82,84,31,881	34,51,68,854
अल्पावधि जमा	4,60,25,55,926	4,91,38,09,688
दीर्घावधि जमा	1,18,78,45,981	65,24,80,212
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	23,37,49,700	25,04,24,209
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	2,69,28,946	2,11,02,044
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	1,74,56,184	43,48,898
5- vU; orZeku ifjlEifÙk;k	-	-
बिक्री कर/वैट इनपुट क्रेडिट	2,06,21,826	4,02,79,881
डीआईटी से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन	13,43,01,845	6,22,84,144
वसूलीयोग्य फीस/आय	10,50,77,348	34,56,07,797
;kx ¼d½	**9,13,58,85,406**	**8,45,22,51,062**
[k- _.k] izfrHkwfr;k vkfn		
1- _.k	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	3,75,000	-
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	24,225	29,325
कर्मचारियों को अन्य ऋण	57,471	20,656
बाहरी संस्थानों को ऋण	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज	1,59,085	2,08,631
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

जारी है.....

vuqlwph 12 :

orZeku ifjlEifÙk;k] _.k] vfxze] vkfn

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
2- olwyh ;kX; i'kfx;k		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	1,30,00,000	3,55,74,506
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	2,55,21,718	84,78,584
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	8,95,95,678	4,17,31,607
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	38,03,10,030	34,50,38,248
घटाइए रू अन्यों के लिए प्रावधान	(26,92,09,859)	(19,58,59,883)
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	3,29,990	3,06,440
यात्रा पेशगी	3,54,088	2,67,120
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	9,70,570	4,09,552
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	1,73,151	72,30,774
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	21,38,823	4,06,013
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	4,84,855	17,17,176
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	5,24,814	60,74,531
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	99,95,824	75,55,149
स्रोत पर काटा गया आयकर	14,25,59,737	15,69,24,605
पूर्व प्रदत्त व्यय	33,48,573	32,30,489
सुरक्षा जमा	88,51,936	82,95,675
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	10,33,071	17,24,58,232
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	10,00,000	24,69,178
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	47,45,000	50,66,667
ईएसडीएम परियोजना से वसूली योग्य राशि	2,15,483	-
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	92,23,958	1,19,48,227
3 fofo/k 0;; rFkk gkfu	-	
आस्थगित राजस्व व्यय	4,14,177	2,93,428
4- vUrj dUæ ys[kk	-	
क) आइजॉल	-	-
ख) औरंगाबाद	-	-
ग) कालीकल केन्द्र	-	-
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	-	-
ङ) चेन्नै केन्द्र	-	-
च) गोरखपुर केन्द्र	-	-
छ) गंगटोक केन्द्र	-	-
ज) इम्फाल केन्द्र	-	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	-	-
ञ) कोलकाता	-	-
ट) राइलिट कोहिमा	-	-
ठ) नाइलिट केन्द्र शिलांग	-	-
ड) राइलिट अगरतला	-	-
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	-	-
ण) ईटानगर केन्द्र	-	-
त) नाइलिट मुख्यालय	-	-
थ) नाइलिट (मुख्यालय)–परियोजना (ओएमआर(डीजीईटी) एवं बीसीएएस)	-	-
द) नाइलिट दिल्ली	-	-
ध) नाइलिट पटना	-	-
न) राँची	-	-
फ) लखनऊ	-	-
फ) नाइलिट अजमेर	-	-
ब) एनपीआर	-	-
;kx ¼[k½	**42,61,97,398**	**61,98,74,930**
;kx ¼d½ $ ¼[k½	**9,56,20,82,804**	**9,07,21,25,992**

हस्ता/–
¼jkthro ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 13 :

lsokvksa ls vk;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
lsokvksa ls vk;		
परामर्श सेवाएँ/व्यावसायिक शुल्क	61,21,32,857	49,99,42,991
औद्योगिक परामर्श शुल्क	5,62,720	-
डेटा संसाधन प्रभार	13,08,95,039	14,01,61,116
वेबसाइट प्राप्ति	1,60,599	90,000
अनुरक्षण सेवाएँ	21,05,325	18,74,212
कम्प्यूटर किराया (आईजीएनयू पाठ्यक्रम)	79,320	1,98,940
मूलसंरचना सुविधा	2,78,224	-
अन्य सेवाओं से आय	1,60,73,371	46,61,198
;ksx	**76,22,87,455**	**64,69,28,457**

vuqlwph 14 :

vuqnku@benkn

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
अनुदान/इमदाद (पूँजीगत अनुदान से भिन्न)	-	-
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजना–भिन्न अनुदान	5,26,00,000	1,70,00,000
राज्य सरकार	18,32,000	-
सरकारी एजेंसियाँ	-	12,21,402
संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा परियोजना मोड के अन्तर्गत)	12,53,36,692	9,86,64,098
मुख्यालय का अंश जारी	-	65,00,000
पट्टा किराया खाते में सहाता अनुदान का अन्तरण	3,21,667	8,00,000
;ksx	**18,00,90,359**	**12,41,85,500**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 15 :

Qhl@vuqnku

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1-nhÄkof/k ikBîØeksa ds vk;ksta ls vk;		
एक वर्ष अथवा उससे अधिक अवधि के दीर्घावधि पाठ्यक्रम	3,36,93,896	2,53,50,159
नाइलिट योजना के अन्तर्गत ओ/ए/बी/सी स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन	7,49,43,190	5,23,43,681
जैव सूचना–विज्ञान	1,27,500	1,08,355
एम.टेक पाठ्यक्रम	1,49,26,609	1,00,63,040
एमसीए पाठ्यक्रम	1,46,71,295	1,79,99,968
बी.टेक पाठ्यक्रम	45,90,925	8,86,541
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	96,89,413	37,64,762
बीसीए तथा समस्तर पाठ्यक्रम	1,45,75,732	1,87,48,349
मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा	30,56,700	82,66,991
प्रशिक्षण से आय (विविध पाठ्यक्रम/रोजगार कार्यालय के माध्यम से)	87,36,592	88,69,951
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	76,21,328	67,09,619
पीएचडी फीस	1,03,450	3,98,200
	-	-
2-vYikof/k ikBîØeksa ds vk;ksta ls vk;	-	-
3 महीने तक की अवधि के पाठ्यक्रम	8,52,59,446	8,93,56,727
3 महीने से अधिक लेकिन 6 महीने से कम अवधि के पाठ्यक्रम	3,89,69,566	87,38,174
6 – 9 महीने की अवधि के पाठ्यक्रम	24,84,343	7,29,747
9 – 12 महीने की अवधि के पाठ्यक्रम	-	-
	-	-
3- e[;ky; }kjk MhvkbZ, lhlh ;ksta uk ds dk;kZUo;u ls vk;	-	-
प्रत्यायन शुल्क	1,41,03,082	2,39,27,938
पंजीकरण शुल्क	2,22,19,233	2,36,98,764
परीक्षा फार्म की बिक्री	1,28,102	1,62,046
परीक्षा शुल्क ओ/ए/बी/सी स्तर	8,62,18,994	8,94,56,245
परीक्षा शुल्क – सीसीसी	18,17,45,621	29,94,83,937
परीक्षा शुल्क–बीसीसी	79,53,492	3,16,77,387
परीक्षा शुल्क अन्य	21,88,289	13,76,992
जैव–सूचना विज्ञान पाठ्यक्रमों से आय	-	44,387
हार्डवेयर पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन से आय	20,06,306	3,04,000
एससीएसपी/टीएसपी योजना के अन्तर्गत एससी/एसटी शुल्क	22,26,258	7,48,724
;ksx	**63,22,39,362**	**72,32,14,684**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 16 :

ifj;kstukvksa ls vk;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
lpuk çkS|kfxdh foHkkx dh ifj;kstuk,@dUæh; ifj;kstuk,¡		
सीएससी परियोजना	13,77,420	-
साइबर सुरक्षा परियोजना	1,06,86,636	1,44,32,016
क्षमता निर्माण–इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन एवं उत्पादन प्रौद्योगिकी	2,05,84,416	1,44,25,778
वायरलेस सेंसर परियोजना	13,48,000	39,26,000
वीटीई परियोजना	37,60,359	44,36,454
आईईसीटी/ डिजिटल साक्षरता/आईसीटी में महिला अधिकारिता	1,06,52,295	1,39,67,333
अल्पसंख्यक प्रशिक्षण से आय	34,75,500	1,25,08,899
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	65,41,246	14,13,546
कम्प्यूटर अपराध–विज्ञान प्रयोगशाला	95,28,245	7,10,165
सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता	10,08,625	7,04,455
जल क्लालिटी – डल लेक की तात्कालिक निगरानी	-	87,28,000
पीएमयू–ईएसडीएम	66,305	-
डीजीईटी परियोजना/ऑनलाइन नागर विमानन परीक्षा	5,52,05,751	1,59,48,961
एससीएसपी एवं टीएसपी तथा अनुसूचित जाति/जनजाति परियोजना	3,40,28,033	3,35,62,531
पंचायती राज	77,58,177	1,08,92,730
ग्रामीण जनसाधारण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी	12,24,52,850	6,71,55,600
आईपीआर कार्यशाला	1,15,786	27,62,000
कृषि जनगणना परियोजना	50,062	5,53,434
मूल्यह्रास वापस लाया गया	2,47,90,775	1,77,29,905
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	1,67,40,076	-
;ksx&d	**33,01,70,557**	**22,38,57,807**
औद्योगिक एजेंसी/राज्य सरकार/अन्य द्वारा प्रायोजित	67,20,135	2,52,04,608
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित	3,74,702	-
डीएसटी/एआईसीटीई/डीबीटी–बायो द्वारा प्रायोजित	-	-
अन्य	5,32,272	5,02,815
अपनी परियोजनाएँ	36,22,86,285	41,39,48,889
मूल्यह्रास वापस लाया गया	1,47,191	-
;ksx&[k	**37,00,60,585**	**43,96,56,312**
jk"Vªh; tuLo[;k jftLVj ¼x½	**1,39,40,17,612**	**1,46,79,82,814**
;ksx ¼d$[k$x½	**2,09,42,48,754**	**2,13,14,96,933**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 17 :
çdk'kuksa dh fcØh ls vk;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
रॉयल्टी से आय	-	-
प्रकाशनों की बिक्री – मुख्यालय	5,78,455	5,74,281
प्रकाशनों की बिक्री – अन्य केन्द्र	24,400	58,905
विवरणिका की बिक्री (डीईपीएम, एम.टेक, बायो–ए,ओ स्तर)	5,84,100	10,76,070
प्रकाशन की बिक्री–हार्डवेयर पाठ्यक्रम	10,375	6,625
;ksx	**11,97,330**	**17,15,881**

vuqlwph 18 :
vfrfjr C;kt

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
सावधि जमा पर	13,23,80,584	14,47,33,919
बचत खातों पर	1,42,26,156	1,76,60,220
कर्मचारी ऋण पर	37,332	16,707
अन्य निवेशों पर	1,12,48,868	2,31,19,459
ईयरमार्क्ड निधि पर	8,97,84,647	6,15,44,070
सहायता अनुदान को अन्तरण	(2,45,000)	-
;ksx	**24,74,32,587**	**24,70,74,375**

vuqlwph 19 :
Vkmuf'ki ls çkfIr;k¡

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
किराया प्राप्तियाँ	3,58,115	5,32,607
जल प्रभार की वसूली	-	-
विद्युत प्रभार की वसूली	68,122	60,260
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	6,050	-
;ksx	**4,32,287**	**5,92,867**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vfouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 20 :

fofo/k çkfIr;k¡

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
विविध आय	1,38,06,320	1,13,94,132
कार्यशाला प्राप्ति	-	2,88,884
प्राप्त ब्याज–बैंक	-	16,64,505
प्राप्त ब्याज–अन्य	63,955	-
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	48,80,680	38,65,204
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	40,89,011	31,70,019
;ksx ¼d½	**2,28,39,966**	**2,03,82,744**
xSj çpkyu vk;		
गत वर्षों से संबंधित आय	1,80,36,645	47,25,292
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभभ	16,271	2,41,510
असाधारण वस्तुओं से आय	38,66,711	-
गत वर्ष का मूल्यह्रास	19,73,906	-
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	62,56,829	1,45,73,505
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	11,46,49,267	7,31,95,123
;ksx ¼[k½	**14,47,99,629**	**9,27,35,430**
vfUre LVkWd		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	64,841	-3,992
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	3,32,987	13,11,641
;ksx ¼x½	**3,97,828**	**13,07,649**
dqy ;ksx ¼d½$¼[k½$¼x½	**16,80,37,423**	**11,44,25,823**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 21 :

LFkkiuk 0;;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1- deZpkfj;ksa dh ifjyfC/k;k¡		
वेतन तथा मजदूरी	42,96,73,831	37,09,32,587
समयोपरि भत्ता	18,931	36,876
बोनस/अनुग्रह राशि	14,79,050	14,89,244
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	19,084	-
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	3,04,484	1,66,926
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
2- deZpkfj;ksa dk ykHk		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	2,91,59,107	2,66,05,934
छुट्टी यात्रा रियायत	59,16,889	34,78,230
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	13,000	49,000
छुट्टी का नकदीकरण	2,95,82,014	2,33,24,621
कर्मचारियों को अन्य लाभभ	32,43,582	39,33,757
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	49,91,720	6,91,053
सीपीएफ पर ब्याज	14,14,542	-
बाल शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	41,98,852	40,34,796
जीवन निर्वाह भत्ता	51,165	1,87,190
3- fuf/k;ksa esa lLFkk dk vaknku		
भविष्य निधि में अंशदान	4,55,26,275	4,15,11,827
उपदान निधि में अंशदान	1,25,00,742	64,94,950
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	22,11,061	63,50,864
परियोजना निधि को अन्तरित व्यय	-	-
;ksx	**57,03,04,329**	**48,92,87,855**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 22 :

vU; ç'kklfud 0;;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1- deZpkjh dY;k.k 0;;		
कैन्टीन पर व्यय	66,14,715	69,98,811
अन्य कल्याणकारी व्यय	47,55,370	44,56,683
2- eq[;ky; }kjk ukbfyV ;kstuk dh dk;kZUo;u ls 0;;	5,02,55,451	3,62,75,183
मानदेय व्यय	2,98,750	68,075
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	-	11,19,383
3- fdjk;k egly ,oa dj		
परिसर का किराया	4,51,68,252	2,66,70,296
भवन के सेवा प्रभार	37,74,592	32,71,608
विद्युत एवं जल प्रभार	1,79,77,296	1,87,14,825
4- chek		
कार्यालय का बीमा	3,40,878	2,07,006
वाहन बीमा	2,11,849	2,02,003
अन्य बीमा	13,732	5,579
5- ejEer rFkk vuqj{k.k		
उपस्कर	48,72,324	51,42,018
कार्यालय एवं आवास भवन	1,36,28,830	83,37,420
डीआईटी को अंशदान	-	1,92,456
वाहन	13,31,481	15,92,766
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	30,63,708	33,29,535
6- ;k=k 0;;		
अन्तर्देशीय	1,39,52,340	1,25,80,591
विदेश	2,10,890	5,34,117
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	5,48,547	5,69,505
यात्रा व्यय –भ भर्ती	-	58,581
7- foKkiu ,oa çpkj&çlkj		
टेंडर आमंत्रण	12,38,045	3,03,470
भर्ती	3,21,769	7,26,364
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	61,04,921	1,14,36,234
प्रदर्शनी एवं मण्डप	3,89,056	12,64,239
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	2,01,734	31,23,870
कार्यशाला व्यय	58,02,602	28,89,210
8- dk;kZy; 0;;	-	12,848
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	7,23,906	4,39,104
डाक एवं तार	68,81,513	73,05,878
कूरियर एवं माल भाडा	7,52,841	5,72,054

जारी है.....

vuqlwph 22 :

vU; ç'kklfud 0;;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
टेलीफोन/इंटरनेट प्रभार	75,08,583	87,95,897
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	23,39,684	12,93,575
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	1,05,46,091	87,97,276
वाहन चालन व्यय	12,61,749	11,28,275
आतिथेयता व्यय	5,83,912	7,57,884
कर्मचारियों की वर्दी	17,716	29,461
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	48,33,709	37,34,023
जनशक्ति व्यय	3,93,15,793	3,30,01,560
9- fofo/k 0;;	-	-
लेखा–परीक्षा शुल्क	9,15,691	8,72,510
अन्य हैसियत में लेखा परीक्षकों को भुगतान	2,29,460	2,26,480
अनुसंधान संस्थानों को अंशदान	3,21,362	42,247
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	11,29,198	1,14,29,021
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	13,57,299	3,63,243
सेमीनार एवं पाठ्यक्रमों के विकास पर व्यय	10,33,792	9,65,424
कम्प्यूटरों का किराया	8,15,103	11,08,514
वाहन किराया	40,03,464	45,22,790
बैंक प्रभार	2,56,978	2,28,976
अतिथि गृह व्यय	2,86,430	2,13,477
अन्य फुटकर व्यय	81,53,232	97,32,417
बैठकों पर व्यय	10,79,794	18,35,723
परीक्षा व्यय/फीस (सीएफएस,डीईपीएम, एम.टेक,जैव सूचना–विज्ञान)	15,44,656	4,85,699
एफिलिएशन फीस	5,11,721	1,44,935
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	4,53,872	5,94,444
प्रत्यायन व्यय	-	1,17,600
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/ परियोजनाओं से वसूल	-	-
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	3,21,667	8,00,000
संदिग्ध ऋण बट्टा खाता	-	73,880
हानि–बट्टे खाते डाली गई	26,26,385	-
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध व्यय बट्टे खाते डाली गई	27,03,145	14,43,644
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	7,37,812	12,57,820
10- C;kt	-	-
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	13,010	20,211
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	4,005	2,449
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	45,439	22,891
11- vk;dj@0;kolkf;d dj	-	-
व्यावसायिक कर	2,500	2,500
सेवा कर	17,41,583	2,27,809
12- çko/kku	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	-	68,94,403

जारी है.....

vu|l|ph 22 :

vU; ç'kklfud 0;;

(राशि रुपए में)

fooj.k	or|eku o"k	xr o"k
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	1,45,25,625	37,09,954
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	1,86,945	51,305
15- ikBîØeks d| l|pkyu ij 0;;	-	-
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	1,53,00,015	99,04,418
एम.टेक/एमसीए	8,79,075	10,08,731
सीसीसी योजना	40,60,629	51,28,710
बीसीसी योजना	20,66,796	69,13,289
अल्पावधि पाठ्यक्रम	3,86,16,131	7,13,43,192
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	25,69,817	14,31,432
आईईटीएस बीपीओ योजना	-	-
डीएससीएस योजना	-	-
जैव सूचना–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम	42,600	1,18,793
14- ckgjh ikfV;ks dks çf'k{k.k 0;;	49,30,528	-
;kx	**36,93,08,388**	**35,91,76,594**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – सहायता अनुदान	11,46,49,267	7,31,95,123
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – अतिशेष का	1,23,34,520	57,74,249

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 23 :

ifj;kstukvksa ij 0;;

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
केन्द्र सरकार (सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि/एआईसीटीई/ डीजीएण्डईटी की परियोजनाएँ)	13,62,07,481	12,57,96,204
विस्तार केन्द्र पर व्यय	2,48,28,278	3,16,39,299
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	5,92,518	-
राज्य सरकार	1,05,41,592	2,36,93,439
अन्य परियोजनाएँ	51,748	1,72,740
अपनी परियोजनाएँ	29,42,87,477	27,95,46,933
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	2,77,34,559	2,06,92,174
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	7,33,49,976	87,77,00,996
;kx ¼d½	**56,75,93,629**	**1,35,92,41,785**
lokvksa ij 0;; ¼[k½	**56,51,11,315**	**47,69,81,925**
;kx ¼d$[k½	**1,13,27,04,944**	**1,83,62,23,710**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

ukbfyV

foÿkh; o"kZ 2014&2015 ds fy, vfr'k"k@¼deh½ ds C;kSjs

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
केन्द्र की आय	4,08,59,65,557	3,98,96,34,520
केन्द्र का व्यय	2,19,93,01,448	2,76,36,57,531
vfr'k"k@¼deh½	**1,88,66,64,109**	**1,22,59,76,989**
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज	8,97,84,647	6,15,44,070
lLFkk dk 'kq) vfr'k"k	**1,79,68,79,462**	**1,16,44,32,919**

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vfouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

vuqlwph 24 :
egRoiw.kZ y[kkdu uhfr;k¡

1. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत नाइलिट नामक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (जिसका नाम 10.10.2011 से डीओईएसीसी सोसायटी से बदल कर रखा गया है) की स्थापना नवम्बर, 2004 में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास तथा संबद्ध कार्यकलाप करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12/क के अन्तर्गत आयकर विभाग में पंजीकृत है और इसका गठन अनन्यतः सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) तथा संबद्ध क्षेत्रों में विश्वस्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएँ प्रदान करके अच्छी क्वालिटी की जनशक्ति तैयार करने तथा कुशल प्रोफेशनलों का विकास करने का प्रयोजन किया गया है। यह संस्था सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में शिक्षण का कार्य कर रही है और साथ ही अद्यतन तकनीकी जानकारी के क्षेत्र में उद्योग उन्मुखी उत्तम गुणवत्ता शिक्षण तथा प्रशिक्षण का विकास भी कर रही है तथा आईसीटी के क्षेत्र में देश का अग्रणी परीक्षा एवं प्रमाणन संस्थान बनने का मानक स्थापित करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायित करती है। नाइलिट आइजॉल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, राँची, शिलांग, श्रीनगर तथा जम्मू स्थित अपने 19 केन्द्रों के माध्यम से कार्य करती है।

2. **y[kkdu dh ijEijk %**

y[kkdu i)fr

अन्तिम विवरण लेखांकन की अर्जन पद्धति के अन्यथा बताए जाने तक ऐतिहासिक लागत परम्परा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

vuqekuksa dk ç;ksx

अन्तिम विवरण तैयार करने के लिए अनुमान तथा मान्यताएँ करनी पड़ती हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि में बताई जाने वाली परिसम्पत्तियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं उस समय पहचाना जाता है।

3. **vk; dh igpku**

क. निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द लेखांकन की अर्जन पद्धति अपनाते हैं :

- गोरखपुर, कोलकाता तथा राँची केन्द्र जो अनुसूचित जाति/जनजाति से फीस की पहचान अनुदान के प्रतिपूर्ति के समय करते हैं।
- चेन्नै केन्द्र प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क तथा जागरूकता सृजन निधि के लिए लेखांकन की अर्जन पद्धति अपनाते हैं।
- अगरतला केन्द्र एससीएसपी एवं टीएसपी योजना से संबंधित फीस तथा ई–विद्या परियोजना से संबंधित आय के मामले में नकद आधार अपनाता है।

ख. नए केन्द्रों की स्थापना के लिए आवर्ती व्यय के प्रयोजन से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी सहायता अनुदान का लेखांकन नीचे दिए अनुसार किया गया है :

i.	आइजॉल केन्द्र की स्थापना	36,83,443/-	रुपए
ii.	अजमेर केन्द्र की स्थापना	1,42,92,000/-	रुपए
iii.	शिलांग केन्द्र की स्थापना	1,71,40,000/-	रुपए
iv.	अगरतला केन्द्र की स्थापना	3,54,56,201/-	रुपए
v.	पटना केन्द्र की स्थापना	20,13,740/-	रुपए
vi.	ईटानगर केन्द्र की स्थापना	1,37,00,000/-	रुपए
vii.	गंगटोक केन्द्र की स्थापना	1,34,40,000/-	रुपए
ix.	विस्तार केन्द्र की स्थापना कोकराझार, जोरहाट एवं सिलचर (गुवाहाटी)	1,37,42,651/-	रुपए
ix.	लेह उप केन्द्र की स्थापना	1,18,68,657/-	रुपए
	;ksx	**12,53,36,692/-**	रुपए

4. **fuos'k**

- संस्था की निधियों राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमा मे निवेशित किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।
- वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि के खाते किया जाता है।

5. **fLFkj ifjlEifÙk;k¡**

d- स्थिर परिसम्पत्तियों को संचित मूल्यह्रास को घटाकर लागत पर बताया जाता है। अर्जन की लागत को आवक मालभाडा, शुल्क एवं कर तथा अर्जन के प्रासंगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय को मिलाकर बाताया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

[k- कालीकट केन्द्र के मामले में, यूएडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 137 उपस्करों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पत्ति पक्षों में दर्शाया गया है।

vuqlwph 24 :
egRoiw.kZ y[kkdu uhfr;k¡

x- कोलकाता केन्द्र के मामले में, बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लॉन नं. 267, ब्लॉक बीएफ) स्थित पट्टाकृत भूमि को स्थिर परिसम्पत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

?k- अगरतला केन्द्र के सम्बध में, स्थायी परिसर के भवन हेतु 15 एकड़ की भूमि निशुल्क रूप से त्रिपुरा सरकार ने आवंटित की है, समान रूप से रुपए 1/– की कम कीमत पर दर्शायी गई है।

M- अगरतला केन्द्र मामले में, केन्द्र की आरम्भिक प्रशिक्षण सुविधा के लिए भवन त्रिपुरा सरकार द्वारा आबंटित किया गया है। सिविल मरम्मत कार्य, बिजली के कार्यों मैं परिवर्तन तथा उससे संबंधित अन्य विविध व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाले जाने और वित्तीय वर्ष 2011–12 से 20 प्रतिशत की दर से एमोर्टाइज़ किया जाएगा। चूँकि इस भवन का स्वामित्व नाइलिट के पास नहीं है, इसलिए व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

p- चण्डीगढ़ केन्द्र के मामले में, 8 जून 2014 को एक बड़ी दुर्घटना हुई थी जिसमें एससीओ–114–116 स्थित भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। नाइलिट चण्डीगढ़ के वित्तीय वर्ष 2014–15 की अन्तिम लेखाओं में 1 अप्रैल 2014 से 8 जून 2014 की अवधि शामिल है जिसके लिए कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं है (सिवाय टैली बैकअप जो लेखा विभाग के अधिकारियों के पास पेन ड्राइव में भण्डारित था, तथा कुछ रिकार्ड जो बैंक जैसी बाहरी पार्टियों के पास उपलब्ध थे)। 7,20,31,215/– रु. मूल्य (मूल लागत) की परिसम्पत्तियाँ अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गईं। उक्त परिसम्पत्तियों की हानि को लेखा बहियों में नहीं दर्शाया गया है। अग्नि दुर्घटना की तिथि तक अर्थात 69 दिनों के लिए आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर मूल्यहृास का प्रावधान किया गया है। केन्द्र ने बीमा कम्पनी ने 93,28,626/– रु. का दावा किया है जिसके विरुद्ध बीमा कम्पनी ने 49,24,111/– रु. की राशि अनुमोदित की है। इसका लेखांकन दावे की वास्तविक प्राप्ति के वर्ष में किया जाएगा।

N- गुवाहाटी केन्द्र के मामले में, असम सरकार द्वारा स्थायी परिसर के निर्माण के लिए गुवाहाटी मुख्य (3 एकड़) तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र (6 एकड़) में भूमि का आबंटन निःशुल्क रूप में किया गया है जिसे प्रत्येक के मामले में 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।

t- सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।

>- सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों कीं अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।

=- राजस्थान सरकार ने केकड़ी जिला, अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों कीं लीज़ पर निःशुल्क रूप में आबंटित किया है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

´ कोलकाता केन्द्र को 15 एडोब परपिचुअल लाइसेंस आबंटित किए गए हैं। लेकिन उसके लिए भुगतान मुख्यालय द्वारा किया गया। तदनुसार लाइसेंस के मूल्य को स्थिर परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्ज किया गया है।

r गंगटोक शाखा के मामले में, मुख्यालय द्वारा निःशुल्क रूप में आबंटित 5 मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर को स्थिर परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

6. eY;gkl

क. 'अनुदान से संबंधित परिसम्पत्तियों' पर चालू वर्ष की परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास को आय तथा व्यय खाते में नामे किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में भी जमा किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

ख. मूल्यहृास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.डी पद्धति पर किया जाता है।

7. ljdkjh vuqnku

d- वर्ष 2014–15 के 700.00 लाख रु. के सहायता अनुदान (योजनागत) को वास्तविक प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है। पूँजीगत अनुदानों को संबंधित केन्द्र की पूँजी निधि में जमा किया गया है।

[k- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नए केन्द्रों की स्थापना के लिए व्यय (पूँजीगत/आवर्ती) को निचे दिए अनुसार लेखांकित किया गया है :

vuqlwph 24 :
egRoiw.kZ y[kkdu uhfr;k¡

i.	रोपड़ केन्द्र की स्थापना	3,64,20,000	रुपए
ii.	कोहिमा केन्द्र की स्थापना	58,91,964/-	रुपए
iii.	अगरतला केन्द्र की स्थापना	10,30,11,000/-	रुपए
iv.	शिलांग केन्द्र की स्थापना	1,35,00,000/-	रुपए
v.	अजमेर केन्द्र की स्थापना	9,00,00,000/-	रुपए
vi.	गंगटोक केन्द्र की स्थापना	1,00,00,000/-	रुपए
	;ksx	**27,32,24,779/-**	रुपए

x- वर्ष 2014–15 के 526.00 लाख रु. के सहायता अनुदान (योजना–भिन्न) को संबंधित केन्द्र के आय तथा व्यय लेखा में जमा किया गया है।

?k- पूँजीगत सहायता अनुदान को ऐसे अनुदान से खरीदी गई स्थिर परिसम्पत्तियों में मूव्यहृास के पश्चात शुद्ध मूल्य पर दर्शाया जाता है।

8. y[kkdu uhfr esa ifjorZu

गोरखपुर केन्द्र के विस्तार केन्द्र अर्थात लखनऊ के मामले में, जो पहले अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों से प्राप्त फीस का लेखांकन नकद आधार पर अनुदान का प्रतिपूर्ति के समय करता था, अपने लेखांकन के आधार में परिवर्तन किया है और शीर्ष के अन्तर्गत 87,11,664/– रु. की राशि को वसूली के रूप में दर्शाया है। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान वर्ष के दौरान राजस्व में 87,11,664/– रु. की राशि राजस्व के रूप में दर्शाई गई है। (23,88,864/– रु. की राशि वित्तीय वर्ष 2013–14 से संबंधित तथा 63,22,800/– रु. की राशि वित्तीय वर्ष 2014–15 से संबंधित)।

9. deZpkjh ykHk

क. उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन पर किया जाता है। कालीकट, चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से नकद संचयन के आधार पर सामूहिक उपदान के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी के ट्रस्ट में पालिसी के रूप में शामिल किया गया है। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत शामिल हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस माह की परिलब्धियाँ (वेतन+ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए।

ख. छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।

ग. नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत शामिल किया गया है। अप्रैल 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि का संसाधन/गणना ईपीएफ कार्यालय में जमा करने के लिए किया जा रहा है। नाइलिट सीपीएफ ट्रस्ट में रखी शेष राशि को समायोजन 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ के एरिअर के भुगतान से किया जाएगा।

10. नगर निगम, चण्डीगढ़ में केन्द्र के लिए भूमि के आबंटन के प्रयोजन से आबंटित 43,24,045/– रु. की राशि को वसूली योग्य रूप में दर्शाया गया है। इस राशि को उक्त निगम द्वारा अपवर्तित कर दिया गया है, क्योंकि केन्द्र ने भूमि को छोड़ दिया है। चण्डीगढ़ केन्द्र ने माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में धनराशि को वापस प्राप्त करने के प्रयोजन से पर्याप्त वित्तीय रिलीफ के रिट याचिका दायर की थी जिसे निरस्त कर दिया गया है। केन्द्र मामले की पुनर्बहाली के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने की कार्रवाई कर रहा है।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041 एन

स्थान : ubZ fnYyh
दिनांक : 11-09-2015

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼MkW- vf'ouh dqekj 'kekZ½
प्रबंध निदेशक

हस्ता/–
¼lh,] lfpu dqekj½
(साझेदार)
सदस्यता सं. 511820

vuqlwph 25 :
ys[kkvksa ij fVIif.k;k¡

1- vkdfLed n;rk %

क. vkjksxkckn dsUæ

मेसर्स डीवीआईआईटी ने केन्द्र पर 72.00 लाख रु. का दावा प्रस्तुत किया है। माननीय सीजेएसडी, औरंगाबाद ने मामले को निरस्त करते हुए आदेश पारित किया है।

इसके पश्चात, वादी ने माननीय बम्बई उच्च न्यायालय में अपील दर्ज की है जो अभी तक लम्बित है।

ख. p.Mhx< dsUæ

क्र.सं.	मामले का प्राधिकरण	मामले का तथ्य	शामिल राशि
1.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एलं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण, नई दिल्ली	नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराई गई लेखन सामग्री के मूल्य को कर योग्य श्रेणी अन्तर्गत शामिल किया जाना। आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, चण्डीगढ़ ने नाइलिट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीईएसटीएटी, नई दिल्ली के समक्ष अपील दायर की गई है। माँग के स्थगनादेश के आवेदन पर शीघ्र ही बहस की जाएगी।	रु. 83,92,094/– तथा इसी राशि का दण्ड
2.	आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त II चण्डीगढ़	नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराई गई लेखन सामग्री के मूल्य को कर योग्य श्रेणी अन्तर्गत शामिल किया गया है। सुनवाई की तिथि अभी तक सूचित नहीं की गई है।	रु. 3,55,310/–

केन्द्र (पूर्वतन आरसीसी) को केवीएस द्वारा उनकी स्कूल परियोजना के लिए अनुदेशक उपलब्ध कराने के लिए किए गए विवादित अधिक भुगतान के संबंध में उन्होंने रु. 2,68,650/– का दावा किया है।

ईएसआई ने ईएसआई योजना के लिए रु. 11,22,702/– तथा रु. 3,03,907/– का माँग नोटिस भेजा है जिसे स्थगित करवा लिया गया है। सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग), ईएसआई न्यायालय चण्डीगढ़ ने दिनांक 07.12.2010 के आदेश के जरिए ईएसआई के वसूली संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया है। लेकिन उप निदेशक, ईएसआई ने अपने दिनांक 21.07.2011 के आदेश सं. पीबी 17000399790001013/245 के जरिए केन्द्र को राशि का भुगतान करने का पुनः निदेश दिया है। केन्द्र ने माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की है। माननीय उच्च न्यायालय ने वसूली को स्थगित कर दिया है। मामला अभी तक लम्बित है।

ग. xqokgkVh dsUæ

कैट गुवाहाटी पीठ में नाइलिट गुवाहाटी से संबंधित लम्बित मामले नीचे दिए अनुसार हैं:

क्र.सं.	प्रकरण सं.	वादी का नाम	शामिल मुद्दे
1.	माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय का 2014 का रिट याचिका सं. 5973	सज्ज़ाद ज़ाहिर बनाम यूओएल ब्रदर्स	नाइलिट गुवाहाटी की अनुबंध के आधार पर सेवा से सज्ज़ाद ज़ाहिर मुक्त करने के लिए उनके खिलाफ नाइलिट की अपील
2.	गुवाहाटी उच्च न्यायालय में क्र.सं. 249660 के जरिए पंजीकृत रिट याचिका	राणा शर्मा बनाम यूओएल ब्रदर्स	श्री राणा शर्मा की नियुक्ति के मामले में कैट गुवाहाटी के आदेश के विरुद्ध नाइलिट की अपील
3.	कैट गुवाहाटी में ओ.ए.सं 403/2014 तथा विविध प्रकरण सं. 040/00008/15	ध्रुवज्योति डेका बनाम यूओएल ब्रदर्स	आवेदक को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाना तथा नियमित कर्मचारियों के मामले में लागू लाभ जारी करना।

vuqlwph 25 :
ys[kkvksa ij fVIif.k;k¡

घ. dkyydkrk dUæ

आयकर में आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यग्रहण किए कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता रख रहा है। लेकिन जिन कर्मचारियों ने 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यग्रहण किया है उनकी भविष्य निधि सीपीएफ अधिनियम के अन्तर्गत नाइलिट मुख्यालय में रखी जा रही है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ एवं एमपी अधिनियम 1952 के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07. 1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के खिलाफ दिनांक 24 मार्च 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है।

केन्द्र ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु. 6,27,413/– की माँग के विरुद्ध रु. 1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। केन्द्र ने माँग का विरोध किया है।

ङ. fnYyh dUæ

केन्द्र ने एससी/एसटी/ओबीसी अल्पसंख्यक एवं प्रतिबंधता वित्तीय एवं विकास निगम लिमिटेड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से वर्ष 2003–04 में बिल निर्माण कार्य के कम्प्यूटरीकरण के लिए 26.95 लाख रु. की वसूली का मामला दायर किया है। विक्रेताओं से 20. 93 लाख रु. मूल्य की सामग्रियों की देयता का लेखांकन निगम से राशि प्राप्त नहीं होने के कारण नहीं किया है।

2. iwath dh çfrc)rk

कोलकाता केन्द्र के मामले में रु. 44,95,000/– की पूँजी की प्रतिबद्धता है (गत वर्ष रु. 2,27,08,000/–)।

3. वर्ष 2014–15 के दौरान, निम्नलिखित केन्द्रों ने वर्ष 2013–14 के अतिशेष से 10.00 करोड़ रु. का प्रावधान नाइलिट दिल्ली केन्द्र के लिए स्थान की लागत को पूरा करने के लिए अधिशासी परिषद द्वारा 29 नवम्बर 2014 को आयोजित 32वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किया है।

(आँकड़े लाख में)

i.	नाइलिट मुख्यालय	.	300.00
ii.	औरंगाबाद	.	50.00
iii.	चण्डीगढ़	.	300.00
iv.	गोरखपुर	.	300.00
v.	दिल्ली केन्द्र	.	50.00
	;ksx	-	1000-00

इसके विरुद्ध, नाइलिट मुख्यालय तथा गोरखपुर केन्द्र ने निधियों का निवेश बैंक एफडीआर में कर दिया है।

4. orZeku ifjlEifÙk;k] _.k rFkk iz'kfx;k¡

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋण तथा पेशगियों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में प्राप्त किया जाएगा, केवल उन लेनदारों के मामलों को छोड़कर जहाँ अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण का प्रावधान किया गया है।

fnYyh dUæ dk ekeys esa

i. फुटकर देनदारों से रु. 1,91,43,753/– की राशि के फुटकर देनदारों के मामले में (नीचे बताए गए (ii) तथा (iii) के अलावा) रु. 2,16,542/– का प्रावधान किया गया है जो तीन वर्षों से अधिक समय से लम्बित है (अर्थात 31.03.2012 से पहले), जो प्रबंध वर्ग की राय में उचित है।

ii. शिक्षा निदेशक, झण्डेवालाँ से रु. 1,12,71,327/– से वसूली योग्य राशि के विरुद्ध रु. 28,11,468/– के संदिग्ध ऋण का प्रावधान किया गया है। यह राशि 2004–05 से अप्राप्त है। मामला मध्यस्थता के अधीन है। प्रबंध वर्ग की राय में किए गए प्रावधान की मात्रा उचित है।

iii. दिल्ली एससी/एसटी/ओबीसी अल्पसंख्यक एवं प्रतिबंधता वित्तीय एवं विकास निगम लिमिटेड से रु. 26,95,031/– की राशि बकाया है। केन्द्र ने उक्त राशि की वसूली के लिए माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली में मामला दायर किया है जो अब तक लम्बित है। उक्त राशि के लिए संदिग्ध ऋण का प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि प्रबंध वर्ग पूरी राशि की वसूली के लिए आशावान है।

5- jk"Vªh; tulaY;k jftLVj ¼,uihvkj½

क. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्यिगिकी विभाग ने अपने दिनांक 05/04/2011 के पत्र सं. 7(2)2011–ईजी–1 के जरिए 17 राज्यों तथा 2 संघ शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर

तैयार करने के प्रयोजन से जनसांख्यिकीय डेटा अंकीयकरण एवं बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का कार्य सौंपा है। आरजीआई ने अपने दिनांक 27/06/2012 के अर्धशासकीय पत्र सं. 9/83/2010 सीआरडी (एनपीआर) के जरिए बायो मेट्रिक डेटा अंकीयकरण का कार्य नाइलिट से वापस ले लिया है।

ख. भारत के महापंजीयक के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नाइलिट को 522.24 करोड़ रु. की पेशगी जारी की है। प्रबंध वर्ग द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार डेटा अंकीयकरण (एनपीआर परियोजना) की कुल देयता लगभग 571 करोड़ रु. है। आरएफक्यू के भुगतान की शर्तों के अनुसार, एमएसपी के शेष 30 प्रतिशत का भुगतान जारी नहीं किया गया है। 31.03.2015 की स्थिति अनुसार 228.27 करोड़ रु. की राशि का उपयोग कर लिया गया है। 446.44 करोड़ रु. की शेष राशि (ब्याज सहित) बैंक खातों में (बचत/चालू) तथा जमा रूप में उपलब्ध है। डेटा अंकीयकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। अंतिम अंकीयकृत डेटा अक्तूबर 2013 में आरजीआई को दे दिए गए।

ग. सभी एनपीआर प्रतिभागी नाइलिट केन्द्रों ने एनपीआर परियोजना के मामले में 01.04.2012 से अलग लेखा बही रखे तथा वर्ष 2012–13 से अलग वार्षिक लेखे तैयार किए।

घ. अप्रयुक्त पेशगियों पर अर्जित 137.02 करोड़ रु. के ब्याज को देयता के रूप मे रखा गया है तथा आरजीआई के दिशा–निर्देशों के अभाव में ब्याज आय के रूप में लेखांकित नहीं किया गया है।

ड. मेसर्स सीएससी–एसपीवी को ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 24 करोड़ रु. की पेशगी का भुगतान किया गया है। मेसर्स सीएससी–एसपीवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 31.03.2015 तक 26.92 करोड़ रु. का व्यय किया है। मुख्यालय की एनपीआर बहियों में 26.92 करोड़ रु. का प्रावधान सक्षम प्राधिकारी द्वारा व्यय के अनुमोदन के अधीन किया गया है। मेसर्स सीएससी–एसपीवी द्वारा किए गए विधिवत अनुमोदित वास्तविक व्यय को एनपीआर प्रतिभागी केन्द्रों की बहियों में लेखांकित किया जाएगा

च. नाइलिट केन्द्र, चण्डीगढ़ के कार्यालय में जून 2014 में भीषण अग्नि दुर्घटना हुई जिसके फलस्वरूप सभी मूलसंरचना तथा केन्द्र के रिकार्ड नष्ट हो गए। 33,97,366/– रु. (सकल मालियत) की एनपीआर परिसम्पत्तियाँ अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गईं और उससे हुई हानि को लेखाओं में शांमिल नहीं किया गया है।

छ. आरएफक्यू की शर्तो के अनुसार, आएफक्यू की किसी भी शर्त का अनुपालन नहीं करने के मामले में बीजक राशि के 100 प्रतिशत से भी ज्यादा की राशि के दण्ड का उपबंध था। चूँकि डेटा अंकीयकरण के कार्य में कुछ बिलम्ब हुआ था, इसलिए पार्टियों ने बिल नहीं प्रस्तुत किया है। पार्टियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने के अभाव में उसकी देयता/दण्ड का पता नहीं लगाया जा सका। जिस वर्ष बिल प्राप्त होंगे उस वर्ष उन्हें लेखाओं में शामिल किया जाएगा।

6- गत वर्ष के आँकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

7- आँकड़ों को निकटतम रूपए में दर्शाया गया है।

8- उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि संस्था की माइक्रो लघु एवं मध्यम उपक्रम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में विनिर्दिष्ट कोई राशि माइक्रो लघु एवं मध्यम उपक्रम को देय नहीं है, और लेखा–परीक्षक ने उसपर विश्वास किया है।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041 एन

स्थान : ub fnYyh
दिनांक : 11-09-2015

हस्ता/–
¼jktho ryokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
¼Mk- vf'ouh dqekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

हस्ता/–
¼lh,] lfpu dqekj½
(साझेदार)
सदस्यता सं. 511820

çkfIr ,o Hkqxrku y[kk

31 ekp] 2015 dk lekIr o"k

(राशि रुपए में)

Ø-la	çkfIr;k	orZeku o"k	xr o"k	Ø-la-	Hkqxrku	orZeku o"k	xr o"k
I	vFk 'k"k			I	0;;		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	1,83,034	2,62,462		क) स्थापना व्यय	44,71,46,406	45,01,81,024
	ख) बैंक शेष				ख) प्रशासनिक व्यय	37,95,91,218	27,64,95,463
	i) चालू खाताओं में	24,97,24,627	16,93,34,418				
	ii) बचत खाताओं मे	34,53,21,322	74,00,35,807				
	iii) अल्पावधि जमा में	4,91,38,09,688	4,88,41,97,820				
	iv) दीर्घावधि जमा में	65,24,80,212	54,92,19,639				
	v) दीर्घावधि जमा मे–इयरमार्क्ड निधियाँ	-	-				
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	-	-				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-				
II	çkIr vuqnku		-	II	fofHkUu ifj;kstukvksa ds fy, çkIr fuf/k;ksa ls fd, x, Hkqxrku ¼ifj;kstukvksa ij 0;;½		-
	क) भारत सरकार से						
	i) योजनागत	7,00,00,000	7,64,83,000		i) डोनर (आईटीईएस)	-	6,84,677
	ii) योजना भिन्न	2,47,93,740	1,70,00,000		ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	1,44,37,770
	iii) रिफर्बिशमंट निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	iv) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	-	-		iv) सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी परियोजनाओं	64,92,824	1,81,22,251
	v) केन्द्रों से अन्तरित निधि	-	-		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	एनपीआर परियोजना	79,11,43,878	12,30,70,000		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजनागत निधि पर ब्याज	1,26,53,232	1,39,37,992				
	ख) राज्य सरकार से	13,04,419	-		पटना आरसी की स्थापना	-	10,96,985
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	21,62,01,813	51,97,94,162		केन्द्रों को जारी निधियाँ	2,66,84,47,025	2,57,68,03,870
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	-	-
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजनाओं पर व्यय	96,16,61,067	93,75,85,137
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	39,35,000	-		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	3,371	49,66,90,597
	iv) डीआईटी (महिला अधिकारिता)	39,24,134	1,49,47,923				
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	70,73,625	43,87,206				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	-	-				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	1,82,13,32,811	96,95,07,835				
	ix) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	3,74,91,994	-				
	x) ई–अधिगम	-	-				
	xi) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास)	23,60,729	-				
	xii) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना))	-	3,46,20,000				
	xiii) डीआईटी (अनु.जा/ज.जा अनुदान)/ एससीएसपी एवं टीएसपी	2,20,18,041	2,51,29,186				
	xiv) अन्य परियोजनाएँ	23,26,82,439	11,37,58,133				
III	fuEufyf[kr ij fuos'k ls vk;			III	fd, x, iwath fuos'k rFkk tek		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	66,13,43,458	66,07,22,524		क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि से	94,26,56,480	69,25,52,663
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	20,57,90,632	8,43,70,235		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	7,20,37,909	9,49,75,937
	ग) सहायता अनुदान	4,13,45,04,921	4,85,05,63,941		ग) सहायता अनुदान	3,02,44,68,256	4,13,82,32,942
	घ) अल्पावधि जमा	-	-		घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी है.....

çkfIr ,o Hkqxrku y[kk

31 ekp] 2015 dk lekIr o"k

(राशि रुपए में)

Ø-l-	çkfIr;k	or'ku o"k	xr o"k	Ø-l-	Hkqxrku	or'ku o"k	xr o"k
IV	çkfIr C;kt			IV	स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	34,03,44,732	10,10,77,271		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	10,75,20,735	11,54,58,132
	ख) बचत खाता पर	2,16,45,824	2,08,80,753		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	24,99,90,538	18,22,56,751
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	33,10,40,607	31,80,48,448				
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	-	-				
V	vk; ¼fufn"V dj½			V	vfr'k"k jkf'k@_.k dh okilh		
	फीस/अंशदान	60,58,65,576	47,49,92,564		क) भारत सरकार को	1,14,96,000	5,74,32,134
	सेवाओं से आय	74,50,41,666	60,19,51,535		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	1,64,81,75,642	1,42,50,48,340		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	54,08,539	28,20,080
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	11,73,577	16,42,016				
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	4,06,308	3,79,370				
	विविध आय	5,83,94,287	1,33,19,643				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठयक्रमों का कार्यान्वयन	-	-				
VI	m/kkj e yh xbZ jkf'k			VI	foÿk çHkkj ¼C;kt½	8,20,497	500
	नाइलिट योजना से पेशगी	20,00,000	84,00,000				
VII	dkbZ vU; çkfIr			VII	vU; Hkqxrku		
	क) पास में चैक/ड्राफ्ट	-	6,661		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	1,29,87,218	4,70,21,631
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	9,02,60,041	12,44,76,420		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	29,08,84,683	56,35,63,811
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	17,39,79,039	5,40,55,806		ग) विविध व्यय	1,49,64,980	1,18,41,874
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	23,395	4,46,30,166		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	58,045	55,477
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	2,43,75,391	15,31,95,573		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	4,19,77,097	2,23,35,141
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	9,69,11,215	33,73,05,267		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	54,63,10,014	21,90,71,873
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	35,19,10,107	11,60,69,388		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	28,22,76,281	29,57,70,198
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	18,85,95,357	14,07,92,733		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	9,94,10,448	11,51,46,528
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	3,88,040	7,67,588		झ) पंजीकरण फीस	22,720	5,00,000
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	-	1,51,93,888		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	2,53,404	74,071
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	12,14,22,568	6,51,96,362		ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	4,43,61,953	2,46,13,204		ठ) अन्तर केन्द्र खाता	1,99,40,86,259	27,36,01,823
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	69,13,000	65,00,000
					ढ) प्रदत्त सेवा कर	14,03,92,991	9,30,37,798
					ण) सीपीएफ न्यास को देय	4,97,11,679	2,76,71,725
				VIII	bfr'k"k		-
					क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	96,51,995	1,83,034
					ख) बैंक शेष	-	-
					i) चालू खाताओं में	22,95,96,463	24,97,24,627
					ii) बचत खाताओं में	82,84,31,881	34,51,68,855
					iii) अल्पावधि जमा में	4,60,08,89,696	4,91,38,09,688
					iv) दीर्घावधि जमा में	1,22,98,29,355	65,24,80,212
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	-	-
					vi) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					ग. एनपीआर खाता –पास में नकदी	-	-
					ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	-	-
	;kx	**19,25,63,89,074**	**17,89,33,85,279**		;kx	**19,25,63,89,074**	**17,89,33,85,279**

स्थान : ubZ fnYyh
दिनांक : 11-09-2015

हस्ता/– ¼jktho [yokj½
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/– ¼Mk- vf'ouh dekj 'kek½
प्रबंध निदेशक

हस्ता/– ¼lh,] lfpu dekj½
(साझेदार)
सदस्यता सं. 501820

स्नैप शॉट्स

3 x 660 मेगावॉट
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
DIGITAL INDIA WEEK
1800-11-66-11
Shri Ravi Shankar Pr
WORKSHOP 2014
PE COMPLEX, NEW DELHI
NIELIT

NIELIT
SUPPORTING DIGITAL INDIA
THROUGH COURSES
ON DIGITAL MARKETING
Workshop for
SKILLS GAP IDENTIFICATION &
CURRICULUM FINALIZATION

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक। **बीआई–ए** जैव–सूचना विज्ञान–ए स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना विज्ञान–ओ स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कम्प्यूटर पाठयक्रम। **सीएसएसपी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा कार्मिक **सीसीएफपी** प्रमाणित कम्प्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर। **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी। **सीसीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में सर्टिफिकेट पाठयक्रम। **सीएचएम–ओ** स्तर कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए स्तर। **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणा पाठयक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं प्रबंध में डिप्लोमा। **डोनर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग। **डीईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईटीसी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईटीएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जे एण्ड के** जम्मू तथा कश्मीर। **एमसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी** परियोजना प्रबंध परामर्शदाता। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएण्डडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** आभासी अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडल्यूडी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंध बोर्ड। **जीसी** अधिशासी परिषद। **एफ एण्ड ए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

DIGITAL
LITERACY
FOR ALL

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन

6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003

फोन : 91-11-2436 3330 / 1 / 91-11-24366577/79/ 80 फैक्स : 91-11-2436 3335